हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • सोमवार • 07.07.2025 • वर्ष : 15 • अंक : 343 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

बारिश के बीच मेन रोड में निकला मुहर्रम का मातमी जुलूस, पुलिस भी दिखी मुस्तैद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची में रविवार को मुहर्रम के मौके पर ऐतिहासिक मातमी जुलूस निकाला गया। मेन रोड पर जब जुलूस बढ़ रहा था, उसी दौरान झमाझम बारिश भी शुरू हो गई। लेकिन बारिश ने ना तो श्रद्धालुओं के जोश में कोई कमी की और ना ही मातम की परंपरा को रोका। लोग भीगते हुए इमाम हुसैन की शहादत को याद करते नजर आए। जगह-जगह से पहुंचे ताजिए, निशान और अखाड़ों का स्थानीय लोगों ने स्वागत किया। जुलूस में 'या हुसैन' की सदाएं गूंजती रहीं। मेन रोड समेत शहर के कई इलाकों से मुस्लिम समाज के लोग बाजे-गाजे के साथ सीनाजनी करते और जंजीरी मातम में शरीक होते दिखे। कई जगहों पर पुलिस-प्रशासन मुस्तैद रहा। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए ट्रैफिक की दिशा बदली गई थी और सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। कर्बला की याद में बहा खून, गूंजे या हुसैन के नारे। पैगंबर मोहम्मद के नवासे इमाम हुसैन की याद में मनाया जाने वाला मुहर्रम मुस्लिम समुदाय के लिए गम और सब्र का महीना होता है। इस्लामी इतिहास के अनुसार दस मुहर्रम को कर्बला की जमीन पर यजीद की फौज से लड़ते हुए इमाम हुसैन शहीद हुए थे। इसीलिए इस दिन को शहादत के दिन के तौर पर याद किया जाता है। अंजुमन इस्लामिया से जुड़े शाहीन अहमद ने बताया कि माविया की मौत के बाद यजीद सत्ता पर बैठा और उसने इमाम हुसैन से अपनी बैत लेने की मांग की। लेकिन इमाम हुसैन ने यजीद को खलीफा-ए-रसूल मानने से इंकार कर दिया। इसके बाद उन पर जुल्म की एक लंबी दास्तान शुरू हुई। इमाम हुसैन जब मदीना से निकले, तब उनके साथ महिलाएं और बच्चे भी थे। सफर के दौरान उन्हें मुसलिम बिन अकील और उनके बेटों की शहादत की खबर मिली। फिर कर्बला के मैदान में उन्हें यजीद की फौज ने रोक लिया। सातवीं मुहर्रम से उन्हें और उनके परिवार को पानी भी नहीं दिया गया। दसवीं मुहर्रम को युद्ध हुआ जिसमें इमाम हुसैन शहीद हो गए। हुसैन की शहादत के बाद भी कर्बला का संघर्ष खत्म नहीं हुआ। हजरत जैनब और अन्य महिलाओं ने इस जुल्म के खिलाफ आवाज उठाई और कर्बला की दास्तान को आने वाली नस्लों तक पहुंचाया। वाकिया-ए-कर्बला आज भी इस बात की मिसाल है कि सच्चाई और इंसाफ के रास्ते पर चलना कितना कठिन लेकिन जरूरी होता है।

एक नजर

सत्य का मार्ग अपनाने के लिए प्रेरित करता है हजरत इमाम हुसैन का बलिदान : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री मोदी नरेन्द्र मोदी ने कहा कि हजरत इमाम हुसैन द्वारा दिया गया बलिदान धर्म के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। वह लोगों को विपरीत परिस्थितियों में भी सत्य का मार्ग अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं। प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट में कहा, हजरत इमाम हुसैन (ए.एस.) का बलिदान धर्म के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की याद दिलाता है। वह लोगों को विपरीत परिस्थितियों में भी सत्य का मार्ग अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं। उल्लेखनीय है कि आज इस्लाम में आशूरा का दिन है, जो मुहर्रम माह की 10वीं तिथि को आता है। इस दिन को हजरत इमाम हुसैन की करबला में दी गई शहादत के लिए याद किया जाता है। हजरत इमाम हुसैन इस्लाम के पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के नवासे और हजरत अली तथा बीबी फातिमा के पुत्र थे। वे सत्य, न्याय और धर्म के प्रतीक माने जाते हैं। 680 ईस्वी में करबला की लड़ाई में उन्होंने यजीद की अधीनता स्वीकार नहीं की और अपने परिवार सहित बलिदान दिया। उनका यह बलिदान इस्लामी इतिहास की सबसे मार्मिक घटनाओं में से एक है।

बिहार भारत की अपराध राजधानी बन गया : राहुल गांधी

नई दिल्ली : बिहार की राजधानी पटना में व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या के बाद राज्य की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठ गए हैं। इस घटना को लेकर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने नीतीश कुमार सरकार पर तीखा निशाना साधा है और दावा किया है कि सत्तारूढ़ एनडीए गठबंधन ने बिहार को भारत की अपराध राजधानी बना दिया है। राहुल गांधी ने अपने एक्स (पहले ट्विटर) हैंडल पर ट्वीट करते हुए लिखा, आज बिहार लूट, गोलीबारी और हत्या के साये में जी रहा है। अपराध आम बात हो गई है और सरकार पूरी तरह विफल हो गई है। कांग्रेस सांसद ने बिहार के लोगों से अपील की कि वे आगामी विधानसभा चुनावों में ऐसी सरकार को वोट न दें जो आपके बच्चों की सुरक्षा नहीं कर सकती। उन्होंने आगे लिखा, हर हत्या, हर डकैती, हर गोली बदलाव की पुकार है। एक नए बिहार का समय आ गया है - डर का नहीं प्रगति का। इस बार आपका वोट सिर्फ सरकार बदलने के लिए नहीं है यह बिहार को बचाने के लिए है।

चुनाव आयोग के एसआईआर नीति को महुआ मोइत्रा ने सुप्रीम कोर्ट में दी चुनौती

कोलकाता : पश्चिम बंगाल के कृष्णानगर से तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की लोकसभा सांसद महुआ मोइत्रा ने चुनाव आयोग द्वारा बिहार में मतदाता सूची में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। उन्होंने इसे असंवैधानिक करार देते हुए न केवल इस आदेश को तत्काल प्रभाव से रद्द करने की मांग की, बल्कि यह भी आग्रह किया कि बंगाल समेत देश के अन्य किसी राज्य में इस तरह की नीति लागू न की जाए। टीएमसी सांसद का तर्क है कि जो नागरिक पहले से मतदाता सूची में पंजीकृत हैं और वर्षो से मतदान करते आ रहे हैं, उनसे एक बार फिर नागरिकता साबित करने के लिए दस्तावेज मांगना सरासर गलत है।

प्रधानमंत्री मोदी पहुंचे ब्राजील, ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे

एजेंसी

रियो डी जेनेरियो : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चार दिनों की यात्रा पर ब्राजील पहुंचे हैं। इस दौरान वे 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे।यह प्रधानमंत्री मोदी की पांच देशों की यात्रा का चौथा चरण है। उनकी इस यात्रा को लेकर प्रवासी भारतीयों में खासा उत्साह देखा गया। जिन्होंने गर्मजोशी के साथ उनका स्वागत किया। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए प्रधानमंत्री मोदी प्रधानमंत्री शनिवार शाम (स्थानीय समय के अनुसार) रियो डी जेनेरियो के गैलेओ इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंचे जहां उनका भव्य स्वागत किया गया। राष्ट्रपति लुईस इनासियो लूला दा सिल्वा के निमंत्रण पर ब्राजील पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी रियो डी जेनेरियो में 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे, उसके बाद राजकीय यात्रा पर जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर कहा कि ब्राजील के रियो डी जेनेरियो पहुंचा, जहां मैं ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लूंगा और बाद में राष्ट्रपति लूला के निमंत्रण पर राजधानी ब्रासीलिया जाऊंगा। इन बैठकों और बातचीत से एक उत्पादक दौर की उम्मीद है।

चिराग ने बिहार विधानसभा की सभी सीटों पर चुनाव लड़ने का किया ऐलान

बिहारियों के लिए लड़ूंगा चुनाव : चिराग पासवान

एजेंसी

पटना : लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में प्रदेश की सभी 243 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान खुले मंच से किया। चिराग के मंच से दिये गये इस बयान ने एनडीए गठबंधन में शामिल भाजपा और जदयू की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। चिराग पासवान रविवार को छपरा के राजेंद्र स्टेडियम में पार्टी द्वारा आयोजित 'नव-संकल्प महासभा' कार्यक्रम में शामिल हुए । इस दौरान जनसभा को संबोधित करते हुए चिराग ने कहा कि आज सारण की इस पावन धरती से आप सबके सामने मैं यह कहकर जा रहा हूं कि हां, मैं चुनाव लड़ूंगा। मैं चुनाव लड़ूंगा बिहारियों के लिए, अपने भाइयों के लिए, अपनी माताओं के लिए, अपनी बहनों के लिए और बिहार में एक ऐसी व्यवस्था तैयार करेंगे, एक ऐसा बिहार बनाएंगे जो सही मायनों में प्रदेश को विकास की राह पर आगे ले जाएगा। उन्होंने कहा, मैं ना रुकने वाला हूं, ना थकने वाला हूं और डरता तो मैं किसी से नहीं हूं। जितनी ताकत आजमानी है आजमा लो। सर पर कफन बांध के निकला हूं कि जब तक बिहार को विकसित राज्य नहीं बना दूंगा, तब तक मैं भी चैन की सांस नहीं लूंगा। पर इसके लिए साथियों जरूरत है मुझे आप सब की। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने आरोप लगाया कि कई ऐसे लोग हैं जो नहीं चाहते कि चिराग पासवान बिहार आएं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने बिहारी युवाओं को पलायन कर दूसरे राज्यों और देशों में रहने के लिए मजबूर किया, वे उसी तरीके से चाहते हैं कि चिराग पासवान अगर बिहार आ गए तो युवाओं को उनका हक दिलाएंगे। उन्होंने कहा कि वह महिलाओं, बुजुर्गों, किसानों और मजदूरों के हक की बात करेंगे, इसीलिए ये लोग नहीं चाहते कि चिराग पासवान बिहार आएं। चिराग ने आरोप लगाया कि यही वजह है कि ये लोग षड्यंत्र रचते हैं और भ्रम की स्थिति बनाते हुए बार-बार यह सवाल पूछते हैं कि क्या चिराग पासवान विधानसभा का चुनाव लड़ेंगे।

गिरिडीह में दिनदहाड़े कोयला चोरी, विरोध करने पर सीसीएल कर्मियों से मारपीट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गिरिडीह : गिरिडीह में कोयला चोरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। पहले चोरी की घटनाएं रात के अंधेरे में होती थीं, लेकिन अब चोरों के हौसले इतने बुलंद हो गए हैं कि वे दिनदहाड़े साइडिंग के भीतर घुसकर कोयला लूटने से भी नहीं हिचक रहे। ताजा मामला सीसीएल गिरिडीह एरिया स्थित सीपी साइडिंग का है, जहां रविवार को दिन के उजाले में दर्जनों की संख्या में चोर घुस आए और कोयला चोरी करने लगे। जब सीसीएल कर्मियों ने इसका विरोध किया तो उनके साथ मारपीट की गई। वहीं, महिला होमगार्ड से बदसलूकी की गई। घटना के संबंध में सीसीएल के लोडिंग इंस्पेक्टर अमित कुमार यादव, टेक्निकल इंस्पेक्टर मनीष कुमार, मनोज कुमार, वेब ब्रिज पर तैनात तस्लीम अख्तर और सुरक्षा में लगी महिला होमगार्ड शकुंतला व प्रीति सहित अन्य कर्मियों ने बताया कि जब उन्होंने चोरों को साइडिंग से बाहर जाने को कहा, तो चोरों ने एकजुट होकर उन पर हमला बोल दिए। कर्मियों के साथ मारपीट की गई, तस्लीम अख्तर को जमीन पर पटक कर पीटा गया, जबकि महिला गार्डों के साथ अभद्र व्यवहार किया गया। टेक्निकल इंस्पेक्टर मनीष कुमार ने बताया कि साइडिंग के भीतर कोयला के पास खड़े एक युवक को जब हटने को कहा गया, तो वह खुद को स्पेशल ब्रांच का स्टाफ बताने लगा और फोन कर अपने साथियों और कुछ ग्रामीणों को बुला लिया। इसके बाद अचानक मारपीट शुरू हो गई। घटना की सूचना तत्काल सीसीएल के जीएम और पीओ को दी गई। मामले की जानकारी मिलते ही मुफस्सिल थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो ने अवर निरीक्षक संजय कुमार को पुलिस बल के साथ मौके पर भेजा, लेकिन तब तक हमलावर फरार हो चुके थे। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर पीड़ितों के बयान लिए और हमलावरों के हुलिए की जानकारी जुटाई। सभी पीड़ितों को लिखित आवेदन देने को कहा गया है। घटना को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो ने हमलावरों की गिरफ्तारी के लिए 2 टीमों का गठन किया है। पुलिस की टीम विभिन्न संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। थाना प्रभारी ने कहा कि जो भी इस घटना में शामिल हैं, उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। सीसीएल के साइडिंग में दिनदहाड़े चोरों का घुसना और कर्मियों के साथ मारपीट होना सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़ा करता है। लगातार हो रही कोयला चोरी की घटनाओं के बावजूद न तो पर्याप्त सुरक्षा बल तैनात हैं और न ही चोरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो रही है।

हिन्दुओं को जो बांटेगा वो खुद कट जाएगा : रामभद्राचार्य

▸ कुछ लोग तिरंगा पर चांद चाहते हैं लेकिन हम तिरंगा को चांद पर लहराता देखना चाहते हैं : धीरेन्द्र शास्त्री

एजेंसी

पटना : राजधानी पटना में रविवार को सनातन महाकुंभ का आयोजन किया गया। इस मौके पर रामभद्राचार्य ने कहा कि हिन्दुओं को जो बांटेगा वो खुद कट जाएगा। इस सनातन महाकुंभ में देश भर के संत शामिल हो रहे हैं। जगदगुरु स्वामी रामभद्राचार्य ने कहा कि पटना के गांधी मैदान में मुझे और धीरेंद्र शास्त्री को आने से रोका गया। उन्होंने कहा कि सत्ता अब हिंदू विरोधी के हाथ में कभी नहीं जाएगी। हिंदू को जो बांटना चाहेगा वो खुद ही कट जाएगा। इस सनातन महाकुंभ में बागेश्वर पीठाधीश्वर बाबा धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि हम यहां राजनीति के लिए नहीं बल्कि राम नीति के लिए आए हैं। उन्होंने कहा कि भारत अगर हिंदू राष्ट्र होगा तो बिहार से इसकी शुरूआत होगी और वह पहला राज्य बनेगा। उन्होंने यह भी कहा कि वह किसी धर्म के विरोधी नहीं हैं। वो बिहार में विधानसभा चुनाव के बाद पूरे प्रदेश का दौरा करेंगे। साथ ही 7 नवम्बर से 16 नवम्बर तक दिल्ली से वृंदावन की यात्रा करेंगे। पटना में आयोजित महाकुंभ में धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, बिहार से ही भारत के हिंदू राष्ट्र बनने की शुरूआत होगी। अगर हमारे धर्म पर घात हुआ तो हम प्रतिघात करेंगे, भगवा गजवा-ए-हिंद की शुरूआत बिहार से होगी। उन्होंने कहा कि कुछ लोग तिरंगा पर चांद चाहते हैं लेकिन हम तिरंगा को चांद पर लहराता देखना चाहते हैं। यह भव्य आयोजन भगवान परशुराम के जन्मोत्सव के अवसर पर आयोजित किया जा रहा है। इस महाकुंभ में धार्मिक प्रवचन और भजन-संध्या के साथ-साथ संत समागम, हवन-पूजन और वैदिक मंत्रोच्चार भी किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि प्रतिष्ठित गांधी मैदान में सनातन महाकुंभ 2025 का भव्य आयोजन किया जा रहा है। पहली बार इस महाकुंभ का आयोजन पटना में हो रहा है।

90 साल के हुए धर्मगुरु दलाई लामा, समारोह का हुआ आयोजन

एजेंसी

धर्मशाला : तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा रविवार को 90 साल के हो गए। धर्मगुरु के जन्मदिवस पर मिनी ल्हासा के नाम से विख्यात मैक्लोडगंज के मुख्य बौद्ध मठ चुगलाखंग में भव्य समारोह का आयोजन हुआ। इस मौके पर दलाई लामा ने केक भी काटा और समारोह में मौजूद अनुयायियों के प्रति अपना आभार जताया। इस दौरान कई प्रमुख हस्तियों सहित सैकड़ों की संख्या में तिब्बती समुदाय और अन्य अनुयायी मौजूद रहे। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू, केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू, सिक्किम के धार्मिक मंत्री सोनम, हॉलीवुड अभिनेता रिचर्ड गेरे, आदि मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री मोदी ने भी दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

उधर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी दलाई लामा को शुभकामनाएं देते हुए उनके अच्छे स्वास्थ्य और दीघार्यु की कामना की। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा-1.4 अरब भारतीयों की ओर से मैं परम पूज्य दलाई लामा को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। वह प्रेम, करुणा, धैर्य और नैतिक अनुशासन का प्रतीक हैं।

अमेरिका के तीन पूर्व राष्ट्रपतियों ने भी दी बधाई

इसके अलावा समारोह के दौरान अमेरिका के 3 पूर्व राष्ट्रपतियों, बराक ओबामा, बिल क्लिंटन और जॉर्ज बुश का वीडियो संदेश भी चलाया गया, जिसमें वे दलाई लामा को शांति का प्रतीक बताते नजर आए। उन्होंने दलाई लामा को जन्मदिन की शुभकामनाएं भी दीं।

बचपन में ही पहचान ली गई थी दलाई लामा की महानता

दलाई लामा का असली नाम ल्हामो धोन्डुप था, जिन्हें बाद में तेंजिन ग्यात्सो नाम से जाना गया। उनका जन्म 6 जुलाई 1935 को तिब्बत के ताक्सर गांव (अमदो क्षेत्र) में हुआ। केवल दो वर्ष की आयु में ही उन्हें 14वें दलाई लामा के पुनर्जन्म के रूप में पहचाना गया। 1939 में उन्हें तिब्बत की राजधानी ल्हासा लाया गया और 22 फरवरी 1940 को पारंपरिक, धार्मिक और राजनीतिक अनुष्ठानों के साथ उन्हें तिब्बत का सर्वोच्च नेता घोषित किया गया।

रास्ते को लेकर आपस में भिड़े मुहर्रम के दो अखाड़े, पुलिस ने सुलझाया विवाद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गोड्डा : गोड्डा जिला के मेहरमा थाना क्षेत्र अंतर्गत मालप्रतापपुर और दोगाछी गांव के बीच रविवार को ताजिया जुलूस के रास्ते को लेकर हल्की कहासुनी हो गई। दो अखाड़े के लोग आपस में ही भिड़ गये। कुछ युवकों के बीच तनाव बढ़ा और पुलिस को बुलाना पड़ा, तब मामला शांत हुआ। घटना की सूचना मिलते ही महागामा एसडीओ आलोक वरण केसरी और एसडीपीओ चंद्रशेखर आजाद बड़ी संख्या में पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों पक्षों को समझाया और माहौल को शांत कराया। एहतियातन इलाके में फ्लैग मार्च भी किया गया। मालप्रतापपुर के एक निवासी ने बताया कि उनके गांव से निकले जुलूस के लोग पारंपरिक लाठी खेलते हुए वहां लगे मेले की ओर जा रहे थे, तभी दोगाछी का जुलूस भी वहां पहुंचा। रास्ते को लेकर मामूली कहासुनी हुई और कुछ शरारती तत्वों ने पत्थरबाजी शुरू कर दी। इस दौरान कुछ घरों में पत्थर जरूर गिरे, लेकिन किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

एक नजर

टोटो और स्विफ्ट में टक्कर, कई घायल

हजारीबाग : रविवार को हजारीबाग के नेशनल पार्क के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें एक टोटो और स्विफ्ट डिजायर कार की जबरदस्त टक्कर हो गई। यह टक्कर इतनी भीषण थी की टोटो पूरी तरह से पलट गया और उसमें सवार महिला व एक बुजुर्ग सहित कई यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार स्विफ्ट डिजायर में चार से अधिक लोग सवार थे, जिनमें गर्भवती महिला और दो छोटे बच्चे भी शामिल थे। वहीं टोटो में बैठी महिला को गंभीर चोटें आई और उसका दाहिना कंधा पूरी तरह से टूट गया। बुजुर्ग यात्री को भी सिर और पीठ में गंभीर चोट लगी है। घटना के बाद आसपास अफरा-तफरी मच गई। इस बीच उसी रास्ते से भद्रकाली से लौट रहे शहर के युवा समाजसेवी नीरज कुमार की नजर इस दुर्घटना पर पड़ी। उन्होंने बिना एक पल गंवाए तुरंत घटनास्थल पर अपनी गाड़ी रोककर घायलों की मदद शुरू की। नीरज कुमार ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को सड़क से हटाकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया, इचाक थाना प्रभारी संतोष कुमार को सूचित किया और तत्काल टोटो व एंबुलेंस की सहायता से सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया। घटना के बाद कई स्थानीय लोग भी मौके पर जुटे, लेकिन नीरज कुमार ने जिस सूझबूझ और संवेदनशीलता के साथ राहत कार्य को अंजाम दिया, उसकी सराहना चारों ओर की जा रही है। नीरज कुमार ने मीडिया से बात करते हुए कहा की यह इंसानियत का धर्म है की जरूरतमंद की मदद की जाए।

सेवा निवृत पुलिस पदा.एसोसिएशन पर्यावरण संरक्षण पर की बैठक

हजारीबाग: सेवा निवृत पुलिस पदाधिकारी,एसोसिएशन के सभी सदस्यों का समूह हजारीबाग नेशनल पार्क भ्रमण के साथ एसोसिएशन के कर्तव्यों का निर्वहण कार्य कि विस्तारित योजना पर बैठक के लिए गये। नेशनल पार्क अन्तर्गत रजडेरवा,फोरेस्ट गैस्ट हाउस में बैठक किया। बैठक कि अध्यक्षता शिव प्रकाश सिंह ने की।बैठक में संरक्षक,ललन सिंह सहित एसोसिएशन के सभी सदस्य की मौजूदगी रही। बैठक में निम्नांकित बातों पर चर्चा हुई।आर्थिक रूप से गरीब,नि:सहाय बच्चों की शिक्षा,गरीबी उन्मूलन सहित कई अन्य महत्वपूर्ण बातों की चर्चा हुई। खास व महत्वपूर्ण बातों में गिरते पर्यावरण संरक्षण पर गहन चर्चा की गयी। साथ ही पर्यावरण जिम्मेवारी को समझाने व बढ़ावा देने की बात कही गयी।

संयुक्त ट्रेड यूनियन के आम हड़ताल की तैयारी को लेकर हुई बैठक

रामगढ़ : केंद्रीय ट्रेड यूनियनों ने भारत सरकार के लेबर कोड़ वापस लेने की मांग पर पूरे देश में 9 जुलाई 2025 को आम हड़ताल की घोषणा की गई है। इसकी तैयारी को लेकर रविवार को सीसीएल केदला वासरी, बसंतपुर में हजारीबाग एरिया की संयुक्त ट्रेड यूनियन की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता व संचालन फरहरी महतो ने किए। कार्यक्रम को खुशी लाल महतो, राजेंद्र प्रसाद सिंह, कौशुन महतो, बसंत कुमार, बलभद्र दास, विनोद सिंह, वीरेंद्र प्रसाद, पप्पू, राजकुमार साव, अजय राम, बी.एन. सिंह आदि ने संबोधित किया। नेताओं ने कहा कि केंद्र सरकार श्रम कानून को मजदूर के पक्ष में करने के जगह चार लेबर कोड़ लागू कर पूंजीपतियों के पक्ष में श्रम कानून को सरल करने की योजना बना रही है। चार लेबर कोड़ लागू होने से मजदूरों को यूनियन बनाने का अधिकार, उनके कार्य स्थल पर सुरक्षा, मजदूरों का वेज बोर्ड, मजदूरों का स्वास्थ्य, कार्य के घंटे सभी प्रभावित होंगे।

एफसीआई गोदाम का उपायुक्त ने किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : उपायुक्त हजारीबाग शशि प्रकाश सिंह द्वारा आज 5 जुलाई को खाद्य निगम गोदाम का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने गोदाम में रखे गए खाद्यान्नों की गुणवत्ता, सुरक्षा और रखरखाव की समग्र व्यवस्था का गहन अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने गोदाम भवन की संरचनात्मक स्थिति, खाद्यान्न की भंडारण स्थिति, परिसर की साफ-सफाई, चूहों से बचाव हेतु की गई व्यवस्था, खाद्यान्नों को बरसात में नमी से बचाव के लिए किए गए उपायों, अग्निशमन यंत्र तथा सुरक्षात्मक दृष्टिकोण से लगाए गए अलार्म सिस्टम की क्रियाशीलता की बारीकी से समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि बरसात के मौसम में खाद्यान्नों को नमी से बचाने हेतु प्रभावी उपाय किए जाएं और गोदाम के भीतर खाद्यान्नों के रखरखाव किसी प्रकार की ढील न बरती जाए। इसके अतिरिक्त उपायुक्त ने कीटनाशकों के उपयोग की प्रक्रिया की समीक्षा करते हुए मेलेथ्रॉन स्प्रे के प्रभावी छिड़काव के निर्देश दिए, ताकि खाद्यान्न कीट-प्रकोप से सुरक्षित रह सकें। उन्होंने एफएसएसएआई लाइसेंस की वैधता की भी जानकारी ली और यह सुनिश्चित करने को कहा कि गोदाम में रखे खाद्यान्न पूर्णतः मानक अनुरूप हों। उपायुक्त ने यह भी निर्देशित किया कि खाद्यान्न वितरण योजना से संबंधित आवश्यक जानकारी, दिशा-निर्देश एवं जनहितकारी सूचनाएं गोदाम परिसर में प्रमुखता से प्रदर्शित की जाएं, जिससे हितग्राहियों को पूरी जानकारी मिल सके। निरीक्षण के अंत में उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि खाद्यान्न का भंडारण पूर्ण सावधानी एवं मानकों के अनुरूप हो, ताकि जनवितरण प्रणाली के अंतर्गत लाभुकों तक गुणवत्तापूर्ण खाद्यान्न समय पर पहुँच सकें। निरीक्षण के दौरान जिला आपूर्ति पदाधिकारी, भारतीय खाद्य निगम के अधिकारी मौजूद थे।

तिब्बत मुक्ति दिवस के 90वें कार्यक्रम में विधायक प्रदीप प्रसाद हुए शामिल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : रविवार को जैन भवन, हजारीबाग में भारत-तिब्बत मंत्री मंच द्वारा आयोजित 90वें तिब्बत मुक्ति दिवस कार्यक्रम में हजारीबाग विधायक प्रदीप प्रसाद मुख्य रूप से सम्मिलित हुए। इस कार्यक्रम का उद्देश्य तिब्बत की स्वतंत्रता की मांग को फिर से राष्ट्रीय एवं वैश्विक मंच पर मुखर करना था। कार्यक्रम में भारत की ऐतिहासिक भूमिका, वर्तमान में तिब्बत की सामरिक महत्ता, और चीन की विस्तारवादी नीति के परिप्रेक्ष्य में तिब्बत नीति पर गंभीर और सार्थक विमर्श हुआ। वक्ताओं ने यह स्पष्ट किया कि तिब्बत न केवल भू-राजनीतिक दृष्टिकोण से, बल्कि भारत की सांस्कृतिक अस्मिता, सीमा सुरक्षा और हिमालयी पारिस्थितिकी की रक्षा से भी जुड़ा विषय है। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुरेश कुमार चंद्रवंशी ने की और संचालन संयोजक डॉ. बी. के. सिंह ने किया। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह, अन्य प्रमुख समाजसेवी, प्रबुद्धजन एवं युवा कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। विधायक प्रदीप प्रसाद ने अपने वक्तव्य में कहा कि-तिब्बत की आजादी की मांग मानवाधिकार, धर्म और संस्कृति की रक्षा की मांग है। भारत और तिब्बत का रिश्ता सिर्फ सीमाओं का नहीं, बल्कि अध्यात्म और सभ्यता का भी है। चीन द्वारा तिब्बत पर किया गया अत्याचार वैश्विक शांति के लिए एक गंभीर प्रश्न है, और भारत को तिब्बत की आवाज को समर्थन देना चाहिए।

मुस्लिम धर्मावलंबियों ने मनाया मोहर्रम का त्योहार, हैरत अंग्रेज करतब दिखलाएं

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : रविवार को मुहर्रम की दसवीं तारीख पर मुस्लिम समुदाय की ओर से बड़की चौकी व अखाड़ा के साथ प्रखंड के बड़कागांव, बादम बलिया, डाड़ी कलां, चेपा खुर्द, सिंदवारी, महगाईं, चंदौल, छवनियां, सिरमा, चट्टी मुस्लिम मोहल्ला सहित कई गाँव से जुलूस निकाला। इस दौरान लोगों ने परंपरागत हथियारों का प्रदर्शन कर उपस्थित लोगों को मन मुग्ध कर दिया। जुलूस में शामिल लोग हजरत ईमाम हसन-हुसैन की याद में या हसन, या हुसैन, या अली, कर्बला दूर है, जाना जरूर है.. आदि नारे लगा रहे थे। मुहर्रम के दसवीं तारीख के मौके पर कई अकीदत मंदों ने रोजा भी रखा। डाड़ी कलां, चेपा खुर्द, कनकी डाड़ी एवं सिंदवारी के जुलूस का मिलान डाड़ी कालं के मेला टांड पर किया गया। जबकि बलिया, महगाईं, चंदौल सहित अन्य गांव का मिलान अलग अलग जगह किया गया इस दौरान एक से बढ़कर एक ताजिया निकाला गया। इस दौरान लोगों ने हैरतअंगेज करतब दिखाया इसके बाद सभी ताजियादार व अखाड़ेदार अपने-अपने ताजिया व अखाड़ा को लेकर कर्बला पहुंचे। इसके बाद लोगों ने कर्बला पर सिरनी फातिहा करने के मिट्टी ठंडा किया के साथ ही मुहर्रम समाप्ति हो गई। बादम में मोहर्रम मनाते जुलूस में दो गुट आपस में भिड़ गए जिसमें कई लोग घायल हुए हैं। प्राथमिक उपचार के बाद नासिर हसन और जीशान को इलाज के लिए हजारीबाग रेफर किया गया। जुलूस के दौरान शांति व्यवस्था कायम रखने को लेकर विभिन्न जगहों पर पुलिस के जवान तैनात किए गए थे।

संगठन विस्तार को लेकर विश्व हिंदू परिषद की हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही (हजारीबाग) : विश्व हिंदू परिषद बरही की एक आकस्मिक बैठक प्रखंड परिसर स्थित शिव मंदिर प्रांगण में आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष निरंजन केसरी एवं संचालन हजारीबाग जिला शह मंत्री गुरुदेव गुप्ता ने किया। इस बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में विश्व हिंदू परिषद झारखंड प्रांत के सहसंयोजक जनार्दन पांडे जी शामिल हुए। बैठक का शुभारंभ ओंकार ध्वनि से और अतिथि परिचय के साथ हुआ। कार्यकर्ताओं का उत्साह वर्धन करते हुए प्रांत सह संयोजक ने कार्यकर्ताओं का दायित्व बोध कराया।साथ ही पूर्ण प्रखंड टोली के साथ-साथ खंड एवं उपखंड की टोली बनाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि विश्व हिंदू परिषद संगठन का लक्ष्य हर घर तक पहुंचना है। इस हेतु कार्यकर्ता बंधु तन- मन -धन से संगठन विस्तार में लगें क्योंकि संगठन विस्तार से ही सनातन समाज की समस्याएं खत्म होगी और भारत समृद्धि शाली भारत बनेगा। समृद्ध भारत के निर्माण से आम जन मानस का मानसिक और आर्थिक विकास होगा और पूर्ण हिंदू राष्ट्र के संकल्पना साकार होगी इसलिए कार्यकर्ता बढ़-चढ़कर संगठन विस्तार पर ध्यान दें। इस बैठक में जिला कोषाध्यक्ष नंदकिशोर कुमार, जिला मिलन प्रमुख सुमंत पांडे,जिला गौ रक्षा प्रमुख इंद्रदेव गुप्ता, जिला संयोजिका प्रीती कुमारी, प्रखंड सह मंत्री प्रदीप चंद्रवंशी, प्रखंड सामाजिक समरसता प्रमुख चंदन केशरी, प्रखंड उपाध्यक्ष संजय राणा, प्रखंड सह संयोजक नितेश कुमार, मिलन प्रमुख मुन्ना सोनी, राजदेव यादव, धर्मेंद्र कुमार, शंकर कुमार, नौरंगी लाल,परमेश्वर पंडित, मनोज यादव, शिवम कुमार, छोटू पांडे, जयप्रकाश प्रजापति, गिरिराज साव समेत कई लोग थे।

मुहर्रम मेले में पूर्व सदर विधानसभा प्रत्याशी मुन्ना सिंह हुए शामिल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : मोहर्रम की दसवीं तिथि पर हजारीबाग की ऐतिहासिक भूमि पर आयोजित छड़वा मोहर्रम मेला ने एक बार फिर सामाजिक सौहार्द, गंगा-जमनी तहजीब और आस्था का जीवंत उदाहरण बनकर सामने आया। छड़वा मोहर्रम कमिटी, हजारीबाग द्वारा आयोजित इस पारंपरिक मेले में कांग्रेस पार्टी के सदर विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी व नगर निगम प्रभारी मुन्ना सिंह ने विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया। कार्यक्रम स्थल पर पहुँचने पर आयोजकों ने उन्हें अंगवस्त्र और पगड़ी पहनाकर पारंपरिक सम्मान से नवाजा। इस अवसर पर मुन्ना सिंह ने आयोजन समिति को धन्यवाद देते हुए कहा कि, यह मेला केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना, सांस्कृतिक साझेदारी और मानवता का उत्सव है। ऐसे आयोजन हमें जोड़ते हैं, एक बेहतर समाज की ओर ले जाते हैं। कार्यक्रम की एक विशेष उपलब्धि यह रही कि मुन्ना सिंह ने मेले में भाग लेने वाले भिन्न-भिन्न अखाड़ों के धारियों को सम्मानित किया। उनके साहस, निपुणता और अनुशासन को देखते हुए उन्हें पुरस्कार स्वरूप स्मृति-चिह्न प्रदान किए गए। यह पहल ना केवल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने वाली रही, बल्कि स्थानीय युवाओं में उत्साह का संचार भी करती दिखी। उन्होंने कहा, इन अखाड़ों के धारी हमारे सांस्कृतिक जीवन के वाहक हैं। वे परंपरा, अनुशासन और बहादुरी के प्रतीक हैं। उन्हें सम्मानित करना हम सबका कर्तव्य है। पूरा मेला वातावरण श्रद्धा, शांति और समरसता से परिपूर्ण रहा।

विधायक ने जनता दरबार में सुनी लोगों की समस्यां, समाधान का दिया भरोसा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : विधायक मनोज यादव ने अपने आवास पर आयोजित साप्ताहिक जनता दरबार में क्षेत्र के लोगों की समस्याएँ गंभीरता से सुनीं और उनके त्वरित समाधान के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया। जनता दरबार में बड़ी संख्या में ग्रामीण, महिलाएँ, वृद्धजन और युवाओं ने अपनी व्यक्तिगत और सामूहिक समस्याएँ विधायक के समक्ष रखीं। माननीय विधायक ने कई मामलों में मौके पर ही अधिकारियों से फोन पर वार्ता कर समाधान सुनिश्चित किया, जबकि कुछ मामलों को प्राथमिकता के आधार पर आगे की कार्रवाई के लिए संज्ञान में लिया। इस दौरान विधायक मनोज यादव ने कहा कि जनता की सेवा और समस्याओं का समाधान करना ही जनप्रतिनिधि का पहला धर्म है। हमारे विधानसभा क्षेत्र के किसी भी नागरिक को अपनी समस्या के समाधान के लिए परेशान नहीं होना पड़े, यह सबसे पहले सुनिश्चित करता आया हूँ। हर जरूरतमंद को न्याय मिले, इसके लिए मैं हर संभव प्रयास कर रहा हूँ। प्रशासनिक स्तर पर जो भी बाधाएँ आती हैं, उन्हें दूर करने के लिए मैं लगातार प्रयासरत रहता हूँ। जनता दरबार इसी उद्देश्य से लगाया जाता है ताकि लोगों को अपनी बात कहने का मंच मिले और अधिकारियों तक उनकी आवाज तुरंत पहुँचे। मैं खुद हर समस्या पर नजर रखता हूँ और कोशिश करता हूँ कि कोई भी फरियादी निराश न लौटे। आने वाले समय में विकास कार्यों को गति दी जाएगी ताकि क्षेत्र के लोगों को मूलभूत सुविधाएँ और योजनाओं का लाभ आसानी से मिले। मैं सभी अधिकारियों और कर्मियों से भी अपील करता हूँ कि वे पूरी संवेदनशीलता से आम लोगों के मुद्दों का समाधान करें। विधायक ने कहा कि उनके दरवाजे हमेशा आम जनता के लिए खुले हैं। उन्होंने जनता से अपील की कि किसी भी समस्या या सरकारी योजनाओं के लाभ में किसी तरह की दिक्कत होने पर वे बेहिचक उनसे संपर्क करें। गौरतलब है कि विधायक मनोज यादव का यह जनता दरबार हर सप्ताह उनके आवास पर आयोजित होता है जिसमें लोग अपनी समस्याएँ सीधे उनसे रखते हैं। इस दौरान कई पंचायत प्रतिनिधि व सामाजिक कार्यकर्ता भी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

मुहर्रम के यौमे-ए-अशूरा में इमाम हुसैन की शहादत में निकाला ताजिया, गम के साथ दी विदाई

चौपारण : चौपारण प्रखंड में असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक मुहर्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। प्रखंड के विभिन्न मोहल्ले में आकर्षक ढंग से ताजिया, सिपर निकाला गया। इलाके के खिलाड़ियों द्वारा हैरतअंगेज करतब बेहतरीन ढंग से प्रदर्शन किए गए। प्रखंड में ताजिया तिरंगा निशान के साथ शोभा बढ़ा रहा था। शाम को चौपारण के हर इलाके से नारा ए तकबीर, अल्लाहु अकबर, नारा ए रिसालत या रसुलल्लाह, नारा ए हैदरी, या अली, या शहीदे करबला, या हसन या हुसैन का नारा लगाते हुए लोगों का जुलूस बढ़ता रहा, जो चौपारण के मोहल्ले होते हुए कर्बला तक पहुंचा। वहां पर लोगों ने दुआ मांगी और अकीदत के फूल, शीरनी पेश किए। इस दौरान अंचल अधिकारी और थाना प्रभारी अनुपम प्रकाश पूरे दिन सक्रिय रहे। अधिकारियों ने बताया कि मुहर्रम के मद्देनजर चौपारण थाना द्वारा सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद किया गया था। संवेदनशील इलाकों में पुलिस बल की विशेष तैनाती की गई थी, साथ ही अधिकारी स्वयं क्षेत्र में लगातार गश्त करते रहे। त्यौहार की निगरानी के लिए आधुनिक तकनीकों का भी सहारा लिया गया। वीडियो ग्राफी के साथ-साथ ड्रोन कैमरों की मदद से भी जुलूस और प्रमुख स्थलों पर नजर रखी गई। प्रशासनिक सतर्कता और स्थानीय लोगों के सहयोग से मुहर्रम का त्यौहार शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ। बता दे इस्लामी कैलेंडर की शुरुआत मुहर्रम महीने से होती है, जिसे सबसे पाक महीनों में गिना जाता है। इस माह की खास बात यह है कि इसे सब्र, कुर्बानी और सच्चाई की मिसाल के रूप में याद किया जाता है।

बालू लदा हाइवा पलटा, ड्राइवर गंभीर रूप से घायल

बड़कागांव : रविवार की अहले सुबह तकरीबन 4:30 बजे बालू लेकर हजारीबाग जा रहा हाईवा टुकेश्वर प्रसाद के पेट्रोल पंप के समीप दुर्घटनाग्रस्त हो गया। जिसमें ड्राइवर पूरी तरह से दब गया और उसका पैर बुरी तरह से जख्मी हो गया। काफी मशक्कत करने के बाद ग्रामीणों के प्रयास से ड्राइवर को बाहर निकाला जा सका और इलाज के लिए भेजा गया। ड्राइवर कटकमसांडी का रहने वाला बताया जा रहा है। दुर्घटना होने का कारण का पता नहीं चल पाया है। बताया जा रहा है कि दुर्घटना के बाद हाईवा को उठाकर गैरेज ले जाया गया है। मामले को लेकर पुलिस ने बताने से इनकार किया, बालू एक नंबर है या दो नंबर इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है।

हाथियों के झुंड ने दर्जनों किसानों के फसलों को किया बर्बाद मुआवजे की मांग

बड़कागांव : प्रखंड में पिछले 11 दिनों से हाथियों ने दर्जनों गांवों के सैकड़ों किसानों के फसलों एवं घरों को बर्बाद किया है। जिसमें गोंदलपुरा पंचायत के जोराकाठ, सेहदा, चपरी, बादम , हरली , नयाटांड सहित कांडतरी पंचायत शामिल हैं। शनिवार को कांडतरी में हाथियों ने 20 – 25 किसानों के फसलों गन्ना, मक्का, धान का बिचड़ा, भिंडी, बोदी, बैंगन, मिर्ची, सोलर प्लेट, बोरिंग सहित पाईप इत्यादि को नष्ट कर दिया। प्रखंड उप प्रमुख वचन देव कुमार एवं कांडतरी पंचायत के मुखिया राजदेव महतो ने स्थल निरीक्षण किया एवं छतिग्रस्त हुए दर्जनों किसानों के फसलों के लिए वन विभाग एवं सरकार से मुआवजा की मांग की।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर बोकारो में संगोष्ठी, सांसद सहित अन्य ने किया नमन

हजारीबाग : महान शिक्षाविद, चिंतक और भारतीय जनसंघ के संस्थापक श्रद्धेय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी, बोकारो जिला द्वारा रविवार को चास ब्लॉक रोड स्थित होटल गीतांजलि पैलेस सभागार में एक भव्य संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की और संगठन द्वारा सौंपे गए अपने दायित्व का निर्वहन करते हुए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ सांसद मनीष जायसवाल सहित अन्य अतिथियों द्वारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की तस्वीर पर पुष्पार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात भाजपा की महिला कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् का गायन कर संगोष्ठी का आगाज किया। स्थानीय कार्यकर्ताओं ने उपस्थित सभी अतिथियों का बड़े ही आत्मीय भाव से अभिनंदन किया। संगोष्ठी की अध्यक्षता और स्वागत भाषण भाजपा बोकारो जिला अध्यक्ष जयदेव राय ने किया। मंच का सफल संचालन भाजपा जिला महामंत्री संजय त्यागी ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन जिला महामंत्री अनिल स्वर्णकार ने दिया। मुख्य अतिथि के रूप में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के राष्ट्र के प्रति अमूल्य योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला।

गुरु चट्टी बाजार के पास 3 तीन दिवसीय शिव शक्ति पूजन हवन एवं रुद्राभिषेक

बड़कागांव : मां अंबे दुर्गा पूजा समिति के द्वारा गुरु चट्टी बाजार टांड़ में आषाढ़ी पूर्णिया एवं हरि सायन एकादशी के पावन अवसर पर हवन एवं रुद्राभिषेक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बढ़-चढ़कर के श्रद्धालुओं ने भाग लिया, रुद्राभिषेक एवं हवन कार्य किया, कार्यक्रम को सफल बनाने में दामोदर प्रसाद मेहता, हुलास प्रसाद दांगी, विष्णु सत्यजीत ,विद्यालंकर मंटू, बिगल किशोर महतो, माधव महतो, अरविंद कुमार, नारायण कुमार, परमेश्वर महतो, सरोज कुमार, संतोष कुमार ,इंदर नाथ महतो, जय नंदन महतो ,सुखदेव महतो, पुरुषोतम कुमार ,राम कुमार प्रसाद, अंकित कुमार, अनिल कुमार , अवधकिशोर कुमार आचार्य मंडली,आचार्य प्रेमचंद पांडे बनारस प. युगल किशोर पांडे गोवर्धन दास, खूंटा बाबा के अलावा अन्य शामिल थे।

एक नजर

केंद्रीय मंत्री ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को दी श्रद्धांजलि

रांची : डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर रांची के हरमू स्थित उनकी प्रतिमा पर केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने माल्यार्पण कर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने डॉ. मुखर्जी के व्यक्तित्व और कृतित्व को याद किया और उनके संकल्पों को पूरा करने की वचन लिया। इस दौरान विधायक नवीन जायसवाल, पूर्व पार्षद अरुण झा, मंडल भाजपा अध्यक्ष इंद्रजीत यादव, विशाल साहू अशोक पांडे सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बीसीआइ प्लेटिनम 27 जुलाई को कराएगा बैडमिंटन टूर्नामेंट

रांची : बिजनेस क्रिएशन ऑफ इंडिया (बीसीआइ) प्लेटिनम की बैठक रविवार को स्थानीय होटल में हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए बीसीआइ प्लेटिनम के अध्यक्ष डॉ सजीत कुमार ने कहा कि बीसीआइ प्लेटिनम के सदस्यों के आपसी सहयोग से कारोबार में वृद्धि हो रही है। हमें अपने व्यापार के साथ एक आपसी संबंध को आगे बढ़ाना है। एक दूसरे के सहयोग से ही अपने कारोबार को तेज गति प्रदान कर पायेंगे। बैठक में बीसीआइ प्लेटिनम के सदस्यों के लिए 27 जुलाई को एक दिवसीय बैडमिंटन टूर्नामेंट का आयोजन करने की घोषणा की गयी। इसका आयोजन मोरहाबादी हातमा स्थित बैडमिंटन एकेडमी में होगा। मेंटर किशोर मंत्री ने कहा कि यदि हमें व्यापार को आगे बढ़ाना है, तो नेटवर्किंग बेहद जरूरी है। बीसीआइ प्लेटिनम एक ऐसा मंच है, जहां उद्यमी एक-दूसरे से जुड़कर अपने व्यवसाय को नया आयाम दे सकते हैं। इसमें अच्छे लोग जुड़ रहे हैं, इसी का परिणाम है कि एक दूसरे के पारस्परिक सहयोग से अच्छा व्यवसाय हर माह कर पा रहे हैं। व्यापार के साथ खेल भावना को भी आगे बढ़ाना है। एक दूसरे के प्रति विश्वास जगाना है। बैठक में कई नए विज़िटर्स ने भी भाग लिया और संगठन की कार्यप्रणाली को समझा। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि उन्हें इस मंच से बहुत कुछ सीखने को मिला। इस अवसर पर निदेशक शिव कुमार सिंह, रमेश कुमार, अजय कुमार, बीसीआइ प्लेटिनम की उपाध्यक्ष सोनाली चौधरी, सचिव राजेश कुमार, कोषाध्यक्ष संतोष कुमार वर्मा, मोहित नारसरिया, संजय जैन, अमर बाजोरिया, जुली कुमारी सहित अन्य सदस्य मौजूद थे।

कांग्रेस पार्टी की नीति के खिलाफ थे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी : बाबूलाल

रांची : प्रदेश भाजपा ने रविवार को प्रदेश के सभी 27 सांगठनिक जिलों में पार्टी के प्रेरणा पुरुष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती मनाई और व्यक्तित्व और कृतित्व पर गोष्ठियां आयोजित की। धनबाद महानगर जिला की ओर से आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एक प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक, विचारक, शिक्षाविद और राजनेता थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की एकता अखंडता केलिए डॉ मुखर्जी ने अपने जान की बाजी लगा दी। स्वतंत्र भारत के इतिहास में राष्ट्र की एकता और अखंडता केलिए बलिदान देने वाले वे पहले राजनेता थे। मरांडी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की तुष्टीकरण की नीति का डॉ. मुखर्जी ने सदा विरोध किया। उन्होंने कहा कि वे दूरद्रष्टा थे। उन्होंने एक केंद्रीय उद्योग मंत्री के रूप ने देश के विकास में अपना बड़ा योगदान दिया।

जगन्नाथपुर घुरती रथयात्रा में दर्शन के लिए उमड़े श्रद्धालु, बारिश में भी दिखी रथ खींचने की ललक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : जगन्नाथपुर रथ यात्रा के दौरान रविवार को भगवान जगन्नाथ, बलराम और सुभद्रा रथ पर सवार हो मौसीबाड़ी से जगन्नाथपुर मुख्य मंदिर पहुंचे। इस अवसर पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। बारिश के बावजूद भीड़ कम नही हुई। मौके पर प्रशासन और आयोजन समिति की ओर से सुरक्षा और यातायात प्रबंधन के विशेष इंतजाम किया गया था।

शाम तक रही मेले में चहल पहल

रांची के ऐतिहासिक जगन्नाथपुर मंदिर में घूरती रथ उत्सव पर भक्ति, श्रद्धा और परंपरा का अनुपम संगम देखने को मिला। सुबह मंदिर खुलते ही श्रद्धालु बड़ी संख्या में दर्शन के लिए पहुंचने लगे। मंदिर प्रांगण में मंगल आरती के साथ दिन की शुरूआत हुई। आसपास के क्षेत्रों समेत कई दूसरे राज्यों और से आए श्रद्धालुओं ने मेले का आनंद उठाया। हर धर्मावलंबियों के लिए भंडारे, जल सेवा और प्रसाद की उत्तम व्यवस्था थी। दोपहर के समय तक मंदिर परिसर में भजन मंडलियों ने भक्ति गीतों की प्रस्तुतियां दीं। वहीं स्थानीय कलाकारों ने रथ, भगवान के जीवन प्रसंग और देवी लक्ष्मी की प्रतीकात्मक कथा पर आधारित नृत्य-नाटिकाएं प्रस्तुत कीं। नागपुरी, मुंडारी सहित अन्य स्थानीय भाषा में भी गीत संगीत का आयोजन हुआ। जैसे-जैसे शाम ढलती गई मुख्य अनुष्ठान के साथ रथ खींचने ललक दिखी। भगवान जगन्नाथ, बलराम और सुभद्रा के रथ को मंदिर द्वार पर सजाया गया था। रथ की परिक्रमा के बाद आरती और दीपदान हुआ। इसमें हजारों भक्तों ने भाग लिया। मंदिर की सजावट, दीपों की रौशनी और भक्ति संगीत से पूरा परिसर भक्ति और आस्था के प्रकाश से जगमग दृश्य देखते बन रही थी। मेले में बच्चों, परिवारों और श्रद्धालुओं की आवाजाही रात तक बनी रही। सबों ने एक स्वर में भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र स्वामी की जयकारा लगाया।

मौसीबाड़ी से जगन्नाथपुर मंदिर लौटने से पहले मां लक्ष्मी की घूरती नजरों ने रोक लिया रथ

जगन्नाथपुर के मौसीबाड़ी मंदिर से वापसी की राह पर निकले भगवान जगन्नाथ, भाई बलराम और बहन सुभद्रा के रथ को एक बार फिर उस अनदेखी भावना ने थाम लिया। मान्यता के अनुसार जगन्नाथपुर के घूरती रथ के दौरान रविवार को मौसीबाड़ी मंदिर से जैसे ही रथ जगन्नाथपुर मुख्य मंदिर की ओर बढ़ने लगा। वैसे ही मां लक्ष्मी की प्रतीकात्मक झांकी ने सामने आकर उन्हें निहारना शुरू किया। एक ऐसा दृश्य, जो हर वर्ष श्रद्धा, प्रेम और प्रतीक्षा की जीवंत झांकी बन जाता है। माता लक्ष्मी की घूरती नजरों ने रथ को रोक लिया। यही घूरती रथ के रूप में जाना जाता है। जगन्नाथपुर मंदिर परिसर में यह क्षण अत्यंत विशेष माना जाता है। हर कोई स्वामी जगन्नाथ, बहन सुभद्रा, भाई बलभद्र और माता लक्ष्मी की होने का आभास करते हैं। परंपरागत मान्यता है कि भगवान जगन्नाथ जब बिना मां लक्ष्मी को साथ लिए मौसीबाड़ी चले जाते हैं, तो उनकी नाराजगी रथ की वापसी पर सामने आती है। घूरती रथ का यही भाव, जो हर वर्ष एक आध्यात्मिक संवाद बन जाता है। जहां भगवान मौन होते हैं और मां लक्ष्मी उनकी ओर प्रेम और उदास भाव से देखती हैं। मंदिर प्रांगण में इस दृश्य को देखने के लिए श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। वैदिक मंत्रोच्चार, ढोल-नगाड़े और भजन-कीर्तन जयकारे के साथ जब रथ धीरे-धीरे मंदिर द्वार की ओर बढ़ा, तब प्रतीकात्मक रूप में मां लक्ष्मी की झांकी को रथ के सामने लाया गया।

झारखंड के सभी जिलों में नौ तक बारिश की संभावना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के विभिन्न जिलों में नौ जुलाई तक हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होने की संभावना है। यह जानकारी मौसम विभाग ने दी है। विभाग के अनुसार सात जुलाई को राज्य के दक्षिणी-पश्चिमी जिले पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा और सरायकेला-खरसावां के कुछ इलाकों में भारी बारिश हो सकती है। साथ ही राज्य के कुछ हिस्सों में गर्जन के साथ 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की आशंका है। इसे लेकर मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। इधर, पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश सरायकेला में 73 मिमी रिकॉर्ड की गई। इस दौरान राज्य के अन्य हिस्सों में भी बारिश दर्ज की गई इनमें बन्दगांव में 60.8 पालकोट में 56.8, फतेहपुर में 55, खरसावां में 52.6, बहरागोड़ा में 44.6, धालभूमगढ़ में 42.4, घोड़ा बांदा में 39.4, चाईबासा में 39, रनिया में 34.6, चैनपुर में 33 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। इधर, रांची और आसपास के इलाकों में रविवार को सुबह से बारिश होती रही। रविवार को रांची में अधिकतम तापमान 27.7, जमशेदपुर में 31.5, डालटेनगंज में 32.8, बोकारो में 31.1 ओर चाईबासा में तापमान 29.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

रांची मस्जिद जाफरिया से निकाला गया आशूरा का जुलूस

कर्बला सच्चाई का प्रतीक है : तहजीबुल हसन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : 10वीं मुहर्रम के मौके पर पूरी दुनिया में इमाम हुसैन की कुबार्नी को याद किया जाता है। इमाम हुसैन अपने 72 साथियों के साथ कर्बला के मैदान में तीन दिन के भूखे प्यासे शहीद कर दिए गए थे। उसी शहादत की याद में पूरी दुनिया के मुसलमान और मानवतावादी इमाम हुसैन को याद करते हैं। उक्त बातें झारखंड वक्फ बोर्ड के सदस्य और रांची मस्जिद जाफरिया के इमाम हजरत मौलाना हाजी सैयद तहजीबुल हसन रिजवी ने कहीं। वे रविवार को मस्जिद जाफरिया में 10वीं मुहर्रम की मजलिस को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अगर आज कर्बला नहीं होता तो लोगों में सच्चाई के रास्ते पर शहादत का जज्बा नहीं पाया जाता। कर्बला लोगों में सच्चाई और ईमानदारी पैदा करने का नाम है। कर्बला में इंसानियत को जगाया और यह संदेश दिया गया कि सच्चाई के

लिए शहादत लेना कायरता नहीं बल्कि बहादुरी है। कर्बला के मैदान के एक तरफ मुआविया के बेटे यजीद था, तो दूसरी तरफ अली के बेटे इमाम हुसैन थे। उन्होंने कहा कि अली के बेटे हुसैन ने सच्चाई और इंसानियत की रक्षा के लिए तीन दिनों तक भूखे-प्यासे रहकर अपनी जान कुर्बान कर दी और मुआविया के बेटे यजीद को यह बता दिया कि सच्चाई और इंसाफ पर जान देने वालों की कभी हार नहीं होती। आज यह जुलूस हुसैन की जीत का प्रतीक है। अंजुमन जाफरिया की ओर से मस्जिद जाफरिया से निकाला गया यह जुलूस विक्रांत चौक, चूना मंदिर, चर्च रोड, टैक्सी स्टैंड, डेली मार्केट थाना, उर्दू लाइब्रेरी, अंजुमन प्लाजा, डॉ फतहउल्लाह रोड होते हुए कर्बला पहुंचा। जुलूस में सभी धर्मों और संप्रदायों के लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लिया इस मौके पर नोहा खानी कासिम अली, अबुजर अली, गुलाम हुसैन, गुलाम, अमीर गोपाल पुरी, असगर इमाम रिजवी ने पढ़ी। इस मौके पर सागर कुमार, जय सिंह यादव, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, सेंट्रल मुहर्रम कमेटी के महासचिव अकील-उर-रहमान उनकी पूरी टीम, मो इस्लाम, इमाम बख्श अखाड़ा खलीफा मो महजूद, सुहेल सईद, सैयद निहाल अहमद सहित अन्य शामिल थे।

कांग्रेस अनुशासन समिति ने पत्रकारों से मारपीट करने वाले राशिद को दी चेतावनी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी रांची के प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में रविवार को अनुशासन समिति की बैठक हुई। इसमें अनुशासन समिति के अध्यक्ष बजेंद्र सिंह, सदस्य आनदि ब्रह्म, शमशेर आलम, संयोजक अमुल्य नीरज खालखो शामिल थे। बैठक में पूरे राज्य के विभिन्न जिलों से अब तक प्राप्त अनुशासन से जुड़ी शिकायतों पर समीक्षात्मक चर्चा की गई। साथ ही धनबाद जिले के कार्यकारी अध्यक्ष राशिद रजा पर पत्रकारों के साथ मारपीट के लगे आरोपों पर भी विचार-विमर्श किया गया। अध्यक्ष बजेंद्र सिंह ने बताया कि धनबाद जिले के कार्यकारी अध्यक्ष के पर लगे आरोप पर प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने तीन सदस्यीय जांच कमेटी गठित की थी। इसकी विस्तृत रिपोर्ट प्रदेश कार्यालय को प्राप्त हुई है। उपरोक्त मामले पर प्रदेश अनुशासन समिति ने धनबाद जिला कार्यकारी अध्यक्ष राशिद रजा को कारण बताओं नोटिस जारी किया गया था। इसका जवाब भी मिला है। बैठक में जांच कमिटी की ओर प्राप्त रिपोर्ट और कारण बताओ नोटिस का जवाब का अवलोकन कर सभी बिन्दुओं पर चर्चा के बाद प्रदेश अनुशासन समिति राशिद रजा के जवाब को स्वीकृत कर लिया है। उन्हें यह हिदायत दी गई है कि भविष्य में इस तरह की घटना से बचें अन्यथा कारवाई की जायेगी। वहीं प्रदेश अनुशासन समिति ने बैठक की कार्यवाही संबंधी रिपोर्ट प्रदेश अध्यक्ष को सौंप दिया है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का विचार देश को एक सूत्र में जोड़ने वाला : अमर बाउरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भारतीय जनसंघ के संस्थापक और कश्मीर में अनुच्छेद 370 के विरोध में अपने प्राणों की आहुति देने वाले डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर रविवार को रांची महानगर भाजपा कार्यालय में उनकी व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर एकदिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी, हटिया विधायक नवीन जयसवाल ने अपने विचार व्यक्त किए। पूर्व नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का विचार देश को एक सूत्र में जोड़ने वाला रहा है। उनकी पूरी जीवनी राष्ट्र के लिए समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि कश्मीर में अनुच्छेद 370 के मुखर विरोधी रहे डॉ. मुखर्जी ने देश की अखंडता एवं संप्रभुता के लिए अपनी प्राणों की आहुति दी। उनकी जीवनी पूरे भारत के लिए प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि उनकी स्मृति में रांची में स्थापित श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय को हेमन्त सरकार द्वारा नाम बदलना उनकी बलिदान को अपमानित करना है। मौके पर हटिया विधायक नवीन जयसवाल ने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान से युगों युगों तक देश के नागरिक प्रेरणा लेते रहेंगे। उन्होंने कहा कि उनकी राष्ट्रवाद एवं हिंदुत्व की विचारधारा पर चलकर ही देश आगे बढ़ेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता महानगर उपाध्यक्ष राजू सिंह और मंच संचालन महामंत्री बलराम सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन जितेंद्र वर्मा ने किया। संगोष्ठी में प्रदेश कार्यालय मंत्री हेमंत दास, सत्यनारायण सिंह, के.के.गुप्ता, संजय जयसवाल, रमेश सिंह, बालसाई महतो सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

वेंकटेश्वर मंदिर में श्रद्धा और भक्ति के साथ मनी हरि शयनी एकादशी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर (तिरुपति बालाजी) मंदिर में आषाढ़ शुक्ल पक्ष की श्रीहरि शयनी एकादशी व्रत को लेकर रविवार को ब्रह्ममुहूर्त में अखिलाण्डकोटि ब्रह्मांडनायक का विश्वरूप दर्शन से अनुष्ठान का शुभारंभ हुआ। घंटा-घड़ियाल और मंत्रों की गूंज से मंदिर गुंजायमान हो रहा था। सुप्रभातम, मंगलाशासन और तिरुवाराधन के बाद भगवान श्रियःपति का दूध, दधि, हल्दी, चंदन, गंगाजल, डाभयुक्त जल, शहद, केसर औषधियों के मिश्रित जल से महाभिषेक किया गया। इसके बाद वस्त्राभूषणों से सुसज्जित करके जूही और

गुलाब से गूंथे हुई मालाओं से भव्यातिभव्य श्रृंगार निवेदन हुआ। फिर आलू और कुटू आटे के पकौड़े, आलू साबूदाना की खिचड़ी, संवादाना का खीर, फल और मेवे का बालभोग निवेदित किया गया। इसके बाद नक्षत्र, कुंभ और कपूर की आरती क्रमानुसार अलग-अलग मंत्रों से किया गया और वेद उपनिषद एवं देशिक स्तोत्राणि के उत्कृष्ट ऋचाएं तथा श्लोकों से स्तुति कीं गयी। पुनः रात्रि पूजोपचार के बाद सृष्टि में समस्त जीव जगत के पालन करता श्री हरि विष्णु को विधिवत्त पूजित कर उनके एक स्वरूप को शयन करा दिया गया। भगवान के शयन अवधि चातुर्मास तक रहेगा। यह अवधि चातुर्मास कार्तिक शुक्ल पक्ष की एकादशी को संपन्न होगी। श्री भगवान का कथन है-शयनी एकादशी के दिन जिन्होंने कमललोचन भगवान श्रीविष्णु का पूजन और एकादशी का उत्तम व्रत किया है, उन्होंने तीनों लोकों और तीनों सनातन देवताओं का पूजन कर लिया। भगवान कहते हैं कि हरि शयनी एकादशी के दिन मेरा एक स्वरूप राजा बलि के यहां रहता है और दूसरा क्षीरसागर में शेषनाग की शैय्या पर तब तक शयन करता है, जब तक आगामी कार्तिक की एकादशी नहीं आ जाती। महाभिषेक के यजमान अनीश - सोनिया अग्रवाल, दिनभर का भोग आशीष- अश्विका अग्रवाल, जबकि पुष्प श्रृंगार प्रकाश-रश्मि मोदी रहे। आचार्य के रूप में सत्यनारायण गौतम, गोपेश आचार्य और नारायण दास ने मिलकर अनुष्ठान को विधिवत्त संपन्न कराया। इस मौके पर राम अवतार नरसरिया, अनूप अग्रवाल, घनश्याम दास शर्मा, रामवृक्ष साहू, ओमप्रकाश केजरीवाल, कन्हैया लोहिया, सुशील लोहिया, विनय धरनीधरका और मुरारी मंगल रंजन सिंह सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

'अबुआ संस्कृति अबुआ अखरा' में सांस्कृतिक कार्यक्रम का हुआ आयोजन

रांची : रविवार को जगन्नाथ महोत्सव 2025 के अवसर पर अबुआ संस्कृति अबुआ अखरा की थीम पर आधारित एक भव्य जोरजा नृत्य, किसान समाज दल लोध, महुआडांड़, लातेहार द्वारा पेश किया गया। बता दें कि ये आयोजन में हुआ। इस विशेष अवसर पर पारंपरिक आदिवासी नृत्य, लोक गीत, नाटक और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से स्थानीय संस्कृति की समृद्ध विरासत को दर्शार्या गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय कलाकारों, बच्चों और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे आयोजन में और अधिक ऊर्जा और जीवंतता देखने को मिली। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य आदिवासी समाज की सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करना, पारंपरिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुँचाना, और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना रहा। नृत्य मंडली लोध, महुआडांड़ गांव के प्रतिनिधियों ने बताया कि समाज में सांस्कृतिक चेतना और समुदाय की भागीदारी को बढ़ावा देने हेतु इस प्रकार के आयोजन भविष्य में भी लगातार किए जाते रहेंगे। इस कार्यक्रम का आयोजन सांस्कृतिक कार्य निदेशालय, पर्यटन,कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग द्वारा किया गया।

झारखंड के चार विश्वविद्यालयों में इंटर में नामांकन पर राजभवन ने भेजा नोटिस

रांची : झारखंड के 4 विश्वविद्यालयों में इंटरमीडिएट में नामांकन जारी रखने को लेकर राजभवन ने गंभीर आपत्ति जताई है। इस संबंध में विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग, कोल्हान विश्वविद्यालय चाईबासा, सिदो-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका और नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय मेदिनीनगर को राजभवन की ओर से नोटिस जारी किया गया है। राज्यपाल सचिवालय की संयुक्त सचिव अर्चना मेहता ने सभी संबंधित विश्वविद्यालयों से यह स्पष्ट करने को कहा है कि जब नई शिक्षा नीति के तहत कॉलेजों में इंटर की पढ़ाई बंद करने का निर्देश पहले ही जारी किया जा चुका है, तो फिर 2025-27 शैक्षणिक सत्र में इंटरमीडिएट में नामांकन क्यों लिया जा रहा है। राजभवन के नोटिस के बाद विश्वविद्यालयों ने भी तेजी से कार्रवाई शुरू कर दी है। विनोबा भावे विश्वविद्यालय ने अपने सभी अंगीभूत और संबद्ध कॉलेजों के प्राचार्यों से 3 दिन के भीतर रिपोर्ट देने को कहा है। अन्य विश्वविद्यालयों ने भी कॉलेजों से जानकारी मांगी है कि किस कॉलेज में इंटर का नामांकन लिया जा रहा है और क्यों। जानकारी हो कि नई शिक्षा नीति 2020 के तहत, कॉलेज स्तर की शिक्षा केवल स्नातक और स्नातकोत्तर तक सीमित रहनी चाहिए, जबकि इंटर की पढ़ाई केवल प्लस टू स्कूलों या मान्यता प्राप्त इंटर कॉलेजों में होनी है। इसके बावजूद चारों विश्वविद्यालयों द्वारा इंटरमीडिएट में नामांकन लिए जाने की खबरें सामने आ रही हैं, जिसे नीति के उल्लंघन के रूप में देखा जा रहा है। राजभवन ने विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को एक सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट देने को कहा है। पत्र में यह भी कहा गया है कि यदि इंटर में नामांकन जारी रहता है तो नई शिक्षा नीति को लागू करने में बाधा उत्पन्न होती है, और ऐसी स्थिति में कार्रवाई भी की जा सकती है। शिक्षा विभाग ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि कॉलेजों में चल रहे इंटर सत्र 2024-26 के छात्रों को वैकल्पिक प्लस टू स्कूलों में शिफ्ट किया जाएगा। इसके लिए विभाग स्थापना स्वीकृति प्राप्त विद्यालयों में नामांकन की प्रक्रिया शुरू कर चुका है।

देवशयनी एकादशी पर श्याम मंदिर में भक्तों की उमड़ी भीड़

रांची : हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में आज देवशयनी एकादशी के विशेष दिन के अवसर पर सुबह 5:00 बजे मंदिर के पट खुलते ही भक्तों की भीड़ लग गई। सुबह के प्रातः कालीन श्रृंगार के बाद श्रृंगार आरती 8:30 बजे में भक्तगण अपनी अर्जी के साथ बाबा के दरबार में हाजिरी लगाते हुए दिखे। हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में श्याम भक्त अपनी अर्जी लगाते हैं। भक्तों में ऐसी मान्यता हो गई है कि हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में अर्जी लगाने पर बाबा उनकी अर्जी जरूर स्वीकार करते हैं। भक्तों द्वारा चढ़ाई गई अर्जियों को श्याम मंदिर के आचार्य गण एक-एक करके बाबा श्याम के समक्ष रखते हैं। एकादशी का दिन श्याम भक्तों के लिए विशेष दिन होता है । 12:15 बजे की विश्राम आरती के बाद 12:30 बजे मंदिर के पट लगा दिए गए। दोपहर के विश्राम के बाद मंत्री श्यामसुंदर शर्मा के सानिध्य मे बाबा श्याम का द्वितीय अनुपम संध्या श्रंगार किया गया । कोलकाता से मंगाए गए लाल गुलाब पीला गुलाब रजनीगंधा तुलसीदल गुलबहार फूल सॉन्ग ऑफ इंडिया मोती की मोटी मोटी मालाओं से बाबा श्याम को अद्भुत रूप से सजाया गया। मंदिर के सभी विग्रह एवं तैल चित्रों को भी फूलों के गजरे से सजाया गया। एकादशी संकीर्तन का मुख्य कार्यक्रम रात्रि 9:30 बजे से प्रारंभ हुआ । अरविंद संगीता सोमानी अभिषेक सूची सरावगी रौनक श्रुति पोद्दार ने संयुक्त रूप से खाटूनरेश की दिव्या अखंड ज्योति प्रज्वलित कर अखंड ज्योति में फल पेड़ा मेवा रबड़ी एवं मगहीपान अर्पित कर बाबा के आगे अपनी अर्जी लगाई। आज के मुख्य भजनों में हारे के सहारे आजा तेरा दास पुकारे आजा श्याम दीनानाथ कहाना छोड़ दो दिनों से अगर तुम्हें प्यार नहीं है। मंडल के उपाध्यक्ष श्रवण ढानढनिया पूर्व अध्यक्ष गोपाल मुरारका मंत्री श्याम सुंदर शर्मा मंत्री गौरव अग्रवाल मोनू कोषाध्यक्ष पंकज गाड़ोदिया अनुज मोदी सलज अग्रवाल सोनू अशोक शर्मा साकेत ढांढनिया दीपक पोद्दार वेद भूषण जैन किशन शर्मा दिनेश अग्रवाल रोशन खेमका लोकेश जालान आशुतोष खेतान सर्वेश अग्रवाल तनय काठपाल आदि सभी ने बाबा के दरबार में भजनों की हाजिरी लगाकर अपने आराध्य को मनाया। एकादशी संकीर्तन में भोग लगने के बाद मंदिर में आए सभी श्याम भक्तों को निरंतर प्रसाद का वितरण किया जा रहा था। देर रात्रि आरती के साथ एकादशी संकीर्तन का समापन किया गया। रबड़ी प्रसाद सेवा अन्नपूर्णा सरावगी फल प्रसाद सेवा एक श्याम भक्त गिरीगोला सेवा मुकेश मित्तल एवं एक श्याम भक्त मगही पान सुभाष रौनक पोद्दार एवं मुकेश बरनवाल पंचमेवा भोग सेवा मनोज अग्रवाल केसरिया पेडा सेवा स्मृतिशेष कमला प्रसाद दलानिया खुशबू गर्ग विशेष श्रृंगार सेवा अरविंद संगीता सोमानी अभिषेक सूची सरावगी रौनक श्रुति पोद्दार नवीन बागा सेवा डॉ उषा अधिवक्तागण श्याम जिज्ञासा नारसरिया द्वारा निवेदित की गई थी।

एक नजर

जनता के प्रति प्रतिबद्धता का परिचायक बना धनंजय कुमार पुटूस का जनता दरबार

रामगढ़ : विधानसभा क्षेत्र के जमीनी भाजपा नेता एवं सांसद प्रतिनिधि धनंजय कुमार पुटूस द्वारा आयोजित जनता दरबार बारिश के बावजूद पूरी सक्रियता और गंभीरता के साथ सम्पन्न हुआ। जनता दरबार में रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न प्रखंडों से आए कुल 06 नागरिकों ने स्कूल, थाना, अस्पताल एवं राशन कार्ड से संबंधित अपनी समस्याएं धनंजय कुमार पुटूस के समक्ष रखीं। धनंजय कुमार पुटूस ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए आश्वस्त किया कि कल ही संबंधित विभागों के पदाधिकारियों से संपर्क कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। बारिश हो या कोई और चुनौती जनता की समस्या सुनना और उसका समाधान करना मेरी प्राथमिकता है। जब जनता विश्वास के साथ मेरे पास आती है, तो वह भरोसा मेरे लिए एक जिम्मेदारी बन जाता है। मैं हर संभव प्रयास करूँगा कि किसी भी समस्या का समाधान लंबित न रहे।

गाजा के लिए आधा घंटा मोबाइल बंद कर इजरायल का डिजिटल विरोध करें : सीपीएम

कोडरमा : मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने वैश्विक आह्वान पर इजरायल के खिलाफ गाजा के लिए मौन का समर्थन किया है. जो एक प्रतीकात्मक एकजुटता के रूप में लोगों से हर रोज आधे घंटे के लिए स्थानीय समयानुसार रात्री 21:00 से 21:30 तक अपने मोबाइल फोन बंद करने का आग्रह करती है। माकपा के राज्य सचिवमंडल सदस्य संजय पासवान ने कहा कि हाल ही में जारी की गई संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट, कब्जे की अर्थव्यवस्था से नरसंहार की अर्थव्यवस्था तक, विस्तार से बताती है कि कैसे विभिन्न बहुराष्ट्रीय निगम गाजा पर इजराइल के हमले में शामिल हैं। इन निगमों की भयावह भूमिका को उजागर किया जाना चाहिए और उन्हें लोगों के प्रति जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। ये कॉपोरेट्स हमारे डिजिटल पदचिह्नों का फायदा उठाते हैं, जबकि वे नरसंहार को सक्षम बनाते हैं। हर दिन निर्धारित समय पर आधे घंटे के लिए अपने मोबाइल फोन बंद करना डिजिटल प्रतिरोध एक छोटा लेकिन शक्तिशाली कार्य है, यह निगरानी पूंजीवाद के खिलाफ एक प्रहार है जो इजरायल के नरसंहार और रंगभेद को वित्तपोषित करता है। सीपीआई(एम) देश भर के लोगों से इस डिजिटल प्रतिरोध में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह करता है।

त्याग व बलिदान का पर्व है मुहर्रम

कोडरमा : झारखंड मुक्ति मोर्चा पूर्व संगठन सचिव अब्दुल कुदुस ने चंदवारा के लोगों का शुक्रिया अदा किया सभी ने मिलजुल कर खुशी-खुशी मोहर्रम का त्यौहार मनाया मोहर्रम का त्यौहार इमामे हुसैन रजी अल्लाह ताला अन्हा अपने इस्लाम को बचाने के लिए यजीद ने उनके पूरे खानदान को शहीद कर दिया इमामे हुसैन ने शहीद होना पसंद किया मगर उन्होंने बातिल के आगे सर नहीं झुकाया यजीद ने कहा था ए हुसैन तुम मुझे खुद कहो मैं तुझे दुनिया की दौलत दे दूंगा मगर मेरे हुसैन ने कहां अजीत तुम जालिम हो सकता है खुदा नहीं खुदा तो एक है और मैं वही खुदा को मानता हूं जो सारे जहां को पैदा किया इस्लाम एक सच्चा मजहब है वह किसी मजहब के बारे में बुरा भला नहीं कहता मोहर्रम के चांद नजर आने के बाद हर मुसलमान को चाहिए कि जिस तरीके से कर्बला में इमामे हुसैन रोजा और नमाज पढ़ते हुए सजदे में अपना सर कटा दिए इस चीज को याद करते हुए हर मुसलमान को चाहिए कि खुराफाती कामों से हम बच्चे और हुसैन रजी अल्लाह ताला अन्हा की बताई हुई बातों पर अमल करें मौके पर उपस्थित थे ।

बी आर इंटरनेशनल स्कूल, चाराडीह में आर्ट एंड पेंटिंग एक्जीविसन कॉम्पीटिशन का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : स्कूल सहोदया कॉम्प्लेक्स के तत्वावधान में बी आर इंटरनेशनल स्कूल, चाराडीह में आर्ट एंड पेंटिंग एक्जीविसन कॉम्पीटिशन का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कोडरमा जिले के 13 सीबीएसई से संबद्ध विद्यालयों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी विवेकानंद और मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पर्चन और दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि जे जे कॉलेज के बीएड विभागाध्यक्ष डॉ. शमशाद आलम उपस्थित रहे। वहीं विशिष्ट अतिथियों में सेवानिवृत्त शिक्षक नवल किशोर सिंह, विश्व हिंदू परिषद के प्रांत संपर्क प्रमुख अरविंद सिंह, क्लोरोफिल स्कूल के निदेशक अजय अग्रवाल, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला संपर्क प्रमुख दिलीप सिंह, कोडरमा सहोदया स्कूल्स कॉम्प्लेक्स के अध्यक्ष कृष्ण कुमार सिंह तथा सचिव प्रमोद कुमार शर्मा शामिल रहे।मौके पर बी आर इंटरनेशनल स्कूल के निदेशक ओम प्रकाश राय एवं प्राचार्या डॉ. राखी कुमारी शर्मा एवं उपप्राचार्य नवल किशोर आनंद के द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत किया। बी आर इंटरनेशनल स्कूल की प्राचार्या डॉ. राखी कुमारी शर्मा ने अपने स्वागत भाषण में सभी प्रतिभागियों, विद्यालयों एवं अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन छात्रों में रचनात्मकता और आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं। उन्होंने कहा कि कला मनुष्य की भावनाओं को अभिव्यक्त करने का सशक्त माध्यम है और विद्यार्थियों को इस दिशा में निरंतर प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं बच्चों में सौंदर्यबोध और दृष्टिकोण विकसित करती हैं। उन्होंने प्रतिभागी विद्यालयों को उनकी सक्रियता और सकारात्मक प्रतिस्पर्धा के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने सभी निर्णायकों और शिक्षकों का भी विशेष आभार जताया जिनके सहयोग से यह आयोजन सफल हुआ। कार्यक्रम में सहोदय कॉम्प्लेक्स के अध्यक्ष कृष्ण कुमार सिंह ने प्रेरणादायक संबोधन में बच्चों की कलात्मकता की सराहना की और इस तरह के आयोजनों को नियमित रूप से करने पर बल दिया। सचिव प्रमोद कुमार शर्मा ने समापन पर धन्यवाद ज्ञापन करते हुए सभी उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों, शिक्षकों और छात्रों का आभार व्यक्त किया।

पुलिस सहायता कार्यक्रम के तहत बांटे गए टोपी,बैच व आईडी कार्ड

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

डोमचांच/कोडरमा : जिले के डोमचांच थाना में दिन शनिवार को पुलिस सहायता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य रूप से डोमचांच थाना प्रभारी ओमप्रकाश के द्वारा अनोखा पहल करते हुए पुलिस मित्रों के बीच टोपी बैच व आईडी कार्ड दिया गया। इस संबंध में डोमचांच थाना प्रभारी ओमप्रकाश ने बताया कि पुलिस और जनता के बीच बेहतर रिश्ते से ही अपराध में कमी आएगी। उन्होंने कहा कि बहुत बार ऐसा होता है पुलिस और जनता के बेहतर रिश्ते नहीं होने के कारण लगातार क्षेत्र में अपराध का ग्राफ बढ़ता जाता है जो एक अच्छे समाज के लिए बहुत ही खराब संदेश को दर्शाता है। आज के समय में पुलिस और जनता के बीच बेहतर रिश्ते होनी चाहिए जिससे कोई भी घटना होने से पहले उन पर विराम लगाया जा सके। अगर कोई घटना घटती है तो पुलिस से पहले वहां के स्थानीय को जानकारी होती है। इसलिए बहुत जरूरी है पुलिस और जनता के बीच समन्वय में होना। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि डोमचांच पुलिस हमेशा जनता के साथ खड़ी है अगर उनको कोई भी परेशानी होती है तो वह सीधे मुझसे संपर्क कर सकते हैं।

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जयंती पर गोष्ठी का आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : भारतीय जनता पार्टी रामगढ़ जिला के तत्वाधान में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जयंती पर एक गोष्ठी आज दिन के 12 बजे भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय हाथीमारा रामगढ़ में जिला उपाध्यक्ष राजेन्द्र कुशवाहा के अध्यक्षता में आयोजित किया गया। गोष्ठी के मुख्य वक्ता भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष आरती कुजूर एवं प्रदेश प्रवक्ता योगेंद्र प्रताप सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे। भाजपा के प्रेरणा पुंज डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पण्डित दीनदयाल उपाध्याय के तस्वीर पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर तथा राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम का सामूहिक गान के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि सहित सभी मंचासीन अतिथियों को अंग वस्त्र और पुष्प गुच्छ देकर स्वागत और अभिनन्दन किया गया। गोष्ठी में बोलते हुए मुख्य अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष आरती कुजूर ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी को भारतीय राष्ट्रवाद का जनक बताया और कहा की उनका सम्पूर्ण जीवन भारत माता के चरणों में अर्पित था। भारत के अखंडता के लिए उनका जीवन करोड़ों भारतीयों को प्रेरित करता रहेगा। उनकी जीवनी स्मरणीय है । विशिष्ट अतिथि प्रदेश प्रवक्ता योगेंद्र प्रताप सिंह ने उन्हें भारतीय जनता पार्टी का प्रेरणा पुंज बताया और कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनके विचारों को आत्मसात कर के विकसित भारत के संकल्प को पूरा कर रहे हैं।

भारतीय जनता पार्टी कोडरमा जिला की ओर से एक संगोष्ठी का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : राष्ट्रीय एकता व अखंडता के पर्याय महान शिक्षाविद प्रखर राष्ट्रवादी और भारतीय जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष की जयंती पर भारतीय जनता पार्टी कोडरमा जिला की ओर से एक संगोष्ठी का आयोजन रॉयल सेलिब्रेशन में किया गया । कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला उपाध्यक्ष देवनारायण मोदी तथा संचालन संयुक्त रूप से जिला महामंत्री शिवेंद्र नारायण एवं विजय यादव ने किया इस संगोष्ठी में मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी झारखंड प्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद उपस्थित हुए । सर्वप्रथम मुख्य अतिथि के द्वारा डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्या अर्पण एवं पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया , इस अवसर पर मुख्य अतिथि राकेश प्रसाद ने डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी एक प्रखर वक्ता तथा जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष थे , उनका जन्म 6 जुलाई 1901 को कोलकाता के एक प्रतिष्ठित परिवार में हुआ था , उनके पिता का नाम आशुतोष मुखर्जी प्रतिभा के धनी व्यक्ति थे । डॉ मुखर्जी 1917 में मैट्रिक एवं 1921 में लॉ की उपाधि प्राप्त की थी मात्र 33 साल की उम्र में हुए कोलकाता विश्वविद्यालय के कुलपति बनाए गए । जवाहरलाल नेहरू सरकार में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री बनाए गए उनके अपने मंत्री काल में चितरंजन में रेल कारखाना सिंदरी में खाद्य कारखाना जैसे कई उद्योग का जाल बिछा ,उस समय जवाहरलाल नेहरू सरकार में जम्मू कश्मीर मे धारा 370 लगाए जाने का विरोध प्रकट करते हुए अपने पद से इस्तीफा देकर जम्मू कश्मीर की ओर कुच कर गए जहां जम्मू कश्मीर में प्रवेश करने के लिए परमिट की आवश्यकता होती थी , जिसका उन्होंने विरोध प्रकट करके धारा 370 के तहत जम्मू कश्मीर में दो निशान दो विधान दो प्रधान को समाप्त करने के लिए आवाज उठाए , वहां की सरकार ने उन्हें गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया और लगभग 40 दिन जेल में रहते हुए उनकी मृत्यु हो गई,जो आज तक संदिग्ध बना हुआ है । जम्मू कश्मीर में धारा 370 को समाप्त करने के लिए हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री ने 5 अगस्त 2019 को समाप्त कर उनके सपनों को साकार किये ।संगोष्ठी को प्रदेश कार्य समिति के सदस्य रमेश सिंह ,रामचंद्र सिंह ,रवि मोदी ,पूर्व जिला अध्यक्ष रामनाथ सिंह ने भी संबोधित किया । अंत में धन्यवाद ज्ञापन नगर अध्यक्ष सुधीर सेठ ने किया ।

मेरा युवा भारत के द्वारा श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती मनाया गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : मेरा युवा भारत कोडरमा के द्वारा प्रखंड जयनगर के स्मित क्लासेज हीरोडीह में श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती मनाया गया जिसमें श्यामा प्रसाद मुखर्जी के फोटो पर मालार्पण किया गया उसके बाद स्मित सर के द्वारा श्यामा प्रकाश मुखर्जी के जीवनी एवं उनके राजनीतिक जीवन के बारे में प्रकाश डालते हुए कहा कि मुखर्जी जम्मू कश्मीर को भारत का पूर्ण और अभिन्न अंग बनाना चाहते थे। उस समय जम्मू कश्मीर का अलग झण्डा और अलग संविधान था। वहाँ का मुख्यमन्त्री प्रधानमन्त्री कहलाता था। संसद में अपने भाषण में डॉ॰ मुखर्जी ने धारा-370 को समाप्त करने की भी जोरदार वकालत की। अगस्त 1952 में जम्मू की विशाल रैली में उन्होंने अपना संकल्प व्यक्त किया था कि या तो मैं आपको भारतीय संविधान प्राप्त कराऊँगा या फिर इस उद्देश्य की पूर्ति के लिये अपना जीवन बलिदान कर दूँगा। उन्होंने तात्कालिन नेहरू सरकार को चुनौती दी तथा अपने दृढ़ निश्चय पर अटल रहे। अपने संकल्प को पूरा करने के लिये वे 1953 में बिना परमिट लिये जम्मू कश्मीर की यात्रा पर निकल पड़े। वहाँ पहुँचते ही उन्हें गिरफ्तार कर नजरबन्द कर लिया गया। अंतः 23 जून 1953 को रहस्यमय परिस्थितियों में उनकी मृत्यु हो गयी। पूर्व राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक सनी राणा ने कार्यक्रम को विधिवत शुरूआत करके उपस्थित युवाओं को मेरा युवा भारत के कार्यक्रमों एवं उद्देश्यों के बारे में बताया। उसके बाद रैली निकालकर जागरूक किया गया। तत्पश्चात उनके जयंती के ऊपर पौधा रोपण किया गया।

सरकार पेसा नियमावली का शीघ्र निर्माण करें : अर्जुन मुंडा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिम सिंहभूम : पश्चिम सिंहभूम जिला में रविवार को पूर्व मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता अर्जुन मुंडा ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती के अवसर पर झारखंड सरकार पर तीखा प्रहार किया। चाईबासा स्थित जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रेस वार्ता में उन्होंने पेसा कानून के क्रियान्वयन में देरी, पंचायतों की उपेक्षा और नई शराब नीति को लेकर राज्य सरकार की नीतियों पर गंभीर सवाल खड़े किए। अर्जुन मुंडा ने कहा कि उनके कार्यकाल में राज्य में पंचायत चुनाव सफलतापूर्वक कराए गए थे ताकि ग्राम सभा और पंचायतें सशक्त हों, लेकिन मौजूदा सरकार ने अब तक पंचायतों को वास्तविक अधिकार नहीं दिए हैं। उन्होंने कहा कि पेसा कानून आदिवासी समाज के परंपरागत प्रशासनिक और सामाजिक ढांचे को मजबूत करने के लिए है, परंतु राज्य सरकार इसे लागू करने में बिल्कुल गंभीर नहीं है। उन्होंने सरकार से मांग की कि पेसा नियमावली का शीघ्र निर्माण किया जाए ताकि पंचायतों को उनका कानूनी अधिकार मिल सके और ग्रामीण व्यवस्था मजबूत हो सके। नई शराब नीति पर भी उन्होंने सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि सरकार केवल राजस्व वृद्धि के उद्देश्य से पंचायत क्षेत्रों में शराब बिक्री को बढ़ावा दे रही है, जिससे गांवों का सामाजिक ताना-बाना प्रभावित हो रहा है। उन्होंने तीखे लहजे में कहा कि जहरीली शराब पीने से लगातार मौतें हो रही हैं, लेकिन इन मौतों की जिम्मेदारी लेने वाला कोई नहीं है। शराब की बिक्री पर नियंत्रण के लिए उन्होंने मांग की कि केवल लाइसेंस प्राप्त दुकानों को ही बिक्री की अनुमति दी जाए ताकि अवैध शराब का कारोबार रुक सके और लोगों की जान बचाई जा सके। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आज तक भूमिहीनों और विस्थापितों की वास्तविक सूची तैयार नहीं कर पाई है, जिससे विकास योजनाओं का लाभ असली जरूरतमंदों तक नहीं पहुंच पा रहा है। उन्होंने भूमि मोटेशन की प्रक्रिया में जानबूझकर देरी का आरोप लगाया और कहा कि कोल्हान प्रमंडल में स्थायी आयुक्त की नियुक्ति नहीं होना प्रशासनिक कमजोरी को दर्शाता है। मुंडा ने कहा कि यह सरकार आदिवासियों, पंचायतों और विस्थापितों के अधिकारों को कुचल रही है। जनता को अब संगठित होकर अपने अधिकारों के लिए आवाज उठानी होगी ताकि राज्य में आदिवासी समाज की अस्मिता और सम्मान की रक्षा हो सके।

संक्षिप्त खबरें

डोमचांच के बेहराडीह मे विवाहित ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, जांच मे जुटी पुलिस

कोडरमा : जिले के डोमचांच थाना क्षेत्र अंतर्गत बेहराडीह गांव में रविवार को एक विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। मृतका की पहचान 23 वर्षीय नेहा देवी पति दीपक दास के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार मृतका की सास दोपहर को बकरी चराने के पश्चात जब घर आईं और बहू के कमरे में गई तो देखा कि वह कमरे के अंदर पंखे के बने फंदे से झूल रही थी। जिसके पस्चात उसने आस पड़ोस के लोगों को बुलाकर बहु को फंदे से नीचे उतरवाया। लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। इधर घटना की जानकारी मृतका के मायके वालों को मिली, जिसके पश्चात वे लोग वहां पहुंचे। वहां आने के पश्चात उनलोगों ने इसे हत्या बताते हुए कहा कि यह नेहा की हत्या हुई है। उसके ससुराल वालों ने उसे मारकर इसे आत्महत्या का रूप देने का प्रयास कर रही है। इधर घटना की सूचना मिलते ही डोमचांच थाना प्रभारी ओम प्रकाश कुमार अपने दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को अपने कब्जे में ले लिया और मामले की जांच में जुट गए। बताते चलें कि इस घटना के बाद से मृतका का पति घर छोड़कर फरार हैं। जिसकी तलाश पुलिस द्वारा की जा रही है। मृतका का एक डेढ़ वर्ष का पुत्र भी है। इधर घटना के पश्चात से परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। पुलिस फिलहाल शव के पोस्टमार्टम की तैयारी में जुटी हुई है। जी.एस. पब्लिक स्कूल डोमचांच ने जीता आर्ट एंड पेंटिंग एक्जीविशन प्रतियोगिता का खिताब , प्राप्त किया प्रथम स्थान ।

कोडरमा सहोदया स्कूल कॉप्लेक्स के तत्वावधान में आयोजित की गई प्रतियोगिता

कोडरमा : जिले के डोमचांच स्थित जी.एस. पब्लिक स्कूल के वर्ग दशम के छात्र सौम्य राज व पवन कुमार ने अपने प्रतिभा से फिर एक बार सभो का मन मोहा बता दें की कोडरमा में आयोजित सभी CBSE एफिलिएटिड स्कूल के बीच आर्ट एंड पेंटिंग एक्जीविशन जो कि कोडरमा सहोदया स्कूल कॉम्प्लेक्स के बैनर तले बी. आर इंटरनेशनल चराडीह में आयोजित किया गया जिसमें की जिलें से कुल 15 उइरए एफिलिएटेड विद्यालयों ने भाग लिया था। आयोजित प्रतियोगिता में प्रथम स्थान जी. एस. पब्लिक स्कूल, द्वितीय स्थान में बी. आर. इंटरनेशनल स्कूल , व तृतीय स्थान में ग्रीजली विद्यालय,तिलैया डैम रहा। सभी बच्चों का प्रदर्शन आकर्षक व सराहनीय रहा। इस मौके पर जी.एस. पब्लिक स्कूल के अध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह, निदेशक नितेश कुमार, उपनिदेशक नीरज सिंह, प्राचार्या प्रतिमा कुमारी, कोऑर्डिनेटर सोनी चंदन, सीसीए कोऑर्डिनेटर मोहम्मद इलियास, राघव सिंहा, एग्जाम प्रभारी के.के. पाठक व सभी शिक्षक-शिशिकाओं ने इस उत्कृष्टता के लिए ढेरों बधाई व शुभकामनाएं दी।

रेलवे सुरक्षा बल की तत्परता खोया हुआ सामान किया गया बरामद

कोडरमा : आरपीएफ निरीक्षक प्रभारी में जानकारी देते हुए बताया कि दिनांक 05/07/25 को रेल मदद कंप्लेंन प्राप्त हुआ। तत्पश्चात कंप्लेंट में दिए मोबाइल नंबर पर संपर्क किया गया तो शिकायतकर्ता शाहिद अंसारी द्वारा बताया गया कि मैं दिनांक -5/7/2025 को कोडरमा से नावाडीह स्टेशन के लिए यात्रा प्रारंभ कर रहे थे काफी सामान होने के कारण कोडरमा स्टेशन पर एक थैला छूट गया जिसमें नए कपड़े रखे थे। जिसकी शिकायत रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 को बताया उक्त कंप्लेंट के बाबत ड्यूटी में मौजूद बल सदस्य द्वारा शिकायतकर्ता द्वारा बताए गए जगह पर पहुंच कर जुट बैग को प्राप्त किया गया जिसे रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट पर लाया गया। दिनांक 06/07/2025 को शिकायतकर्ता पोस्ट पर उपस्थित हुए व उनके आवेदन पर, सही सलामत सफेद कलर का झोला में रखे नए कपड़े को सुपुर्द किया गया। जिसका अनुमानित 3000/ हैं । शिकायतकर्ता द्वारा उक्त कार्य पर, आरपीएफ को धन्यवाद दिया गया।

मार्शल आर्ट सितोरियू कराटे डो फेडरेशन का भुरकुंडा में प्रशिक्षण शिविर संपन्न

भुरकुंडा (रामगढ़) : मार्शल आर्ट सितोरियू कराटे डो फेडरेशन भुरकुंडा शाखा द्वारा रविवार को पेट्रोल पंप स्थित अंबेडकर स्थल में एक दिवसीय कराटे प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में फेडरेशन के कोच सेंसाई कंचन दास की देखरेख में महिला कराटे प्रशिक्षिका स्मृति मुंडा (ब्लैक बेल्ट प्रथम डॉन) द्वारा प्रतिभागियों को ब्राउन बेल्ट का प्रशिक्षण दिया गया। इसमें कराटेकारों को काता, कुमिते, फाइट और बोंकाई का प्रशिक्षण दिया गया। शिविर में स्मृति, चित्रलेखा, शिवांश, रेयांश, भूमि, अनन्या आदि ने ब्राउन बेल्ट का प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सेंसाई कंचन दास, रंजीत कुमार, राजेश मुंडा, सूरज करमाली, रामचंद्र, सूरज, अभय आदि का विशेष योगदान रहा।

एक नजर

एक 6 वर्षीय किशोर गिरकर हुआ घायल

साहिबगंज: जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत एक किशोर गिरकर बुरी तरह घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार मदनशाही निवासी अकरम अंसारी का 6 वर्षीय पुत्र अरमान अंसारी घर के सामने ट्रैक्टर लगा हुआ था, उसी ट्रैक्टर पर चढ़कर खेल रहा था खेलने के दौरान ट्रैक्टर के ऊपर से गिर गया और सर में चोट लगने से उक्त बालक बुरी तरह जख्मी हो गया। उक्त घायल बालक को परिजनों ने उठाकर इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों के द्वारा इलाज किया गया।

सिविल सर्जन ने अत्याधुनिक लैब का किया उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरहरवा : प्रखंड अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहरवा में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए रविवार को अत्याधुनिक लैब का उद्घाटन किया गया। इस नए प्रयोगशाला में सीबीसी (कंपलीट ब्लड काउंट) एवं एलएफटी (लिवर फंक्शन टेस्ट) जैसे महत्वपूर्ण परीक्षण की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इस लैब का उद्घाटन सिविल सर्जन डॉ. प्रवीण कुमार संथालिया एवं बरहरवा के प्रखंड विकास पदाधिकारी सन्नी दास के संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. पंकज कर्मकार ने की।

रोगियों को मिलेगी बड़ी राहत

कार्यक्रम के दौरान सिविल सर्जन डॉ. प्रवीण कुमार संथालिया ने कहा कि अब बरहरवा के आम नागरिकों को एलएफटी और सीबीसी जैसी जांचों के लिए बाहर जाने की आवश्यकता नहीं होगी। यह सुविधा अब स्थानीय सीएचसी में ही उपलब्ध है। इससे गरीब मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी, जो पहले महंगे दामों पर बाहर जांच करवाने को मजबूर थे। अब यह सेवा नाममात्र शुल्क पर उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि आयुष्मान भारत योजना के कार्डधारकों तथा आदिम जनजाति पहाड़िया समुदाय के लिए ये जांच सेवाएं पूरी तरह निःशुल्क रहेंगी। जांच की मूल्य सूची जल्द जारी कर दी जाएगी।

क्या है सीबीसी और एलएफटी

सीबीसी यह एक सामान्य रक्त परीक्षण है, जो शरीर में मौजूद लाल रक्त कण, श्वेत रक्त कण और प्लेटलेट्स की संख्या व गुणवत्ता की जांच करता है। इससे शरीर की संपूर्ण स्थिति और छिपी हुई बीमारियों का पता लगाया जा सकता है। एलएफटी (लिवर फंक्शन टेस्ट) यह जांच लिवर (यकृत) के स्वास्थ्य और उसकी कार्यक्षमता को मापती है। इससे हेपेटाइटिस, फैटी लिवर, जॉन्डिस आदि बीमारियों की पहचान होती है।

बरहरवा में बन रहा बीएचयू- मिलेगा और बेहतर इलाज

इस अवसर पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. पंकज कर्मकार ने यह भी जानकारी देते हुए बताया कि बरहरवा में स्वास्थ्य सेवाओं को और सशक्त करने के लिए अब ब्लॉक हेल्थ यूनिट (बीएचयू) का निर्माण कार्य भी शुरू कर दिया गया है। इसके पूर्ण होने के बाद क्षेत्रवासियों को बेहतर उपचार और अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं एक ही छत के नीचे मिल सकेंगी। मौके पर स्थानीय स्वास्थ्यकर्मी, एनएम, एएनएम, सिविल सर्जन कार्यालय से जुड़े अधिकारी, और ग्रामीणों की उपस्थिति सराहनीय रही। सभी ने नई सुविधा की सराहना करते हुए इसे स्वास्थ्य व्यवस्था की दिशा में मील का पत्थर बताया।

दिनदहाड़े चोरी मामलें में दो आरोपी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़/हिरणपुर : जिले के हिरणपुर प्रखण्ड में बीते एक जुलाई को तोड़ाई स्थित देव कुमार दास के घर में दिनदहाड़े हुई चोरी की घटना का पुलिस ने उद्भेदन करने में सफलता पाई है। चोरी की घटना में शामिल तोड़ाई निवासी नयन मण्डल व देवपुर के सोहन साहा को शनिवार रात गिरफ्तार किया गया है। रविवार को हिरणपुर थाना में प्रेस वार्ता करते पुलिस निरीक्षक अनिल कुमार गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि देव कुमार के घर के ताला तोड़कर चोरी की घटना हुई थी। इसको लेकर पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी के निर्देश पर मामले की उद्भेदन को लेकर पुलिस निरीक्षक के नेतृत्व में टीम गठित किया गया था। जिसमे थाना प्रभारी रंजन कुमार सिंह, एएसआई गौरीशंकर प्रसाद, नैमुल अंसारी, गोविंद कुमार साहा, किशोर कुमार टुडू आदि शामिल थे। जांच के दौरान गुप्त सूचना पर अप्राथमिकी अभियुक्त नयन मण्डल को पाकुड़ नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत शहरकोल से गिरफ्तार किया गया। वहीं दूसरे आरोपी सोहन साहा को देवपुर स्थित घर से पकड़ा गया। दोनों ने इस घटना की संलिप्ता स्वीकार किया है। गिरफ्त में आये दोनों आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस टीम ने शहरकोल स्थित एक घर से चोरी के जेवरात (चांदी के पायल, कान का बाली, मंगलसूत्र), आरोपी का एक हीरो होंडा मोटरसाइकिल और मोबाइल भी जब्त हुआ है। पुलिस निरीक्षक ने बताया कि आरोपी नयन मण्डल का पूर्व से ही आपराधिक पृष्ठभूमि रहा है। दोनों आरोपियों को न्यायिक उपास्थापन में पाकुड़ भेजा जाएगा।

जेल में 2 विचाराधीन बंदियों की तबियत बिगड़ी इलाज के लिए अस्पताल कराया गया भर्ती

साहिबगंज : राजमहल जेल में बंद 2 विचाराधीन बंदियों सागर मंडल पिता फौदारी मंडल एवं अजय मंडल पिता स्व. दशरथ मंडल की तबियत बिगड़ने के बाद रविवार को पुलिस की टीम ने उसे बेहतर इलाज हेतु सदर अस्पताल लेकर आई। जहां सदर अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ. कुलदीप कुमार गुप्ता ने फौरन जांच पड़ताल करते हुए कैदी वार्ड में दोनों विचाराधीन बंदियों को शिफ्ट करते हुए इलाज शुरू कर दिया। वही दोनों ही बंदी अलग अलग मामले में राजमहल जेल में बंद है।

मोहर्रम का तजिया जुलूस अखाड़ा शांतिपूर्ण निकाला गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज/राजमहल : रविवार को राजमहल के विभिन्न भागों में पूरे जोश के साथ मुस्लिम समुदाय ने मुहर्रम का पर्व मनाया गया। शहर के विभिन्न हिस्सों में ताजिया जुलूस निकाले गए और लोगों ने कर्बला के शहीदों की याद में शोक सभाएं आयोजित की। मुहर्रम की दसवीं तारीख को आशुरा के दिन हजरत इमाम हुसैन और उनके साथियों की शहादत की याद में विशेष आयोजन किए गए। मुहर्रम के दौरान शहर में सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए गए थे। पुलिस और प्रशासन की टीम ने शहर के विभिन्न मार्गों पर सुरक्षा के लिए तैनाती की थी, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। मुहर्रम के दौरान शहर में विभिन्न इलाकों से ताजिये निकाले गए। इन ताजियों को बड़े ही श्रद्धा और सम्मान के साथ सजाया गया था। इसके अलावा जुलूसों में शामिल लोगों ने हजरत इमाम हुसैन और उनके साथियों की शहादत की याद में नारे लगाए। साथ ही मुहर्रम के दौरान शहर में विभिन्न स्थानों पर पानी की सबील और लंगर लगाए गए। लोगों ने हजरत इमाम हुसैन और उनके साथियों की शहादत की याद में विभिन्न लाठी, फरसा एवं विभिन्न हथियारों से करतब दिखाते हुए पर्व मनाया। इस दौरान लोगों की भीड़ में तिरंगा झंडा भी शान से लहराया जा रहा था। अनहोनी से बचने के लिए नगर में बिजली की आपूर्ति को बाधित किया गया।

मोहर्रम जुलूस के दौरान थाना प्रभारी व ग्रामीणों में किसी बात को लेकर कहा सुनी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज/तालझारी: थाना क्षेत्र के मोतीझरना गांव में मुहर्रम के दिन ग्रामीणों व तालझारी थाना प्रभारी नीतेश कुमार पांडे के बीच कहा सुनी हो गया है। ग्रामीणों ने घटना के बाद सड़क जाम करते हुए, थाना प्रभारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने की मांग पर अड़ गए। बाद में प्रशिक्षु डीएसपी रूपक कुमार सिंह मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रण में किया। इस पूरे घटनाक्रम को लेकर मोतीझरना पंचायत की मुखिया मेरी टुडू ने थाना प्रभारी नीतेश कुमार पांडे के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराया है। लिखित आवदेन में पुलिस अधीक्षक को संबोधित करते हुए मुहर्रम के मौके पर ग्रामीण जुलूस निकाल रहे थे, इसी दौरान तालझारी थाना प्रभारी ने अपनी सरकारी गाड़ी बीच सड़क में लगा दी, जिसके बाद ग्रामीणों ने थाना प्रभारी से अनुरोध किया कि गाड़ी को सड़क के साईड लगाया जाए क्योंकि जुलूस अवरुद्ध हो रही थी। जिस पर थाना प्रभारी आग बबूला हो गए और जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल किया और गाली गलौज भी किया, बाद में लाठी चार्ज भी किया गया। ग्रामीणों का आरोप है कि थाना प्रभारी ने गांव वालों पर एफआईआर कराने की धमकी भी दिया है तथा मुहर्रम कमेटी का लाइसेंस रद्द करने की भी बात की। जिसके बाद ग्रामीण आक्रोशित हो गए और थाना प्रभारी के रवैए से नाराज होकर सड़क जाम कर दिया। ग्रामीण उक्त थाना प्रभारी के तबादला की मांग कर रहे थे। हालांकि पंचायत की मुखिया व प्रशिक्षु डीएसपी रूपक कुमार सिंह ने सभी ग्रामीणों को समझा बुझाकर सड़क जाम को हटवा दिया। मामले में डीएसपी ने बताया कि ग्रामीणों के नाराजगी को समझने के बाद आवेदन ले लिया हूं, इसे उच्च अधिकारियों को भेज दूंगा। वही इस संबंध में थाना प्रभारी नीतेश कुमार पांडे को कॉल किया गया लेकिन बात नहीं हो पाई।

शाम की लगातार बारिश से बाजार में सन्नाटा

पटमदा: रविवार को दिनभर मौसम साफ रहने के कारण बेल्टांड चौक में लगने वाले बकरा बकरी के साप्ताहिक हाट में लोगो का भीड़ उमड़ा। वही शाम को अचानक हुई लगातार जोरदार बारिश से बाजार में सन्नाटा छा गया। सड़क किनारे सब्जी बेचने वाले व्यापारी समय से पहले ही दुकान बंद करके घर चले गए। वही अन्य दुकानदारों के दुकानों में ग्राहकों के लाले पड़ गए। भारी बारिश से जहां किसानों को धान की खेती में लाभ होगा।वही सब्जी के खेती करने वाले किसानों के लिए पीड़ादायक साबित होगा। कच्चे घरों के टूटने का भय भी बढ़ जाएगा।

चौड़ा में भाईचारे व श्रद्धा के साथ मनाया गया मुहर्रम का पर्व

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : मुस्लिम समुदाय का त्याग, बलिदान और भाईचारे का प्रतीक पर्व मुहर्रम रविवार को बारिश के बीच कुकड़ू प्रखंड में पूरी आस्था, शांति और सौहार्द के साथ मनाया गया। इस अवसर पर चौड़ा गांव में विभिन्न गांवों के ताजिया और निशान के साथ भव्य जुलूस निकाला गया। या अली, या हसन, या हुसैन के नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा और श्रद्धा का वातावरण बन गया। जुलूस का मुख्य केंद्र रहा चौड़ा मिल मैदान, जहां चौड़ा ऊपर टोला, माझी टोला सहित पश्चिम बंगाल के हुडूमदा और पाटाहेसल से ताजिया जुलूस शामिल हुए। पारंपरिक लाठी खेल ने दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया, जिसमें युवाओं ने तलवार, लाठी और भाले के साथ हैरतअंगेज प्रदर्शन किया। इस अवसर पर कुकड़ू के अंचल अधिकारी सत्येंद्र नारायण पासवान और पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष भी खुद को रोक नहीं पाए और तलवार से करतब कर दर्शकों की तालियाँ बटोरीं। जुलूस को शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए प्रशासन सतर्क रहा। कुकड़ू सीओ सत्येंद्र नारायण पासवान, कुकड़ू बीडीओ राजश्री ललिता बाखला एवं तिरुलडीह थाना प्रभारी अविनाश कुमार के नेतृत्व में पुलिस बल लगातार निगरानी करता रहा। साथ ही जिला प्रशासन की ओर से अतिरिक्त होमगार्ड और दंडाधिकारी की प्रतिनियुक्ति भी की गई थी। मुहर्रम के इस जुलूस में जिला परिषद उपाध्यक्ष मधुश्री महतो, पूर्व जिप उपाध्यक्ष अशोक साव, उप प्रमुख मो. एकराम, मुखिया प्रतिनिधि रामलाल सिंह मुंडा समेत अनेक जनप्रतिनिधि शामिल हुए और पर्व की गरिमा को बढ़ाया। इस दौरान मुहर्रम आखड़ा कमिटी के पदाधिकारियों ने अतिथिओं को पगड़ी देकर सम्मानित किया। मालूम हो कि मुहर्रम की यह परंपरा कर्बला की ऐतिहासिक घटना और इस्लाम व इंसानियत की खातिर दी गई कुबार्नी की स्मृति में निभाई जाती है।

शांतिपूर्वक माहौल में मना मुहर्रम पर्व

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

भुरकुंडा (रामगढ़) : भुरकुंडा कोयलांचल, भदानीनगर, बासल सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में मुहर्रम के अवसर पर मुस्लिम समुदाय की ओर से रविवार को पारंपरिक तरीके से मातमी जुलूस निकाला गया। इस अवसर पर आकर्षक ताजिया के साथ भव्य जुलूस निकाला गया। जुलूस में लोगो ने पारंपरिक लाठी, तलवार सहित अन्य हथियारों के साथ हैरत अंगेज करतब भी दिखाएं। जुलूस में लोग या अली या हुसैन के नारे लगा रहे थें। इस दौरान मुस्लिम धमार्लंबियों द्वारा जगह-जगह अस्त्र-शस्त्र करतब दिखाया गया। साथ ही तकबीर नारे रिशालत की गगनचुंबी नारे भी लगाए गए। सभी अखाडे. भुरकुंडा थाना चौक में जमा हुए। इस दौरान अखाड़ों के खिलाडियों ने हैरतअंगेज खेल का प्रदर्शन किया। जुलूस बिरसा चौक, मस्जिद कॉलोनी, भुरकुंडा बाजार, थाना चौक, हॉस्पीटल कॉलोनी होते हुए वापस थाना चौक पहुंचा। कोयलांचल के भुरकुंडा, सौन्दा डी, उपर धौडा सहित अन्य जगहों से मुहर्रम का जुलूस निकाला गया। इधर बिरसा चौक भुरकुंडा स्थित गांधी नगर में शांतिपूर्वक माहौल में भाईचारगी के साथ मुहर्रम का पर्व मनाया गया। इस अवसर पर आकर्षक ताजिया के साथ भव्य जुलूस निकाला गया। जुलूस में जुलूस में पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष मनोज राम, इमरोज खान, मो. सब्बीर, मेराज अंसारी, सहित सैंकड़ों मुस्लिम धर्मांवावलंबी शामिल हुए। विधि-व्यवस्था बनाए रखने में भुरकुंडा ओपी प्रभारी निर्भय कुमार गुप्ता, एसआई अविनाश कुमार, कुणाल कुमार, भदानीगनर ओपी प्रभारी ब्रह्मव्रत कुमार, बासल थाना प्रभारी कैलाश कुमार सहित सशस्त्र बल जुटे थे।

अबुआ सरकार में विकास की गति धीमी सड़के गड्ढे में तब्दील

पटमदा : झारखंड की जनता ने हेमंत सोरेन की अबुआ सरकार को जिस आशा और आकांशा के साथ सत्ता में लाया। वह सपना आज धूमिल होता दिख रहा हैं। बोड़ाम प्रखंड के चुरूडीह मोड़ से माधवपुर तक जाने वाली सड़क तालाब में तब्दील हो चुकी हैं। लोगो को पैदल गांव जाने में भी समस्या हो रही हैं।लगातार बारिश में समस्या एक चुनौती बनती जा रही हैं। इस सड़क के किनारे बसे, चिरूडीह ,रुपसान,गोरडीह, दुंदु, पेनादा आदि गांवों के ग्रामीणों को गांव के बाहर जाने के लिए मुख्य सड़क को छोड़कर वैकल्पिक सड़कों का चयन करना पड़ रहा हैं।पंचायत के उप मुखिया पूर्ण महतो बताते हैं कि इस सड़क का निर्माण कार्य कई दशक पूर्व तत्कालीन विधायक रामचंद्र सहिस के कार्यकाल में हुआ था।लेकिन उसके बाद इस सड़क की मरम्मती को लेकर किसी भी नेता ने गंभीरता नहीं दिखाया। उप मुखिया का कहना हैं कि इस वर्तमान में मामले को लेकर माधवपुर और गोरडीह के मुखिया,उप मुखिया और अन्य जनप्रतिनिधि सैकड़ों ग्रामीणों के हस्ताक्षरित आवेदन भी जमशेदपुर सांसद और जुगसलाई विधायक को दे चुके हैं।लेकिन इस समस्या का समाधान नहीं हुआ। यदि। किन्ही के द्वारा स्लैग भी डलवाकर गड्ढों को भर दिया जाता तो कुछ हद तक राहत होता।ग्रामीणों के अनुसार विगत दो चार दिन पहले एक नौ वर्षीय बच्ची की मौत की बात भी कही जा रही हैं। जिसको इस सड़क की बदहाली के कारण गांव तक वाहन रात को नहीं पहुंचने के कारण हों गई।उपमुखिया ने बताया कि इस स्थिति में कोई भी गाड़ी रात को आने से मना कर दिया।

संक्षिप्त खबरें

लाठी खेलकर विधायक ने किया मोहर्रम टूर्नामेंट का उद्घाटन

साहिबगंज/उधवा : प्रखंड के दक्षिण सरफराजगंज पंचायत अंतर्गत इंग्लिश खेल मैदान में मुहर्रम पर्व के अवसर पर प्रति वर्ष की भांति इस बार भी मुहर्रम खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में राजमहल विधायक मो. ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा उपस्थित हुए। इसके अलावे विशिष्ट अतिथि के रूप में नजरुल इस्लाम, राजमहल एसडीओ सदानंद महतो, एसडीपीओ विमलेश त्रिपाठीजी, उधवा बीडीओ सह सीओ जयंत कुमार तिवारी शामिल हुए। इस दौरान सभी अतिथियों ने लाठी भांजकर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया।प्रतियोगिता में प्रखंड के विभिन्न मोहर्रम कमेटियों ने हिस्सा लिया।इस दौरान खिलाड़ियों ने लाठी तलवार कुश्ती सहित अन्य कर्तव्य पेश किया। यहां खेल देखने के लिए दूर दराज से हजारों की संख्या में लोग देखने पहुंचे। वही मैदान में बच्चों की झूला,स्केटिंग,ब्रेक डांस,रेल रेलिंग सहित अन्य प्रकार के मनोरंजन के लिए सामग्री लगाया गया।

दो अलग-अलग मारपीट में दो लोग हुए घायल

साहिबगंज/राजमहल: थाना क्षेत्र के नया बाजार में रविवार को आपसी विवाद में हुई मारपीट में एक व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार नया बाजार के साबिर शेख 42 वर्षीय का पड़ोसी के साथ किसी बात पर कहा सुनी होते-होते बात मारपीट तक पहुंच गई। वहीं दूसरी ओर तीनपहाड़ थाना क्षेत्र के नीचे टोला के दीपक कुमार 32 वर्षीय आपसी विवाद में हुई मारपीट में घायल हो गया। दोनों घायलों को परिजनों ने इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल राजमहल लाया गया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों ने दोनों घायलों का इलाज किया। ड्यूटी में मौजूद डॉ. कुमार सौरभ ने बताया कि दोनों घटना की सूचना संबंधित थाना पुलिस को दे दी गई।

खाटू श्याम बाबा का निशान यात्रा निकाला गया

साहिबगंज: शहर में आषाढ़ मास के एकादशी पर रविवार को मारवाड़ी समाज द्वारा खाटूवाले श्याम बाबा का निशान यात्रा निकाली गई। यह यात्रा चौक बाजार डाकियानाथ मंदिर के ठाकुरबाड़ी से सैकड़ो की संख्या में महिला पुरुष शामिल होकर बाबा का गीत को गुनगुनाते हुए आगे बढ़ रहे हैं। एक, दो, तीन, चार खाटू वाले श्याम की जय जयकार, नीले घोड़े पर सवार भजन को गुनगुनाते हुए शहर भ्रमण करते हुए यह कार्यक्रम पुरुषोत्तम गली में जहां खाटू वाले श्याम का शीश स्थापना है उस मंदिर में जाकर समापन हुआ। यह शोभा यात्रा निशान यात्रा चौक बाजार होते हुए महात्मा गांधी चौक होते हुए नगर थाना होते हुए जे एन राय रोड होते हुए महाजन पट्टी होते हुए धर्मशाला चौक होते हुए होते हुए पुरुषोत्तम गली में जाकर खाटू श्रीश्याम मंदिर निशाने रखकर बहुत सारे महिला और पुरुष ने आज आषाढ़ का एकादशी को मानते हैं। इसमें मंदिर में पूजा अर्चना भी की गई। इसका नेतृत्व मारवाड़ी समाज के पुरोहित महेंद्र शर्मा, अजय शर्मा, संजय तिवारी, रवि भगत, शंकर खंडेलवाल, गोपाल चौखानी आशा देवी, अन्नपूर्णा देवी, मेरा झुनझुनवाला, शामिल थे।

पांगरो निवासी व्यक्ति ने लगाई फांसी, पुलिस ने शव का कराया पोस्टमार्टम

साहिबगंज: जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के सोतीचौकी पांगरो निवासी व्यक्ति सुदर्शन मुंडा पिता स्व. गोविंद मुंडा ने रविवार को अपने घर में फांसी लगा ली। जहां मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मृतक के घर पहुंचकर उसके शव को अपने कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम कराने के लिए सदर अस्पताल लेकर आई। उधर सदर अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ. कुलदीप कुमार गुप्ता ने मृतक व्यक्ति के शव का पोस्टमार्टम करने के बाद परिजनों को शव सौंप दिया। उधर मामले को लेकर थाना प्रभारी शशि सिंह ने बताया कि पुलिस पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही है।

मुक बधिर स्कूल की छात्रा की इलाज नहीं होने के अभाव में हुई मौत

साहिबगंज: जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत मुक बधिर स्कूल की छात्रा को गंभीर स्थिति में रविवार को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां जांच के दौरान डॉ. कुलदीप गुप्ता ने मृत घोषित कर दिया है। मृत बच्चा लिट्टीपाड़ा के जियापानी गांव के रहने वाले देव माल्टो की 12 वर्षीय पुत्री जिया माल्टो थी। मुक बधिर छात्रावास की सिस्टर ने बताया कि बच्ची को शुक्रवार को बुखार होने पर दवा दी गई है। इसके बाद रविवार को अचानक तबियत बिगड़ गई। इलाज के लिए सदर अस्पताल लेकर पंहुचा। तब तक बच्ची की मौत हो चुकी है। वही बच्ची यहां करीब दो साल से रह रही थी। बच्ची के परिजन जब विद्यालय पहुंचा तो बच्ची मृत अवस्था में पाया गया। मृत बच्ची की पिता देव माल्टो से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि आज रविवार को विद्यालय से 2:00 बजे फोन आया कि आप लोग कहां पर हैं जल्दी से आई आपकी बच्ची का तबीयत बिगड़ गया है, तब मृत बच्ची की पिता ने बोला कि जल्दी से डॉक्टर के पास इलाज के लिए लेकर जाइए और हो सके तो प्राइवेट डॉक्टर के पास भी लेकर जाइए हमलोग आ रहे हैं, जबकि मृत बच्ची पहले से स्वस्थ थी। बच्ची की पिता ने बताया कि जब दो दिन से तबीयत खराब था तो अच्छे से डॉक्टर से इलाज क्यों नहीं कराया। और जब ज्यादा बच्ची का गंभीर स्थिति हो गया तो हमलोग को आज सूचना दिया गया पहले सूचना विद्यालय से क्यों नहीं दिया गया।

माटी री बोली में घुली कविता री आत्मा

हरियाणा रा नाम आवै तो मन मैं दूध-दही, खेत-खलियाण, पहलवान, चौपाल, बागड़ी-जेबड़ी बोली अर सादगी भर्यी जिन्दगी सै। पर इस हरियाणा री धरती तले जड़ी माटी में एक आंधरी बात सै झ संवेदना। डॉ. सत्यवान सौरभ की किताब बोल म्हारी माटी इस संवेदना नै कविता में ढाल के हमारे ताई ल्याई सै। ई बही केवल कवितां रो संग्रह ना, एक दस्तावेज सै हरियाणवी माटी, बोली, संस्कृति अ‍र लोक चेतना रो।

बोल म्हारी माटी इब केवळ एक किताब ना सै, ये तो हरियाणवी जीवन का झरोखा सै। इसमें गाँव री खुरदरी बोली सै, माँ की थपकी सै, बापू के खेत सै, फौजी का जुनून सै, छोरी का गुस्सा सै, और चौपाल की हंसी सै। हर , हर दोहा, हर कुण्डलिया एक किस्सा सुनावै सै। मैं इस संग्रह के जरिए अपने हरियाणे नै सलाम करूं सै उसकी मिट्टी नै, उसकी छाया नै, उसकी बोली नै। जइसे-जइसे आप पढ़ोगे, हर शब्द में अपने गांव की छाया पाओगे। जड़ां तै जुड़ी बानी डॉ. सौरभ रा लेखन जमीन तै जुड़्या सै। के नै देखोः रोटी अ‍र लीलू प्याज सै,दुपहर की घणी माज सै। घणी-घणी कर मत पाछे हो, म्हारा बखत भी आज सै। ई पंक्तियां मजदूर रा दर्द भी बखाणे सै अर उस रे आत्मगौरव भी। भाषा बिलकुल लोक बोली की सै झ जैसे दादी-नानी बतावें, चौपाल में होवे चर्चा।

कविता में हरियाणवी छोरी संग्रह में छोरी रा चित्रण एक दम सजीव सै। डॉ. सौरभ छोरी नै केवल बेबस ना बतावै, वो बदलण आली ताकत दिखावै सै। घूँघट की ओट में ढलती जिन्दगी, अब किताबां की हेडलाइन बनगी। लुगाई नै छोरा समझ कै पढाओ, सच माणो, अर नॅ बदलाओ।

ई कविता में घूँघट हट रया सै, कलम हाथ में आ रई सै, अर छोरी समाज री रीढ़ बन रई सै। किसानी, खलिहाण अर मजदूर हरियाणवी किसान माटी तै जुड़्या होया सै, अर सौरभ जी उकरे हर दर्द नै लफ्जां में पिरोया सै। तुम्हारी जमीन भले बंजर हो, हौंसले रा बीज जमावां सै। खून-पसीने से सींची माटी, म्हारे बाबुल का भावां सै। कविता माटी रा मान बढ़ावै सै। कविता में पसीना भी सै, अर बगावती आत्मा भी। आंदोलन री आवाज संग्रह में आंदोलन, सरकार रा जुल्म, बेरोजगारी अर शोषण पे कई कविता सै। एक कविता देखोः धान का दाना दे कै, गन्ना का रस चूंस कै, सरकार नै थप्पड़ मारे, म्हारे झोले सै छूं-सकै! ये पंक्तियां केवल विरोध ना, चेतना सै झ किसान री, मजदूर री, गरीब री। बालपन रा रंग बाल जीवन पे लिख्या खंड ₹बचपन रा रंग₹ सच्ची मासूमियत सै भर्या सै। लोक संस्कृति री जीती-जागती तस्वीर बोल म्हारी माटी में हरियाणवी संस्कृति री हर परत नजर आवै सै झ तीज-त्यौहार, घाघरा-ओढ़णी, चूल्हा-धूणी, गीत-नाच, किस्सा-कहाणी। ई किताब एक सांस्कृतिक दस्तावेज सै। जे कोए भी हरियाणा नै समझना चावै, वो पहले ई किताब पढ़ै। ₹बोल म्हारी माटी₹ कोई किताब भर ना सै, ई तै हरियाणा की धरती की धड़कन सै। इब के जमाने में जब लोग अपनी बोली तै शर्माण लागे सै, तब या संग्रह उन सब नै याद दिलावै सै के अपनी माटी, अपनी जुबान, अर अपनी जड़ नै कदे भूलणा ना चाहिए। इस किताब में जो एं सै, वो सीधे मन सूं निकळी सै झ किसान की थकी पीठ सूं, नारी की चुप आंखां सूं, बेरोजगार छोरे की हँसी सूं, मास्टर की मजबूरी सूं, अर राजनीति के रंगमंच की खामोशी सूं। हर 16-16 पंक्तियों की सै, अर हर 4 पंक्ति के बाद एक सांस लेण ताईं जगह दी गई सै – ज्यूं जिंदगी में ठहराव होवै सै। लेखक नै कोई चौंकावण की या दिखावटी बात ना करी – जे जैसा समाज में देख्या, समज्या, और सह्या, वैसा ही लिख दिया। इब चाहे आप गांव में रहो या शहर में, पढ़ कै आपनै लागैगा के झ ₹हां, ई बात तो मेरी भी सै।₹ ये संग्रह लख्मीचंद की चौपाल सूं उठी बोली नै इब की पीढ़ी ताईं पहुंचावै का काम करै सै – ताकि वो समझ सकै के केवल किताब में ना, जिंदगी में भी होवे सै।

सूडोकु नवताल- 7483

★★★✯✩ मध्यम

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7482 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

जाति प्रमाणपत्र में छिपा भेदभाव : बच्चों के अधिकारों पर प्रशासनिक कुठाराघात

डॉ सत्यवान सौरभ

जाति प्रमाणपत्र जारी करने की प्रक्रिया में बच्चों के अधिकारों और सामाजिक पहचान की उपेक्षा गंभीर चिंता का विषय है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने हाल ही में स्पष्ट किया कि यदि कोई बच्चा अनुसूचित जाति की मां द्वारा पाला गया है और उसी समुदाय के रीति-रिवाजों में बड़ा हुआ है, तो उसे प्रमाणपत्र से वंचित नहीं किया जा सकता, भले ही पिता की जाति भिन्न हो। यह फैसला बच्चों के संवैधानिक अधिकारों और सामाजिक न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। अब आवश्यक है कि राज्य सरकारें स्पष्ट नीति बनाकर प्रशासनिक भेदभाव की समाप्ति सुनिश्चित करें।

जाति प्रमाणपत्र एक ऐसा दस्तावेज है, जो हमारे समाज की सामाजिक संरचना और संवैधानिक वादों के बीच की गहरी खाई को उजागर करता है। यह केवल आरक्षण या सरकारी योजनाओं की पात्रता का प्रमाण नहीं, बल्कि इस बात का संकेत भी है कि किसी बच्चे को अपने अधिकार पाने के लिए किस प्रकार की सामाजिक स्वीकृति और सरकारी मान्यता की आवश्यकता है। हाल ही में दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण फैसले में यह स्पष्ट किया कि अनुसूचित जाति से संबंधित किसी व्यक्ति का बच्चा भी उसी जाति से माना जाएगा, भले ही उसके माता-पिता के बीच धर्म अलग-अलग हों। यह फैसला उन हजारों बच्चों को राहत देता है, जिन्हें आज भी केवल उनके माता-पिता के धर्म या सामाजिक स्थिति के आधार पर जाति प्रमाणपत्र से वंचित किया जा रहा है।

दिल्ली उच्च न्यायालय का यह फैसला एक बहुचर्चित मामले में आया, जिसमें एक विधवा महिला ने अपने बेटे के लिए अनुसूचित जाति प्रमाणपत्र की मांग की थी। महिला दलित समुदाय से थी, जबकि उसके पति अन्य धर्म से संबंधित थे। बच्चे का पालन-पोषण दलित परंपराओं, रीति-रिवाजों और सामाजिक परिवेश में हुआ, लेकिन प्रशासन ने प्रमाणपत्र जारी करने से इंकार कर दिया। तर्क था झ पिता की जाति अलग थी, अतः बच्चा उस जाति का नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह दृष्टिकोण न केवल संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन है, बल्कि बच्चों के विकास के अवसरों पर भी आघात है।

न्यायालय ने अपने फैसले में कहा कि ह्लजाति एक सामाजिक निर्माण है, जैविक नहीं। यदि बच्चा उस जाति के सामाजिक और सांस्कृतिक परिवेश में बड़ा हुआ है, तो उसे उस समुदाय का हिस्सा माना जाना चाहिए।ह्व यह टिप्पणी उन सरकारी अधिकारियों के सोच पर गहरी चोट है, जो जाति को अब भी 'खून से बंधा हुआ' तत्व मानते हैं, न कि सामाजिक परिस्थितियों से जुड़ा हुआ।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 15 और 16 समानता का अधिकार प्रदान करता है, वहीं अनुच्छेद 46 स्पष्ट रूप से अनुसूचित जातियों और जनजातियों की शैक्षिक और आर्थिक हितों की विशेष सुरक्षा की बात करता है। लेकिन जमीनी हकीकत इससे कोसों दूर है। सरकारी दफ्तरों में आज भी जाति प्रमाणपत्र एक 'कागजी पहचान' से ज्यादा एक 'पैदाइशी सबूत' के रूप में देखा जाता है। अधिकारी,

विशेषकर ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में, जाति प्रमाणपत्र जारी करने के लिए ऐसे दस्तावेज माँगते हैं जो एक साधारण नागरिक के पास हों भी तो उन्हें मान्यता नहीं मिलती – जैसे मौखिक घोषणाएं, स्थानीय पंचायत की सिफारिश, या जातिगत मान्यता पत्र।

समस्या की जड़ उस मानसिकता में है, जो मानती है कि जाति पिता से तय होती है, न कि सामाजिक पालन-पोषण और सामाजिक पहचान से। विशेषकर जब माता अनुसूचित जाति की हो और पिता अन्य जाति या धर्म का, तो बच्चे की पहचान को लेकर सरकारी तंत्र असहज हो जाता है। बच्चों को उन अधिकारों से वंचित कर दिया जाता है, जिनके वे जन्मसिद्ध हकदार हैं – केवल इसलिए कि वे ह्यशुद्धह्व जाति व्यवस्था के साँचे में फिट नहीं होते।

यहाँ एक और प्रश्न उठता है- क्या जाति प्रमाणपत्र के मामले में 'पालन-पोषण' का महत्व नहीं होना चाहिए? क्या एक बच्चा जो दलित बस्ती में पला-बढ़ा, जिसने सामाजिक अपमान, भेदभाव और आर्थिक अभाव झेला, उसे केवल इस आधार पर वंचित किया जा सकता है कि उसके पिता किसी अन्य जाति या धर्म से थे? दिल्ली उच्च न्यायालय ने इसी प्रश्न का उत्तर देते हुए एक ऐतिहासिक दृष्टिकोण अपनाया – कि जाति कोई आनुवंशिक रोग नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तराधिकार है।

प्रशासनिक व्यवस्था आज भी औपनिवेशिक सोच से ग्रस्त है, जहाँ हर दस्तावेज को संदेह की निगाह से देखा जाता है। बच्चे और विधवा महिलाओं के मामलों में तो यह और भी जटिल हो जाता है। एक विधवा दलित महिला को बार-बार प्रमाण देना पड़ता है कि उसका बच्चा उसी समुदाय में बड़ा हुआ है – यह न केवल मानसिक पीड़ा है, बल्कि असंवेदनशील राज्य व्यवस्था का प्रत्यक्ष उदाहरण भी है। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (ठउढउफ) भी कई बार यह सुझाव दे चुका है कि बच्चों को जाति प्रमाणपत्र जारी करने में ह्यपालन-पोषणह्व को एक प्रमुख आधार बनाया जाए। लेकिन राज्य स्तर पर नौकरशाही अभी भी इस परिवर्तन के लिए तैयार नहीं है। अधिकारियों को डर है कि यदि सामाजिक पहचान को आधार मान लिया गया, तो फर्जी प्रमाणपत्रों की बाढ़ आ जाएगी। लेकिन यह सोच असल में उन बच्चों के अधिकारों का हनन करती है, जो दोहरे भेदभाव का शिकार होते हैं – एक ओर सामाजिक, दूसरी ओर प्रशासनिक।

जाति प्रमाणपत्र न केवल आरक्षण की कुंजी है, बल्कि यह सरकारी छात्रवृत्तियों, प्रतियोगी परीक्षाओं, आवासीय योजनाओं और नौकरियों में प्रवेश का द्वार भी है। जब किसी बच्चे को केवल उसके माता-पिता की जातिगत भिन्नता के आधार पर इससे वंचित किया जाता है, तो यह संविधान की आत्मा पर आघात है। यह उस समानता और न्याय की भावना के विपरीत है, जिसकी स्थापना के लिए संविधान निर्माताओं ने संघर्ष किया था।

यह भी उल्लेखनीय है कि कई बार तो अधिकारियों द्वारा जाति प्रमाणपत्र देने से इनकार करने के पीछे व्यक्तिगत पूर्वाग्रह या राजनैतिक दबाव भी होता है। यदि कोई बच्चा गरीब है, दलित बस्ती में रहता है और उसकी माँ अकेली कमाने वाली है- तब भी उसे प्रमाणपत्र नहीं दिया जाता, जब तक वह ह्यपिता की जातिह्व सिद्ध न कर दे। यह पुरुषसत्तात्मक दृष्टिकोण है, जो महिला की सामाजिक स्थिति और उसके बच्चे के अधिकारों को नगण्य समझता है।

ऐसे में न्यायालयों की भूमिका निर्णायक हो जाती है। दिल्ली उच्च न्यायालय का यह फैसला एक नजीर बने, इसके लिए जरूरी है कि केंद्र और राज्य सरकारें स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करें। यदि कोई बच्चा किसी दलित महिला द्वारा पाला गया है, और समाज में उसकी पहचान उस समुदाय की है, तो उसे जाति प्रमाणपत्र देने में कोई संदेह या अड़चन नहीं होनी चाहिए। साथ ही, बाल अधिकारों के संरक्षण की दिशा में भी यह आवश्यक है कि शिक्षा विभाग, समाज कल्याण विभाग और बाल आयोग मिलकर ऐसी नीतियाँ बनाएँ, जहाँ बच्चों की सामाजिक पृष्ठभूमि को वरीयता दी जाए- न कि केवल जैविक वंशावली को।

यह केवल एक प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि संवैधानिक न्याय की ओर एक कदम है। यदि हम बच्चों को उनके अधिकारों से वंचित करेंगे, तो वह राष्ट्र जो ह्यन्याय, स्वतंत्रता और समानताह्व की बात करता है, केवल एक छलावा बनकर रह जाएगा।

हर कौम कह रही है हमारे हुसैन हैं

तनवीर जाफरी

पूरी दुनिया में इन दिनों इस्लामी कैलेंडर के पहले महीने मुहर्रम के दौरान करबला की दास्तान याद की जा रही है। 680 ईस्वी अर्थात मुहर्रम 61 हिजरी में इराक में करबला स्थित मैदान फुरात नदी के किनारे पैगंबर हजरत मुहम्मद के नवासे इमाम हुसैन व उनके परिवार के लगभग 72 सदस्यों को सीरिया के तत्कालीन तानाशाह यजीद की सेना ने उसके आदेश पर बड़ी ही बेरहमी से 10 मुहर्रम यानी आशूरा के दिन तीन दिन का भूखा प्यासा कत्ल कर दिया था। उसके बाद उनके परिवार के तंबुओं को जलाया व लूटा गया । बाद में इमाम हुसैन के परिवार, विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों को बंदी बनाकर कूफा और फिर सीरिया ले जाया गया। इस दौरान उनके साथ क्रूर व्यवहार किया गया। उन्हें रास्ते भर यातनायें दी गयीं उनके सरों से चादरें छीनी गयीं,हाथों में हथकड़ियां,रस्सियां व पैरों में बेड़ियाँ डाली गयीं। गौरतलब है कि हजरत मुहम्मद के घराने के साथ घोर अत्याचार करने वाला उस समय का तानाशाह यजीद पुत्र मुआविया स्वयं भी मुसलमान था और उसकी सेना के अत्याचारी सदस्यों में भी अनेक हाफिज,कारी और लंबी लंबी दाढ़ियों वाले धर्मगुरु सरीखे अनेक मौलवी शामिल थे। यजीद अपने समय का एक शक्तिशाली परन्तु क्रूर,अधर्मी,अय्याश शासक था। वह अपनी ताकत के बल पर अपनी सत्ता चलने के लिये हजरत इमाम हुसैन का समर्थन चाहता था। परन्तु हजरत हुसैन ने उसकी दुष्ट की ताकत की परवाह नहीं की और उसके हाथों पर बैयत करने से इंकार कर दिया।

हजरत हुसैन की शहादत और करबला की घटना को पूरे विश्व के सभी धर्मों व विश्वास के लोग पूरी श्रद्धा व सम्मान से देखते हैं। इस घटना को धर्म के बजाय इतिहास से जुड़ी विश्व की अभूतपूर्व घटना होने के नाते पूरी दुनिया के में साहस, बलिदान और अन्याय के खिलाफ संघर्ष के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। यही वजह है कि विभिन्न धर्मों के लोग हजरत हुसैन की नैतिकता, मानवता और सत्य के लिए उनके बलिदान की प्रशंसा करते हैं। भारत में मुहर्रम पर हिंदुओं की मुहर्रम में भागीदारी व उनके द्वारा श्रद्धा पूर्वक की जाने वाली ताज़ियादारी की परंपरा देश की सांस्कृतिक और धार्मिक समन्वयता को दशार्ती है। ताज़िया, इमाम हुसैन के मकबरे का प्रतीकात्मक स्वरूप है जो भारत में हिंदू-मुस्लिम एकता का भी प्रतीक है। मुहर्रम में ताजियादारी की परंपरा को ग्वालियर के सिंधिया परिवार जैसे हिंदू राजघरानों ने भी पूरी श्रद्धा के साथ अपनाया। वे न केवल ताज़िया बनवाते थे, बल्कि जुलूसों में भी शामिल होते व इसे अपनी मन्नतों और आस्था से जोड़कर देखते थे। जबकि मुस्लिम शासक होने के बावजूद औरंगजेब ने अपने शासनकाल में मोहर्रम के जुलूसों पर प्रतिबंध लगाने का प्रयास किया था। मध्य प्रदेश (ग्वालियर) के अलावा भी भारत में कई क्षेत्रों, विशेषकर उत्तर प्रदेश, राजस्थान, और दक्षिण भारत के कई हिस्सों में हिंदू समुदाय ताज़ियादारी में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं।

इसी तरह इतिहास में हिंदू समुदाय, से जुड़े ₹हुसैनी ब्राह्मण,₹ का जिक्र मिलता है। कहा जाता है कि हुसैनी ब्राह्मण करबला की जंग में हजरत इमाम हुसैन के पक्ष में लड़े थे। इसीलिये इनके वंशज आज भी मुहर्रम में मजलिस मातम करते हैं व हुसैन की याद में ताज़िया निकालते हैं। बताया जाता है कि सिंध के हिन्दू राजा राहिब दत्त निःसंतान थे। वे संतान हेतु दुआओं की आस लेकर हजरत इमाम हुसैन की सेवा में हाजिर हुये। हजरत इमाम हुसैन के आशीर्वाद से राहिब दत्त के घर एक दो नहीं बल्कि सात पुत्रों की प्राप्ति हुई। इसके कारण राजा राहिब दत्त की इमाम हुसैन के प्रति अटूट श्रद्धा हो गयी। बाद में जब राजा राहिब दत्त को पता चला कि करबला में हजरत इमाम हुसैन को उनके परिवार के 72 लोगों के साथ जालिम यजीद ने घेर लिया है। तो राजा राहिब दत्त अविलंब हिन्दू सैनिकों की अपनी सेना लेकर करबला के लिये प्रस्थान कर गये। परन्तु उनके करबला पहुँचने तक देर हो चुकी थी। हजरत इमाम हुसैन अपने साथियों के साथ शहीद किये जा चुके थे। इस घटना से अत्यंत दुखी व आहत राहिब दत्त ने यजीद से बदला लेने का फैसला किया। उन्होंने वहाँ के हुसैन समर्थक एक बहादुर योद्धा अमीर मुख़्तार को साथ लिया। जब उन्हें सूचना मिली कि यजीदी फौज लुटे हुये हुसैनी काफिले के साथ इमाम हुसैन का कटा हुआ सिर लेकर कूफा (इराकी शहर) की तरफ जा रही है। उस समय राहिब दत्त की सेना ने कड़ा संघर्ष कर इमाम हुसैन का सिर पुनः प्राप्त कर लिया। मोहयाल अथवा कश्मीरी ब्राह्मण, हजरत इमाम हुसैन से अपने इसी संबध के कारण स्वयं को आज भी बड़े गर्व से हुसैनी ब्राह्मण कहते हैं।

संयोग से पिछले दिनों मुझे भी इराक में कूफा स्थित उस ऐतिहासिक स्थान पर जाने का अवसर मिला जिसे मस्जिद-ए-हनाना के नाम से जाना जाता है। यह वही जगह है जहां इमाम हुसैन की शहादत के बाद उनका कटा सिर करबला से यजीद के दरबार (दमिश्क, सीरिया) ले जाया जा रहा था.उसी समय नजफ के करीब इसी जगह पर इमाम हुसैन का कटा हुआ पवित्र सिर रखा गया था। आज यह मस्जिद सभी धर्मों के लोगों के लिये एक पवित्र तीर्थस्थल है, क्योंकि यह करबला की मार्मिक घटना की याद दिलाती है।यहाँ प्रतिदिन विभिन्न धर्मों व देशों के लाखों तीर्थ यात्री आते हैं श्रद्धापूर्वक अपना शीश नवाते व प्रार्थनाएं करते हैं।

इसी तरह सिख धर्म में भी इमाम हुसैन के बलिदान को पूरा सम्मान दिया जाता है। कई सिख इतिहासकारों और विद्वानों ने करबला की घटना को सिख धर्म के सिद्धांतों से मेल खाने वाली सत्य और न्याय के लिए लड़ी गयी लड़ाई के रूप में वर्णित किया है। इसीलिये पंजाब में कुछ गुरुद्वारों में मोहर्रम के दौरान इमाम हुसैन की याद में विशेष आयोजन किए जाते हैं। इसी तरह विशेष रूप से मध्य पूर्व और भारत में कुछ ईसाई समुदाय के लोग भी इमाम हुसैन की शहादत को एक सार्वभौमिक बलिदान के रूप में देखते हैं। लेबनान जैसे देश में, जहाँ विभिन्न धर्मों के लोग एक साथ रहते हैं यहां ईसाई समुदाय के लोग भी आशूरा के आयोजनों में शामिल होते हैं और इमाम हुसैन के बलिदान को पूरा सम्मान देते हैं। इतना ही नहीं बल्कि भारत में पारसी और जैन समुदाय के कुछ लोग भी मोहर्रम के दौरान इमाम हुसैन के बलिदान को याद करते हैं। पंजाब के होशियारपुर में सूफी राज जैन नामक एक हुसैनी भक्त ने तो अपनी कीमती जमीन बेचकर इमामबाड़ा निर्मित कराया है। और उनका पूरा परिवार हुसैन की याद में यहाँ मजलिस मातम जुलूस व ताजियादारी सब कुछ पूरी श्रद्धा से करता है। वास्तव में इमाम हुसैन की शहादत एक ऐसी घटना है जिसे धार्मिक संकीर्ण सीमाओं से ऊपर उठकर मानवता, सत्य, और न्याय के लिए उनके बलिदान के रूप में पूरी दुनिया में स्वीकार किया जाता है। दास्तान -ए-करबला को कई गैर-मुस्लिम लेखकों, कवियों और विचारकों ने अपनी रचनाओं में स्थान दिया है।

चातुर्मास है अध्यात्म की फसल उगाने का अवसर

डॉ. योगभूषण महाराज

सृष्टि का चक्र अनवरत गतिशील है-गर्मी, वर्षा और शीत ऋतु इसका पर्याय हैं। इन्हीं ऋतुओं में से एक वर्षा ऋतु-न केवल पर्यावरणीय दृष्टि से, बल्कि आध्यात्मिक और धार्मिक जगत के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। जैन धर्म में इस अवधि को चातुर्मास या वषायोग कहा जाता है, जैन परम्परा में आषाढ़ी पूर्णिमा से कार्तिक पूर्णिमा तक का समय तथा वैदिक परम्परा में आषाढ़ से आसोज तक का समय चातुर्मास कहलाता है। इस दौरान दिगम्बर और श्वेताम्बर दोनों परंपराओं के मुनि स्थिर एक ही स्थान पर विराजमान रहते हैं। यह नियम प्राकृतिक कारणों से भी जुड़ा है-जैसे वर्षा ऋतु में जीव-जंतु अधिक उत्पन्न होते हैं, जिससे भ्रमण करने से अहिंसा का उल्लंघन हो सकता है। वास्तव में आज के व्यस्त, तनाव एवं हिंसाग्रस्त और भौतिकतावादी युग में चातुर्मास हमें आत्ममूल्यांकन और आंतरिक शांति की प्रेरणा देता है। यह समय पर्यावरणीय संतुलन, नैतिक जीवनशैली और आध्यात्मिक चिंतन की ओर समाज को मोड़ने में सक्षम है। यदि युवा वर्ग इसे आत्मसात करे, तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन आ सकता है। वास्तव में पुराने समय में वषार्काल पूरे समाज के लिए विश्राम काल बन जाता था किन्तु संन्यासियों, श्रावकों, भिक्षुओं आदि के संगठित संप्रदायों ने इसे साधना काल के रूप में विकसित किया। इसलिए वे निर्धारित नियमानुसार एक निश्चित तिथि को अपना वषार्वास या चातुर्मास शुरू करते थे और उसी तरह एक निश्चित तिथि को उसे समाप्त करते थे। धन-धान्य की अभिवृद्धि के कारण उपलब्धियों भरा यह समय स्वयं से स्वयं के साक्षात्कार, आत्म-वैभव को पाने एवं अध्यात्म की फसल उगाने की दृष्टि से भी सर्वोत्तम माना गया है। इसका एक कारण यह है कि निरंतर पदयात्रा करने वाले जैन साधु-संत भी इस समय एक जगह स्थिर प्रवास करते हैं। उनकी प्रेरणा से धर्म जागरणा में वृद्धि होती है। जन-जन को सुखी, शांत और पवित्र जीवन की कला का प्रशिक्षण मिलता है। गृहस्थ को उनके सान्निध्य में आत्म उपासना का भी अपूर्व अवसर उपलब्ध होता है। जैन धर्म एक अत्यंत अनुशासित और तपोमयी परंपरा है, जिसमें आत्मशुद्धि, अहिंसा, संयम और साधना को सर्वोपरि माना गया है। वर्षभर की विविध धार्मिक गतिविधियों में चातुर्मास का विशेष स्थान है। यह समय आत्मनिरीक्षण, तप, स्वाध्याय और उपवास जैसी साधनाओं का काल है, जिसमें श्रावक और साधु-साध्वियाँ दोनों ही अपनी आध्यात्मिक उन्नति की ओर अग्रसर होते हैं। श्रावक इस दौरान अधिक समय धर्म, पूजन, व्रत, स्वाध्याय और दान में लगाते हैं। यह आत्म-निरीक्षण और जीवन शैली को बदलने का काल बन जाता है। चातुर्मास में पर्युषण पर्व, दशलक्षण पर्व, अनंत चतुर्दशी जैसे पर्व आते हैं जो धर्म की गहराई को समझने का अवसर प्रदान करते हैं। इस समय एकासन, उपवास, अनेक तरह के त्याग जैसे अनेक व्रतों का पालन किया जाता है। इससे आत्मिक बल और संयम में वृद्धि होती है। चातुर्मास में मुनियों के प्रवचनों के माध्यम से धर्म ग्रंथों की गूढ़ व्याख्या होती है, जिससे श्रद्धालु ज्ञान और विवेक के पथ पर आगे बढ़ते हैं। संयमित जीवन और वैराग्य की भावना इस काल में जागृत होती है, जिससे सांसारिक मोह कम होता है। जैन चातुर्मास केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि आत्मिक उत्कर्ष की एक सुंदर प्रक्रिया है। यह काल हमें भीतर झाँकने, अपनी त्रुटियों को पहचानने और एक संतुलित, अहिंसात्मक जीवन की ओर बढ़ने का अवसर देता है। साधना और संयम की यह अनूठी परंपरा न केवल जैन समाज को बल्कि सम्पूर्ण मानवता को आध्यात्मिक दिशा देने की सामर्थ्य रखती है। चातुर्मास धार्मिक संस्कृति की आत्मा है। यह काल समाज को एक साथ जोड़ता है-सामूहिक साधना, संयम और सेवा की भावना को पोषित करता है। संतों की सेवा, रोगी-वृद्ध मुनियों की देखभाल, आहार-विहार की व्यवस्था, सत्संग और स्वाध्याय में सहयोग देना-ये सभी कार्य श्रावकों के लिए धर्म का अंग बन जाते हैं। चातुर्मास न केवल तपस्वियों के जीवन का अमृतकाल है, अपितु पूरे समाज के लिए जागृति और नवचेतना का समय है। यह चार महीने धर्म के बीज को बोने, सेवा का जल सींचने, संयम की धूप में तपाने और श्रद्धा के वृक्ष को विकसित करने का सर्वोत्तम काल है। जब मन, वचन और काया तीनों पवित्र हों-तभी चातुर्मास सफल होता है। अपेक्षा है कि सभी संकल्प करें- इस चातुर्मास को केवल परंपरा के निर्वाह के रूप में नहीं, बल्कि आत्मिक विकास और सामाजिक समर्पण के माध्यम के रूप में अपनाएं। हिन्दू धर्म में देवशयनी एकादशी से ही चातुर्मास की शुरूआत होती है जो कार्तिक के देव प्रबोधिनी एकादशी तक चलती है, इस समय में श्री हरि विष्णु योगनिद्रा में लीन रहते हैं इसलिए किसी भी शुभ कार्य को करने की मनाही होती है। इसी अवधि में ही आषाढ़ के महीने में भगवान विष्णु ने वामन रूप में अवतार लिया था और राजा बलि से तीन पग में सारी सृष्टी दान में ले ली थी। उन्होंने राजा बलि को उसके पाताल लोक की रक्षा करने का वचन दिया था। फलस्वरूप श्री हरि अपने समस्त स्वरूपों से राजा बलि के राज्य की पहरेदारी करते हैं।

दैनिक पंचांग

7 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

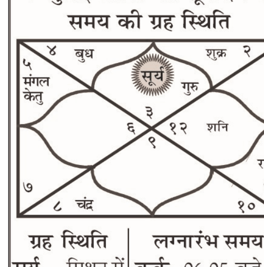

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.05 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	सिंह	08.21 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	10.33 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	12.44 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	14.59 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	17.15 बजे से
शनि	मीन में	मकर	19.20 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	21.06 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	22.39 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		मेष	00.10 बजे से
		वृष	01.50 बजे से
		मिथुन	03.48 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 188 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल
पक्ष कृष्ण **तिथि** द्वादशी 23.11 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** अनुराधा 01.12 बजे रात्र को समाप्त। **योग** शुभ 22.03 बजे को समाप्त। **करण** बव 10.16 बजे तदनन्तर बालव 23.11 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 11.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 22° 35'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872398
जूलियन दिन 2460863.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना मोहर्रम
तारीख 11
विशेष देवशयनी एकादशी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

यूनियन बैंक के पास मुख्य सड़क पर जानलेवा गड्ढा, राहगीरों को हो रही परेशानी

मुरी : रांची पुरुलिया मुख्य सड़क पर यूनियन बैंक मुरी के पास सड़क पर गड्ढा हो जाने से राहगीरों को चलने में काफी परेशानी उठाना पड़ रहा है। बताते चलें कि रांची से बंगाल के पुरूलिया जिले को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण सड़क है। यह गड्ढा सड़क के तीन मुहाने पर बना हुआ है। इसी रास्ते से रोजाना तकरीबन हजारों लोग आना-जाना करते हैं। हिंडाल्को इंडस्ट्रीज जाने का भी एकमात्र मुख्य रास्ता है। इसी सड़क के किनारे यूनियन बैंक की शाखा स्थित है जहां प्रतिदिन लोगों का आना-जाना लगा रहता है। झारखंड सीमा पर पश्चिम बंगाल के सटे इलाकों के लोगों के लिए मुरी जंक्शन जाने का एकमात्र सड़क है।

आकाशीय बिजली गिरने से तीन युवक गंभीर, एक की मौत

चतरा : आकाशीय बिजली गिरने से टंडवा के तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गये। इनमें टंडवा ग्वाल टोली निवासी महावीर पासवान के 25 वर्षीय पुत्र जीतेन्द्र पासवान, धर्मवीर क्लब निवासी राजकुमार राही के पुत्र राहुल कुमार पासवान तथा ललित पासवान के पुत्र सोनु पासवान का नाम शामिल है। महावीर पासवान के पुत्र जीतेन्द्र पासवान की मौत ईलाज के लिए जाने के क्रम में हो गई। बताया गया कि रविवार को अचानक बारिश के बीच आकाशीय बिजली गिरने से तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों के मदद से घायलों का टंडवा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया।

खदान हादसा : चाल धंसने से मारे गए चार मजदूरों के परिजनों को मिलेगा 8 लाख का मुआवजा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : झारखंड के रामगढ़ जिले के कुजू ओपी क्षेत्र अंतर्गत करमा परियोजना में अवैध खनन के दौरान शनिवार सुबह चाल धंसने से चार लोगों की मौत को लेकर जबरदस्त हंगामा हुआ। ग्रामीण की ओर से मुआवजे की मांग की गई। आखिरकार ग्रामीणों की मांगों के आगे सीसीएल प्रबंधन और जिला प्रशासन को झुकना पड़ा और मुआवजा देने के लिए तैयार हुआ। यह वार्ता आधी रात के बाद तक चली। शनिवार की रात करीब दो बजे प्रबंधन, प्रशासन और राजनीतिक दलों के बीच हुई वार्ता चली। इसके बाद मृतक के परिजनों और ग्रामीणों ने अपना आंदोलन समाप्त कर दिया गया। इसमें मजदूरों के परिजों को कुल 8 लाख रुपये की मुआवजे पर बात बनी है। जिसमें हर मृतक के परिजन को सीसीएल प्रबंधन 1.70 लाख प्रति व्यक्ति रुपये देगी। जबकि जिला प्रशासन 30 हजार रुपये प्रति व्यक्ति देगा। इस तरह से कुल 8 लाख रुपये की मुआवजा पर सहमति बनी। इसके अलावा मृतकों के परिजनों को एक एक सदस्य को आउटसोर्सिंग के जरिए काम देने की भी सहमति बनी है। इस सफल वार्ता के बाद परिजनों ने वहां से शवों को उठाकर अपने आंदोलन को समाप्त कर दिया। खदान में मरने वाले चार मजदूरों की पहचान मो. इम्तियाज, रामेश्वर मांझी, वकील करमाली और निर्मल मुंडा के रूप में हुई है।

सहमति पत्र पर मृतक के परिजनों और सीसीएल प्रबंधन ने किए हस्ताक्षर-

राजनीतिक दल, सीसीएल प्रबंधन और जिला प्रशासन के बीच चली त्रिपक्षीय वार्ता में मुआवजे की रकम तय होने के बाद आंदोलन खत्म हो गया। इस समझौते पत्र पर मृतक के परिजनों की ओर से गुलशन करमाली, बुधन मांझी, मो. मुमताज और विजय करमाली ने हस्ताक्षर किए। इसके अलावा सीसीएल की ओर से प्रबंधक कार्मिक अविनाश कुमार श्रीवास्तव, संजय कुमार सिंह, करमा परियोजना पदाधिकारी रामेश्वर मुंडा ने दस्तखत किए।

क्या था मामला

करमा के महुआतुंगड़ी के ग्रामीण शनिवार की तड़के सुबह सीसीएल के लीज एरिया करमा परियोजना में कोयला चोरी करने पहुंचे थे। इसी दौरान अवैध खनन करते समय कोयला का एक बड़ा हिस्सा धंस गया। इसमें चार लोग दब गए, जिससे उनकी मौत हो गई। सीसीएल के अधिकारियों ने अपनी गलती को छिपाने के जल्दबाजी पेलोडर लगाकर शव हटाने का प्रयास किया। इसको लेकर ग्रामीणों ने विरोध किया और मुआवजे की मांग को लेकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। इसके बाद विभिन्न राजनीतिक पार्टियों के साथ परिजनों ने शव को पीओ कार्यालय के समक्ष रखकर परिजन और ग्रामीण आधी रात के बाद तक मुआवजे की मांग को लेकर अड़े हुए थे।

जेवर और बर्तन दुकान में चोरों ने की सेंधमारी, सीसीटीवी में महिला चोर कैद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिम सिंहभूम : चक्रधरपुर शहर में इन दिनों चोरी की घटनाओं से व्यवसायियों में दहशत का माहौल है। शनिवार की रात गुदड़ी बाजार स्थित एक जेवर और बर्तन की दुकान का छप्पर तोड़कर चोर अंदर घुसे और कीमती जेवरात सहित अन्य सामान पर हाथ साफ कर गए। रविवार सुबह जब दुकानदार अपनी दुकान खोलने पहुंचे, तो देखा कि दुकान के अंदर का सामान बिखरा पड़ा था और एस्बेस्टस की छत टूटी हुई थी। घटना की सूचना मिलते ही चक्रधरपुर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार, दुकान के मालिक एवं पूर्व वार्ड पार्षद राजू कसेरा और नरेश जेवर शनिवार की शाम दुकान बंद कर घर लौट गए थे। रात में अज्ञात चोर छत का एस्बेस्टस तोड़कर दुकान में दाखिल हुए और चोरी की घटना को अंजाम दिया। बताते चलें कि इससे पूर्व रेलवे क्षेत्र के इतवारी बाजार में भी इसी तरह की चोरी हो चुकी है। फिलहाल दुकान से चोरी हुए जेवरात और सामान का आकलन किया जा रहा है। घटना की पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

एसबीयू में मनी श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : सरला बिरला विश्वविद्यालय में आज डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती मनायी गयी। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में एसबीयू के माननीय महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक ने डॉ. मुखर्जी के जीवन, देश के प्रति उनके योगदान और उनके कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उनकी शैक्षणिक विद्वता, जनसेवा के प्रति समर्पण एवं राष्ट्र की विभिन्न समस्याओं के प्रति दूरदर्शिता की भी उन्होंने चर्चा की। हिंदू महासभा से उनके जुड़ाव एवं भारतीय राजनीति में उनके योगदान पर भी उन्होंने प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाने की वकालत कर और इसके लिए वृहत आंदोलन कर डॉ. मुखर्जी ने राष्ट्र की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण रखने का महती प्रयास किया था। कार्यक्रम में एसबीयू के माननीय कुलपति प्रो सी जगनाथन के अलावा विभिन्न शिक्षकों और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने डॉ. मुखर्जी के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। एसबीयू के माननीय प्रतिकुलाधिपति श्री बिजय कुमार दलान एवं माननीय राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्म जयंती के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि दी है।

संक्षिप्त खबरें

एक्यूप्रेशर शाखा टाटी सिलवे के शाखा के द्वारा पूर्व सैनिकों को सम्मिलित करने का निर्णय

अनगड़ा : एक्यूप्रेशर परिषद झारखंड शाखा टाटीसिलवे रांची झारखंड द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम एक कदम नेचर की ओर मैं भूतपूर्व सैनिकों के जवानों को सम्मिलित करने का निर्णय एक्यूप्रेशर परिषद के द्वारा लिया गया जिसकी अध्यक्षता सेना के जवान अजय विश्वकर्मा के द्वारा किया जाएगा साथ ही साथ झारखंड के 24 जिला में एक्यूप्रेशर सेवा केंद्र एक्यूप्रेशर नेचुर पेथी प्रशिक्षण एवं चिकित्सा केंद्र का स्थापना किया जाएगा इस अवसर पर एक्यूप्रेशर परिषद झारखंड शाखा के सचिव डॉ मधुसूदन पांडे एवं अजय विश्वकर्मा द्वारा अभियान की शुरूआत एक्यूप्रेशर परिषद झारखंड शाखा कार्यालय में की गई इस अवसर पर डॉक्टर पांडे ने कहा कि जब तक हम नेचर से ना जुड़े तब तक बीमारियों से छुटकारा नहीं मिलेगा आधुनिक चिकित्सा पद्धति हमें दवा का गुलाम बनती जा रही है हमारे पूर्व धरोहर महापुरुषों ऋषियों के द्वारा शोध की गई एक्यूप्रेशर नेचुरल पेथ ही एक साधन है जिसके द्वारा हम सुनहरे कल का कल्पना कर सकते हैं इस अवसर पर डॉक्टर बलराम महतो डॉ नरेश महतो डॉ महेश प्रजापति डॉक्टर ललिता कुमारी दो रुकमणी कुमारी डॉ सरस्वती कुमारी सहित एक्यूप्रेशर योग और नेचुरल पेथ दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे कार्यक्रम का संचालन सुरेंद्र ठाकुर के द्वारा किया गया।

सरिया में मुहर्रम का पर्व शांतिपूर्ण संपन्न

सरिया : सरिया प्रखंड क्षेत्र में मुहर्रम का पर्व शांतिपूर्ण संपन्न हुआ। त्योहार को लेकर सरिया प्रखंड क्षेत्र के तमाम मुस्लिम धर्मावलंबी दोपहर को इमामबाड़ा पहुंचे। जहां आकर्षक ढंग से सजाए गए ताजियों को उठाकर जुलूस की शक्ल में रैन टांड़ पहुंचे। ताजिया मिलन हुआ .इस बीच नारे तकबीर,अल्लाह हू अकबर आदि के नारे लगाए गए गए .लाठी डंडे का करतब दिखाया गया। साथ ही ताजिए को वापस इमामबाड़ा लाए। वहीं मुहर्रम को लेकर प्रतिवर्ष की तरह केसवारी, मोकामो,चीरूवां आदि जगहों पर मेले का आयोजन किया गया। ग्रामीण क्षेत्र के लोगों ने मेले का जमकर आनंद उठाया। सरिया प्रखंड क्षेत्र के उर्रो,नावाडीह, पचंबा, केश्वारी, खेरोन, कोल्हारिया, चीरूवां, पुरनीडीह,मोकामो, कोयरीडीह,खेशकरी,अमनारी आदि जगहों पर ताजिया निकाला गया। त्योहार को लेकर प्रशासन का भी मुस्तैद थी। जगह-जगह पुलिस मित्र भी सहयोग के लिए लगाए गए थे। जगह-जगह दंडाधिकारी तथा पुलिस प्रशासन की पेट्रोलिंग होते रही।

उत्तर प्रदेश

'प्लांटेशन डे' पर प्रसाद कुंवर पब्लिक स्कूल दुद्धी में पेंटिंग कला प्रदर्शन के बीच रोपे गए पौधे

संवाददाता

सोनभद्र। दुद्धी सोनभद्र विकासखंड अंतर्गत सन 1950 में भारत द्वारा प्रारंभ ३प्लांटेशन डे३ जिसे वृक्षारोपण दिवस भी कहा जाता है जो जुलाई के प्रथम सप्ताह में मनाया जाता हैं के अवसर पर प्रसाद कुंवर पब्लिक स्कूल दुद्धी में छात्र-छात्राओं द्वारा प्रेरक मनमोहक पेंटिंग कला का प्रदर्शन कर विद्यालय के पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। पेंटिंग कला का नगर पंचायत दुद्धी चेयरमैन कमलेश मोहन, विद्यालय के प्रबंधक डॉक्टर लवकुश प्रजापति , नगर पंचायत स्वच्छता मिशन ब्रांड एंबेसडर जितेन्द्र कुमार चन्द्रवंशी ने बारी-बारी से पेंटिंग कला कों देखा और मुक्त कंठ से प्रशंसा की। शिक्षार्थियों द्वारा वृक्षों की अंधाधुंध कटान व जल संरक्षण, ध्वनि, वायु प्रदूषण पर आधारित शानदार मनमोहक पेंटिंग कला का प्रदर्शन विद्यार्थियों द्वारा किया गया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि नगर पंचायत चेयरमैन कमलेश मोहन ने अपने संबोधन में कहा कि नगर पंचायत द्वारा नंदन उपवन में हजारों पौधे का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का कार्य किया गया आप सब भी पेड़ पौधे से मिलने वाले जीवन उपयोगी ऑक्सीजन के संरक्षण के लिए जंगलों की रक्षा व पौधा रोपण कर जीवन कों बचाने में मदद करें। विद्यालय के प्रबंधक डॉक्टर लवकुश प्रजापति ने शानदार पेंटिंग कला प्रदर्शनी की सराहना करते हुए जीवन में पर्यावरण के महत्व को समझाते हुए स्वयं द्वारा कई बीघे में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का कार्य किया जिसके परिणाम स्वरूप आज हजारों पौधे वृक्ष के रूप में खडे हैं हमसभी कों भी पौधारोपण करना चाहिए।नगर पंचायत स्वच्छता मिशन ब्रांड एंबेसडर जितेन्द्र कुमार चन्द्रवंशी ने वृक्षारोपण दिवस पर विद्यालय द्वारा प्रथम आयोजन पर सराहनीय पेंटिंग कला व छायादार एवं फलदार पौधारोपण का आयोजक की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए प्रत्येक छात्र-छात्राओं को अपने घर के आस पास व अपने व सार्वजनिक सुरक्षित स्थानों पर पौधा रोपण करने का अपील किया। कहीं सूखा, कहीं अकाल,कहीं घटना जलस्तर, कहीं बाढ़,तो कहीं ग्लोबल वार्मिंग से टूटते ग्लेशियर आदि के बारे में प्रकाश डालते हुए पर्यावरण संरक्षण का जीवन में संकल्पित होकर उतारने का आह्वाहन किया। विद्यालय परिसर में मुख्य अतिथि चेयरमैन,विद्यालय के प्रबंधक,स्वच्छता मिशन ब्रांड एंबेसडर आदि द्वारा विद्यालय परिसर में छायादार एवं फलदार पौधारोपण किया गया।आगंतुक अतिथियों का आभार वन्दन विद्यालय के प्रिंसिपल रेशमा शुब्बा द्वारा किया गया। इस मौके पर अशोक कुमार कनौजिया, मुहम्मद जावेद, अभिषेक कुमार, सुप्रिया पांडेय, यशस्वी कपूर,बलवंत यादव, सुप्रिया गुप्ता, सेबेस्टिन शुब्बा, सुशांत क्षेत्री, रिचा गुरुंग, तरन्नुम खान,मोनिका अध्यापक परिवार सहित हेमंत कुमार सैकड़ो शिक्षार्थी मौके पर मौजूद रहे।

बौद्ध धर्मगुरु परम पूज्य दलाई लामा की 90वीं जयंती मनाई गई

संवाददाता

कुशीनगर। बौद्ध धर्मगुरु परम पूज्य दलाई लामा की 90 वीं जयंती पर बुद्ध स्थली स्थित तिब्बती मंदिर में हर्षोल्लास पूर्वक मनाई गई। रविवार की सुबह भिक्षु संघ कुशीनगर द्वारा मुख्य महापरिनिर्वाण मंदिर में बुद्ध वंदना के साथ पूजन अर्चन कर चीवर चढ़ाया गया और बौद्ध धर्मगुरु के सुखद एवं दीघार्यु जीवन की कामना की गई। इसके पश्चात तिब्बती मंदिर में आयोजित विशेष पूजन में मुख्य अतिथि कुशीनगर के पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी शामिल हुए। तिब्बती मंदिर के प्रमुख भंते कंचुक लामा ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। भिक्षु संघ कुशीनगर के अध्यक्ष एबी ज्ञानेश्वर, भंते डॉ नन्द रतन महा थेरो, भिक्षु महेंद्र, थाई भंते पी पवीन, भिक्षु अशोक, भिक्षु विमल कीर्ति, भिक्षु विनय कीर्ति, भिक्षु यशपाल, भिक्षु उपाली, भंते बोधयांग गौतम आदि भिक्षुओं सहित सभासद केशव सिंह, ओमप्रकाश कुशवाहा, विवेक कुमार गोंड, मुखलाल सिंह, मनोज प्रजापति, अजय सिंह, बिट्टू, चंद्र प्रकाश शर्मा उर्फ भोलू, मोहित बर्द्धन, अभिषेक गोंड आदि ने बधाई दी और केक काटकर उनके दीघार्यु जीवन की कामना की।

ग्राम पंचायत कुड़वा में प्रधानमंत्री आवास की आश में निराश्रित महिला की मौत

नहीं हो रही है कोई सुनवाई, क्षुब्ध लोगों ने किया जोरदार प्रदर्शन

कोन /सोनभद्र। नव सृजित विकास खण्ड कोन के ग्राम पंचायत कुड़वा में वर्ष 22-23 प्रधानमंत्री आवास में जमकर धाँधली करने का मामला प्रकाश में आया था।जिसके क्रम में ग्राम पंचायत कुड़वा निवासिनी इसरावती देवी पति स्व. अरुण निराश्रित महिला का वर्ष 22-23 में प्रधानमंत्री आवास मिला था जिसे ग्राम पंचायत सदस्य/ जन प्रतिनिधि व संबंधित लोगों के द्वारा सरकारी धन का बंदरबाँट कर लिया गया। जिसके संबंध में लाभार्थी द्वारा पूर्व में खंड विकास कार्यालय कोन व थाना कोन को लिखित शिकायती पत्र सौंपकर संबंधित के खिलाफ कठोर कार्यवाही की मांग किया था और वहीं मुख्यमंत्री के शिकायत प्रकोष्ठ नंबर 1076 पर शिकायत दर्ज कराया है। जिसके क्रम में पूर्व में इसरावती देवी की अगुवाई में प्रधानमंत्री आवास घोटाले के क्रम में कुड़वा में जोरदार प्रदर्शन करते हुए संबंधित के खिलाफ कठोर कार्यवाही की मांग करते हुए तत्काल आवास की धनराशि दिलाने की मांग की गई थी । मिली जानकारी के अनुसार प्रभानमंत्री आवास की आस लगाये बैठी महिला कारर्रवाई होता न देख एक सप्ताह पूर्व इशरावति की हृदयगति रुकने से मौत हो गई। जिसके क्रम में आज तड़के मृतक महिला की पुत्री आरती कुमारी के नेतृत्व में प्रधानमन्त्री आवास की मांग व दोषी के खिलाफ कठोर कार्यवाही की मांग करते हुए जोरदार प्रदर्शन किया । जिसके क्रम में मृतक की अनाथ बच्ची आरती गोंड. ने वार्ड सदस्य के ऊपर आरोप लगाते हुए कही कि मेरी माँ इशरावती देवी के नाम वर्ष 22-23 में प्रधानमंत्री आवास आया था जो अब नहीं रहीं। जिसे वार्ड सदस्य व अन्य लोगों की मिली भगत से अलग अलग बैंकों से धोखाधड़ी कर धन निकाल लिया गया ।जिसके क्रम में मेरी माँ द्वारा प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, जिलाधिकारी समेत कई अधिकारियों को पत्र भेजकर अवगत कराया किन्तु आज तक आवास का लाभ नहीं मिल सका और वहीं पुनः जिलाधिकारी को पत्र भेजकर कार्रवाई की मांग किया है। प्रदर्शन करने वालों में मुख्य रूप से निर्मला देवी क्षेत्र पंचायत सदस्य, पार्वती, राजमति , विपती , देवराज, दयाशंकर, जितेन्द्र आदि रहे।अब देखना दिलचस्प होगा कि देश के प्रधान मंत्री व प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री के द्वारा किया गया वादा हर गरीब का होगा अपना छत कितना कारगर होगा। हृदय विदारक घटना के बाद क्या उक्त गरीब आदिवासी दलित/ स्व. निराश्रित महिला के अनाथ बच्चों को आवास की धनराशि या आवास मिल पायेगा या सरकारी फाईलों में दबकर रह जायेगा यह तो भविष्य के गर्भ में जरूर छिपा है।

संक्षिप्त डायरी

जमीन की नाप के लिये रिश्वत लेते राजस्व इंस्पैक्टर हुये निलंबित

संवाददाता

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर की सरीला तहसील में तैनात राजस्व इंस्पैक्टर मिथलेश कुमार जमीन की नाप करने के लिये पांच हजार रुपये रिश्वत लेते हुये वायरल। जबकि रिश्वत लेने की जानकारी मिलते ही तेज तर्रार जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने एक्शन मोड में आते हुये राजस्व इंस्पैक्टर के खिलाफ सख्त कार्यवाही किये जाने के दिये आदेश, आदेश के बाद राजस्व इंस्पैक्टर हुये निलंबित। वही सरीला कस्बे के पीड़ित किसान आदर्श कुमार ने बताया कि उसने अपनी जमीन की नाप किये जाने के लिये तहसील सरीला में प्रार्थना पत्र दिया था, लेकिन उसकी जमीन की नाप नहीं की गई। जिसके बाद उसने राजस्व इंस्पैक्टर मिथलेश कुमार से मिलकर अपनी जमीन की नाप करने का अनुरोध किया, लेकिन राजस्व इंस्पैक्टर ने नाप करने के लिये उस्से 20 हजार रुपये की मांग करदी, और रुपये न देने पर नाप करने से इंकार कर दिया, जिसके बाद मजबूर होकर पीड़ित किसान आदर्श कुमार ने राजस्व इंस्पैक्टर मिथलेश कुमार को रिश्वत के पांच हजार रुपये देते हुये चुपचाप वीडियो बना लिया, लेकिन पांच हजार रुपये लेने के बाद भी जब राजस्व इंस्पैक्टर ने उसकी जमीन की नाप नहीं की, तो उसने राजस्व इंस्पैक्टर का रिश्वत लेते हुये वीडियो वायरल कर दिया। वही एसडीएम सरीला बलराम गुप्ता ने इस मामले की जानकारी देते हुये बताया कि वायरल वीडियो की जानकारी मिलते ही जिलाधिकारी घनश्याम मीना के आदेश पर मामले की जांच नायब तहसीलदार जलालपुर से कराई गई। जांच में पाया गया कि आदर्श कुमार ने अपनी जमीन की जांच के लिये प्रार्थना पत्र दिया था। जिसकी पूर्व में जांच कराई गई थी, लेकिन जांच किसान के मनमाफिक न होने पर उसने राजस्व इंस्पैक्टर को दोबारा अपने मनमाफिक जांच के लिये रुपये दिये थे, जो वायरल वीडियो में नजर आ रहे हैं। लेकिन दोबारा भी किसान के हक में जांच न होने से नाराज होकर उसने राजस्व इंस्पैक्टर मिथलेश कुमार का रुपये देते वीडियो कर दिया वायरल।

आकाश एजुकेशनल सर्विसेज ने ईवाय को भेजा दूसरा कानूनी नोटिस

कॉर्पोरेट विवाद का मामला

नई दिल्ली।

आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) और वैश्विक कंसल्टिंग फर्म अर्न्स्ट एंड यंग (ईवाय) के बीच एक बड़ा कॉर्पोरेट विवाद खड़ा हो गया है। आकाश ने ईवाय पर पेशेवर आचार संहिता के उल्लंघन और हितों के टकराव का गंभीर आरोप लगाते हुए दूसरा कानूनी नोटिस भेजा है। आकाश का कहना है कि ईवाय एक ओर उनकी वित्तीय सलाहकार थी और दूसरी ओर उनके प्रतिद्वंदी एलेन के रियर इंस्टीटयूट के लिए भी एक्सक्लूसिव फाइनेंशियल एडवाइजर और ऑफिशियल रिजल्ट वैलिडेटर के तौर पर कार्य कर रही थी। आकाश के अनुसार यह प्रोफेशनल एथिक्स का सीधा उल्लंघन है, क्योंकि ईवाय 2021 से उनके और बायजूस की पेरेंट कंपनी थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड के विलय सहित कई वित्तीय मामलों में गहराई से जुड़ी हुई थी। कंपनी ने ईवाय पर टीएलपीएल की इनसॉल्वेंसी प्रक्रिया में रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल के रूप में पक्षपातपूर्ण भूमिका निभाने और बेंगलुरु एनसीएलटी में जानबूझकर आकाश के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का भी आरोप लगाया है। आकाश के एक अे धिकारी ने बताया कि

उन्होंने पहले ईवाय के अजय शाह को नोटिस भेजा था, और अब अन्य सीनियर पार्टनर्स को भी इसमें शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि कंपनी सिविल और आपराधिक कार्रवाई पर विचार कर रही है।

जून 2025 में ह्यूदै क्रेटा ने बेचीं 15,786 यूनिट्स

नई दिल्ली।

जून 2025 में ह्यूदै क्रेटा ने 15,786 यूनिट्स की बिक्री के साथ भारतीय बाजार में अपनी मजबूत पकड़ फिर साबित की है। 2015 में लॉन्च हुई क्रेटा ने अपने 10 साल पूरे करते हुए मिड-साइज एसयूवी सेगमेंट की पहचान ही बदल दी है। बाजार में इसकी लोकप्रियता इतनी गहरी है कि इस श्रेणी को लोग अब क्रेटा सेगमेंट कहने लगे हैं। ह्यूदै के मुताबिक, अब तक 12 लाख से ज्यादा भारतीय परिवार इसे अपना चुके हैं और जून 2025 के आंकड़े दिखाते हैं कि ग्राहक आज भी इसे उतना ही पसंद करते हैं। कंपनी ने इस उपलब्धि पर कहा कि क्रेटा सिर्फ एक कार नहीं बल्कि एक भावना है, जिसने ह्यूदै की भारत में सफलता की नींव रखी। क्रेटा को ह्यूदै ने हर वर्ग के ग्राहकों के लिए तैयार किया है। इसका 1.5-लीटर पेट्रोल इंजन 115 बीएचपी और 144 एनएम का टॉर्क देता है, वहीं 1.5-लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन 160 बीएचपी और 253 एनएम की ताकत के साथ आता है। डीजल विकल्प में 1.5-लीटर इंजन 116 बीएचपी और 250 एनएम का टॉर्क देता है। स्पोर्टी ड्राइव चाहने वालों के लिए क्रेटा एन लाइन भी पेश की गई है। ह्यूदै ने इसके इलेक्ट्रिक अवतार की भी शुरुआत कर दी है, जिसमें 42 केडब्ल्यूएच और 51.4 केडब्ल्यूएच के दो बैटरी पैक हैं जो क्रमशः 390 किमी और 473 किमी की अनुमानित रेंज देते हैं।

खाद्य तेल बाजार में हलचलः सरसों-सोया-मूंगफली के दाम बढ़े, पाम तेल स्थिर

बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 100 रुपए बढ़कर 6,925-6,975 प्रति क्विंटल पर बंद

नई दिल्ली।

बीते सप्ताह घरेलू तेल-तिलहन बाजार में सरसों, सोयाबीन, मूंगफली और बिनौला तेल के भाव में तेजी देखी गई, जबकि कच्चे पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन तेल के दाम पूर्ववत बने रहे। वै श्विक बाजार में खाने के तेलों की कीमतों में तेजी का असर भारत में सीमित रहा। बाजार सूत्रों के अनुसार सरसों की आवक कमजोर बनी हुई है, जबकि कच्ची घानी तेल मिलों की मांग तेज होती जा रही है। आगामी सरसों फसल आने में अभी समय है और मौजूदा स्टॉक सरकार व किसानों के पास है। सरकार द्वारा पूर्व में खरीदी गई फसल की बिक्री के लिए निविदा मंगाने से बाजार पर हल्का दबाव जरूर आया, फिर भी सरसों के दाम न्यूनतम समर्थन मूल्य से 6-7 फीसदी ऊपर बने हुए हैं। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 100 बढ़कर 6,925-6,975 प्रति क्विंटल पर बंद हुआ, जबकि दादरी सरसों तेल 175 की तेजी के साथ 14,875 रुपए प्रति क्विंटल पहुंचा। विदेशी बाजार में सोयाबीन की कीमत 1,130-1,135 डॉलर प्रति टन से बढ़कर 1,155-1,160 डॉलर हो गई, जिससे घरेलू बाजार में भी थोड़ी तेजी आई। हालांकि, सोयाबीन का हाजिर भाव न्यूनतम समर्थन मूल्य से करीब 15 फीसदी नीचे है, जिससे मंडियों में आवक कम हो रही है। आयातकों को भी लागत से नीचे भाव पर सोया डीगम तेल बेचना पड़ रहा है। सोयाबीन दाना 25 रुपए बढ़कर 4,375-4,425 और डीगम तेल 100 रुपए बढ़कर 9,700 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। मूंगफली का हाल भी कुछ ऐसा ही रहा। कमजोर थोक दाम और न्यूनतम समर्थन मूल्य से नीचे चलने के कारण किसान बिक्री से कतरा रहे हैं। हालांकि मांग में हल्की तेजी से मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में भी सुधार हुआ। मूंगफली तेल गुजरात 150 रुपए बढ़कर 13,700 और मूंगफली रिफाइंड 35 रुपए बढ़कर 2,230-2,530 रुपए प्रति टिन पर बंद हुआ। पाम और पामोलीन तेल की कीमतें समीक्षाधीन सप्ताह में स्थिर रहीं। पामतेल की मांग इसलिए प्रभावित रही क्योंकि इसकी कीमत सोयाबीन जैसे नरम तेलों के बराबर है। सीपीओ 10,650, पामोलीन दिल्ली 12,400 और एक्स कांडला 11,350 रुपए प्रति क्विंटल पर टिका रहा। बिनौला तेल की उपलब्धता कम रहने से इसके भाव में 150 की तेजी दर्ज की गई और यह 12,500 रुपए प्रति क्विंटल पर पहुंचा।

सेबी की बड़ी कार्रवाईः जेन स्ट्रीट के 4,844 करोड़ रुपए जब्त

भारतीय बाजार में ट्रेडिंग से प्रतिबंधित भी किया

नई दिल्ली।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अमेरिकी हाई-फ्रिक्वेंसी ट्रेडिंग फर्म जेन स्ट्रीट और उसकी सहयोगी कंपनियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए उन्हें भारतीय बाजार में ट्रेडिंग से प्रतिबंधित कर दिया है। सेबी के अनुसार इस फर्म ने बैंक निफ्टी इंडेक्स में हेराफेरी कर करीब 4,844 करोड़ रुपए का अनुचित लाभ कमाया। हाल ही में जारी 105 पन्नों के अंतरिम आदेश में इस राशि की जब्ती का निर्देश दिया गया है, जो सेबी के इतिहास की अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। सेबी चेयरमैन ने कहा कि शेयर बाजार में किसी भी तरह की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और निगरानी व्यवस्था को पहले से ज्यादा मजबूत किया गया है। एक्सचेंज और सेबी दोनों स्तरों पर निगरानी टीमों की संख्या बढ़ाई गई है ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। सेबी की जांच में खुलासा हुआ है कि जेन स्ट्रीट ने भारत में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक नियमों से बचने के लिए कई संस्थाएं बनाई थीं। वर्तमान आदेश केवल 18 दिनों की बैंक निफ्टी ट्रेडिंग और तीन एक्सपायरी दिनों की गतिविधियों पर आधारित है। अब सेबी अन्य एक्सपायरी दिनों और इंडेक्स जैसे निफ्टी

50 व बीएसई सेंसेक्स में भी संभावित गड़बड़ी की जांच कर रही है।

सुजलॉन एनर्जी को पुनर्गठन योजना पर राहत, मिली मंजूरी

सोमवार को स्टॉक में दिख सकता है एक्शन

नई दिल्ली।

सुजलॉन एनर्जी लिमिटेड को अपनी पुनर्गठन योजना के तहत एक बड़ी राहत मिली है। कंपनी ने हाल ही में शेयर बाजारों को सूचित किया कि उसे नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) से कोई आपत्ति न होने का पत्र प्राप्त हुआ है। यह स्वीकृति कंपनी द्वारा मई 2023 में प्रस्तावित और अगस्त 2024 में शेयरधारकों तथा कर्जदाताओं से अनुमोदित पुनर्गठन योजना से जुड़ी है। इस योजना के तहत सुझलॉन एनर्जी अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी सुझलॉन ग्लोबल सर्विसेज लिमिटेड का विलय अपने आप में करने जा रही है। इस विलय का उद्देश्य कंपनी के कॉर्पोरेट ढांचे को सरल और अधिक प्रभावी बनाना है। कंपनी का कहना है कि इससे संचालन अधिक दक्ष और लागत प्रभावी होगा। स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा जारी ऑब्जर्वेशन लेटर में कंपनी को निर्देश दिए गए हैं कि वह स्कीम ऑफ अरेंजमेंट को सेबी के सभी नियमों के अनुरूप सुनिश्चित करे। साथ ही कंपनी को किसी भी लंबित अदालती, वसूली या अभियोजन मामलों की पूरी

जानकारी का खुलासा करना होगा। लेटर में यह भी कहा गया है कि ड्राफ्ट स्कीम में कोई बदलाव नियामकीय मंजूरी के बिना नहीं किया जा सकता। अब यह योजना राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण की अंतिम मंजूरी के लिए प्रस्तुत की जाएगी। इस खबर के बाद शुक्रवार को कंपनी के शेयर 0.6 फीसदी बढ़कर 65.65 पर बंद हुए। निवेशकों को उम्मीद है कि यह पुनर्गठन कंपनी की दीर्घकालिक विकास रणनीति को मजबूती देगा।

हिंदुस्तान कॉपर मध्यप्रदेश में 400 करोड़ के निवेश से कन्सन्ट्रेटर संयंत्र लगाएगी

मलांजखंड।

हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड (एचसीएल) अगले दो-तीन वर्षों में मध्य प्रदेश के मलांजखंड में 30 लाख टन वार्षिक क्षमता वाला नया कन्सन्ट्रेटर संयंत्र स्थापित करने की योजना बना रही है। इस परियोजना पर कंपनी लगभग 400 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। यह कदम कंपनी की अयस्क उत्पादन क्षमता को तिगुना करने की दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है। कंपनी के चेयरमैनने बताया कि सरकारी परामर्श कंपनी मेकॉन इस संयंत्र के लिए तकनीकी डिजाइन और निविदा दस्तावेज तैयार कर रही है। निर्माण कार्य की शुरुआत 2026 में होने की संभावना है, जिसे कंपनी अपने आंतरिक संसाधनों से वित्तपोषित करेगी। फिलहाल मलांजखंड में एचसीएल का 25 लाख टन सालाना क्षमता वाला कन्सन्ट्रेटर संयंत्र संचालित है। कन्सन्ट्रेटर संयंत्र खनिज अयस्क से अपशिष्ट को अलग कर मूल्यवान खनिजों का संकेंद्रित रूप तैयार करता है, जिसे आगे गलन या शोधन के लिए भेजा जाता है।

एलाइड इंजीनियरिंग ने आईपीओ के लिए दाखिल किए दस्तावेज

नए शेयरों की बिक्री से 400 करोड़ रु. जुटाने का इरादा

नई दिल्ली।

स्मार्ट बिजली उपकरण विनिर्माता एलाइड इंजीनियरिंग वर्क्स ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी करीब 400 करोड़ रुपए के नए शेयर जारी कर बाजार से पूंजी जुटाना चाहती है। इसके साथ ही एक प्रवर्तक की ओर से 75 लाख शेयरों की बिक्री पेशकश भी की जाएगी। जुटाई गई राशि का उपयोग कुंडली और राय स्थित विनिर्माण इकाइयों में स्मार्ट गैस, वॉटर और बिजली मीटर के उत्पादन पर किया जाएगा, जिसमें क्रमशः 116.75 करोड़ और 99.71 करोड़ खर्च होंगे। इसके अलावा कंपनी 120 करोड़ अपनी कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं पर खर्च करेगी। एलाइड इंजीनियरिंग वर्क्स आईपीओ से पहले के दौर में 80 करोड़ तक जुटाने पर भी विचार कर रही है, जिससे नए निर्गम का आकार कम हो सकता है।

भारत सरकार के अनुरोध पर की गई नीरव मोदी के भाई की गिरफ्तारी

करोड़ों की बैंक धोखाधड़ी का आरोप

वाशिंगटन।

अमेरिका में भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी के भाई नेहल मोदी को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह गिरफ्तारी 4 जुलाई को भारत सरकार के प्रत्यर्पण अनुरोध के आधार पर की गई। नेहल मोदी पर आरोप है कि उसने नीरव मोदी की पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) घोटाले में मदद की थी। यह घोटाला भारत के सबसे बड़े बैंकिंग घोटालों में से एक है, जिसमें करीब 13,000 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की गई थी। नेहल मोदी बेल्जियम का नागरिक है और अमेरिका में रह रहा था। भारत की जांच एजेंसियों प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने उसके खिलाफ सबूत जुटाए थे और उसे भारत लाने के लिए अमेरिका से औपचारिक रूप से प्रत्यर्पण की मांग की थी। अमेरिकी न्याय विभाग ने पुष्टि की है कि गिरफ्तारी भारत के अनुरोध के बाद की गई है। अब अमेरिका की अदालत में नेहल मोदी के प्रत्यर्पण को लेकर कानूनी प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। यदि अदालत भारत के पक्ष में फैसला देती है, तो नेहल को भारत लाया जाएगा, जहां उसे पूछताछ और मुकदमे का सामना करना पड़ेगा। उल्लेखनीय है कि नीरव मोदी पहले से ही ब्रिटेन की जेल में बंद है और उसके प्रत्यर्पण की प्रक्रिया भी अंतिम चरण में है। नेहल की गिरफ्तारी भारत की उन अंतरराष्ट्रीय कोशिशों का हिस्सा है, जिसके तहत भगोड़े आर्थिक अपराधियों को कानून के कटघरे में लाया जा रहा है। इस कदम को भारत की एक बड़ी सफलता माना जा रहा है।

सेंसेक्स की छह कंप नियों के मार्केट कैप में 70,325 करोड़ की गिरावट

एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक को सबसे अधिक नुकसान हुआ

मुंबई।

पिछले सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में कुल 70,325.5 करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गई। शेयर बाजार में कमजोरी के कारण एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक को सबसे अधिक नुकसान उठाना पड़ा।

टॉप 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), इन्फोसिस और हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड के बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी हुई। वहीं एचडीएफसी बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और बजाज फाइनेंस के बाजार मूल्य में गिरावट आई। एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्य 19,284.8 करोड़ रुपये घटकर 15,25,339.72 करोड़ रुपये रह गया। आईसीआईसीआई बैंक के बाजार मूल्य में 13,566.92 करोड़ रुपये की कमी आई, जो अब 10,29,470.57 करोड़ रुपये पर है। बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 13,236.44 करोड़ रुपये घटकर 5,74,977.11 करोड़ रुपये और एलआईसी का 10,246.49 करोड़ रुपये घटकर 5,95,277.16 करोड़ रुपये हो गया। टीसीएस का बाजार मूल्य 8,032.15 करोड़ रुपये घटकर 12,37,729.65 करोड़ रुपये पर पहुंचा।

भारती एयरटेल का मूल्यांकन भी 5,958.7 करोड़ रुपये घटकर 11,50,371.24 करोड़ रुपये रह

गया। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्य 15,359.36 करोड़ रुपये बढ़कर 20,66,949.87 करोड़ रुपये हो गया।

इन्फोसिस का मूल्यांकन 13,127.51 करोड़ रुपये बढ़कर 6,81,383.80 करोड़ रुपये पहुंचा। हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 7,906.37 करोड़ रुपये बढ़कर 5,49,757.36 करोड़ रुपये रहा। भारतीय स्टेट बैंक का मूल्यांकन 5,756.38 करोड़ रुपये बढ़कर 7,24,545.28 करोड़ रुपये हो गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज शीर्ष स्थान पर बरकरार रही, उसके बाद एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, एलआईसी, बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर की स्थिति बनी रही।

गुजरात में पीवीसी संयंत्र लगाएगा अदाणी समूह

पेट्रोरसायन क्षेत्र में रिलायंस के साथ प्रतिस्पर्धा की तैयारी

नई दिल्ली।

अदाणी समूह गुजरात के मुंद्रा में 10 लाख टन वार्षिक क्षमता वाला पीवीसी (पॉलीविनाइल क्लोराइड) संयंत्र लगाने जा रहा है। इस परियोजना के साथ अदाणी समूह पेट्रोरसायन क्षेत्र में कदम रखेगा, जहां फिलहाल रिलायंस इंडस्ट्रीज का दबदबा है। अनुमान है कि यह संयंत्र वित्त वर्ष 2027-28 तक चालू हो जाएगा। पीवीसी एक बहुउपयोगी प्लास्टिक पॉलिमर है, जिसका इस्तेमाल पाइप, खिड़की-फ्रेम, केबल इंसुलेशन, फ्लोरिंग और खिलौनों जैसे कई उत्पादों में होता है। भारत में पीवीसी की सालाना मांग लगभग 40 लाख टन है, जबकि घरेलू उत्पादन सिर्फ 15.9 लाख टन है। इसमें से लगभग आधी क्षमता रिलायंस इंडस्ट्रीज के पास है। सूत्रों के मुताबिक अदाणी की यह परियोजना एसिटिलीन और कैल्शियम कार्बाइड आधारित उत्पादन प्रक्रिया पर आधारित होगी। इसे पर्यावरणीय मंजूरी और सरकार की सहमति पहले ही मिल चुकी है। समूह भविष्य में इस संयंत्र की क्षमता को बढ़ाकर 20 लाख टन तक ले जाने की योजना बना रहा है। हिंडनबर्ग रिपोर्ट के चलते मार्च 2023 में रुकी यह परियोजना अब दोबारा शुरू हो चुकी है। अदाणी समूह ने 5 अरब डालर से अधिक की पूंजी जुटाई है और इस परियोजना को एसबीआई के नेतृत्व वाले बैंकिंग गठजोड़ से वित्तपोषित किया जा रहा है।

इलेक्ट्रिक एसयूवी हैरियर ईवी की बुकिंग प्रारंभ

नई दिल्ली।

स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स ने अपनी नई फ्लैगशिप इलेक्ट्रिक एसयूवी हैरियर ईवी की बुकिंग शुरू कर दी है। टाटा ने इसे ऑल व्हील ड्राइव और स्टील्थ एडिशन जैसे वेरिएंट में लॉन्च किया है। ग्राहक इसे 21,000 रुपये के टोकन अमाउंट पर बुक कर सकते हैं। इसकी शुरुआती कीमत 21.49 लाख रुपये रखी गई है। यह भारतीय बाजार में कंपनी की सबसे एडवांस और दमदार इलेक्ट्रिक एसयूवी मानी जा रही है। इसकी सबसे बड़ी खासियत इसकी 622 किमी की क्लेम्ड रेंज है। इसके अलावा इसमें डुअल मोटर ऑल-व्हील-ड्राइव सेटअप दिया गया है, जिसमें हर एक्सल पर एक इलेक्ट्रिक मोटर लगी है।

बूस्ट मोड में यह कार 0 से 100 किमी प्रति घंटा की रफ्तार सिर्फ 6.3 सेकंड में पकड़ सकती है। ऑफरोडिंग को ध्यान में रखते हुए इसमें 6 मल्टी-टेरेन मोड दिए गए हैं - नॉर्मल, मड रट्स, रॉक क्रॉल, सैंड, स्नो/ग्रास और कस्टम।

हैरियर ईवी में 540-डिग्री कैमरा फंक्शन दिया गया है जो 360-डिग्री व्यू के साथ-साथ गाड़ी के नीचे का हिस्सा भी दिखाता है।इसमें शार्क फिन एंटीना में कैमरा लगाया गया है जो डिजिटल आईआरवीएम पर रियर व्यू दिखाता है और डैशकैम की तरह रिकॉर्डिंग भी करता है।

इवेंट में हैरियर ईवी को पहाड़ी चढ़ाई, कीचड़ और पानी से भरे रास्तों से निकाला गया। इसे 1.5 टन के कंटेनर का भार भी सहन करते दिखाया गया। भारत एनकैप क्रैश टेस्ट में इसे 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग भी मिली है।

इस तरह टाटा हैरियर ईवी ने भारतीय बाजार में इलेक्ट्रिक एसयूवी सेगमेंट में नई स्टैंडर्ड सेट कर दी है। यह ट्रांसपेरेंट मोड में खासतौर पर ऑफरोडिंग और बड़े गड्ढों में बेहद काम आता है। टाटा ने इसमें 14.5 इंच का नया नियो क्यूलेड डिस्प्ले दिया है, जो अब तक की सबसे बड़ी स्क्रीन है।

ट्रांसरेल लाइटिंग को पावर ग्रिड के ठेकों में 10 फीसदी हिस्सेदारी की उम्मीद

नई दिल्ली।

ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन) क्षेत्र की प्रमुख कंपनी ट्रांसरेल लाइटिंग को चालू वित्त वर्ष 2025-26 में सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली पारेषण कंपनी पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पीजीसीआईएल) के ठेकों में 8 से 10 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी हासिल होने की उम्मीद है। यह जानकारी कंपनी के एक अ धिकारी ने दी। नारंग ने बताया कि वर्तमान में ट्रांसरेल की बाजार हिस्सेदारी लगभग 8-10 फीसदी है और कंपनी इस स्तर को बनाए रखते हुए पावर ग्रिड के बड़े निवेश योजनाओं का लाभ उठाना चाहती है। पावर ग्रिड ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 28,000 करोड़, 2026-27 के लिए 35,000 करोड़ और 2027-28 के लिए 45,000 करोड़ के पूंजीगत व्यय की घोषणा की है। 2024-25 में ट्रांसरेल ने 9,680 करोड़ के ऑर्डर हासिल किए, जो कि पिछले वर्ष की तुलना में 120 फीसदी की वार्षिक वृद्धि को दर्शाते हैं। अ धिकारी के अनुसार कंपनी के पास वर्ष की शुरुआत से ही मजबूत ऑर्डर बुक है और उसे अगले 24-30 महीनों के लिए राजस्व की स्पष्ट दृश्यता प्राप्त है।

डीप टेक स्टार्टअप्स को मिलेगा नया बूस्ट -गोयल

सरकार ने फंड ऑफ फंड्स में जोड़े 10 हजार करोड़

नई दिल्ली।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बेंगलुरु में घोषणा की कि सरकार ने डीप टेक रिसर्च और स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करने के लिए 'फंड ऑफ फंड्स' स्कीम के तहत 10,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि मंजूर की है। उन्होंने बताया कि पिछली बार बजट में दी गई इतनी ही राशि पहले ही उपयोग की जा चुकी है। नई फंडिंग का बड़ा हिस्सा डीप टेक क्षेत्र को समर्पित किया जाएगा, जिससे देश में नई तकनीकों के विकास और नवाचार को बल मिलेगा। गोयल ने बताया कि इस फंड के लिए दिशानिर्देश तैयार किए जा रहे हैं, जिससे स्टार्टअप्स को रिसर्च और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में स्पष्ट मार्गदर्शन मिलेगा। इसी के साथ, भारत के स्टार्टअप पॉलिसी फोरम ने एक नई पहल की शुरुआत की है।

अक्षय 'पैडमैन' बनाए तो ठीक, हम बांटे तो विवाद

महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा बोलीं: दिल्ली में हमने केजरीवाल से खुदको अलग किया, बिहार में बदलाव होकर रहेगा

पटना। विधानसभा चुनाव से पहले महिला कांग्रेस ने बिहार में 5 लाख महिलाओं को 25 लाख सैनिटरी पैड बांटने की घोषणा की है। वहीं अब पैड के बॉक्स पर राहुल गांधी की तस्वीर पर चर्चा शुरू हो गई। महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा ने कहा कि जब पैडमैन फिल्म अक्षय कुमार की थी, तब किसी ने इस पर विवाद नहीं किया। इस पर अक्षय कुमार फिल्म बनाए तो ठीक है, मगर राहुल गांधी की तस्वीर लगने से समस्या है। वही, अरविंद केजरीवाल के इंडिया से अलग चुनाव लड़ने पर उन्होंने कहा कि वह हमसे अलग नहीं हुए हैं, बल्कि दिल्ली के विधानसभा चुनाव में हमने उन्हें खुद से अलग कर दिया है। दिल्ली चुनाव में उन्हें अपनी सीट गंवानी पड़ी। अब कहीं ना कहीं धक्के खा रहे हैं और अपना भविष्य खोज रहे हैं। बिहार के भविष्य की उन्हें कोई चिंता नहीं है। जवाब- जो देश के मुद्दे हैं, वही बिहार के भी मुद्दे हैं। बढ़ती बेरोजगारी, महिलाओं की सुरक्षा एक बड़ा मुद्दा है।

इसमें भी बच्चियों का मुख्य मुद्दा है। पिछले महीने ही मुजफ्फरपुर की 10 साल की बच्ची के साथ रेप हुआ था। अभी सरेआम अपराधियों ने व्यापारी की हत्या कर दी है। बिहार में कानून व्यवस्था चरमराई हुई है। यहां ठऊअ की सरकार फेल हो गई है। लोग बहुत गुस्से में हैं और वह अब बदलाव चाहते हैं। बिहार में बदलाव होने से अब कोई नहीं रोक सकता। जवाब- बिहार के 5 लाख महिलाओं को 25 लाख पैड महिला कांग्रेस बांटेगी। इसके डिब्बे को लेकर

विवाद है कि फोटो राहुल गांधी की है, मगर इसमें तो प्रियंका गांधी की भी तस्वीर है। ऐसे में जो काम डबल इंजन की सरकार करने में फेल हो गई है, वह राहुल गांधी के नेतृत्व में महिला कांग्रेस ने कर दिखाया है। हम तो इस पैड को फ्री में दे रहे हैं। बेगूसराय और वैशाली जिले में महिलाओं को फ्री में सैनेटरी पैड बनाने की ट्रेनिंग दी गई, उन्हें फ्री में कच्चा माल दिया।

मुझे खुशी है कि बिहार की हमारी बहनें काम कर रही है, कमाई कर रही है। यह पैड बनाकर लाखों बहनों के भविष्य को अंधकार से मुक्ति दिला रही हैं, क्योंकि महिलाएं महावारी में कपड़ा इस्तेमाल कर बीमारी को आमंत्रण दे रही हैं। NCRB का डेटा कहता है कि आज भी बिहार में 100 में से 60 महिलाएं कपड़ा इस्तेमाल कर रही हैं और गंभीर बीमारी का शिकार हो रही हैं। इसके कारण का हमने सर्वे किया। हमने स्कूल की बच्चियों से पूछा कि क्या उनको स्कूल में फ्री पैड मिल रहा है ? उन्होंने ना कहा। फिर हमने कहा कि सरकार सालाना 300 पैड खरीदने के लिए पैसे देती है, तो उन्होंने कहा कि ऐसे कोई पैसे हमारे खाते में नहीं आते हैं और हम कपड़ा ही इस्तेमाल करते हैं। जवाब- यह अपमान तब विपक्ष को याद क्यों नहीं आता है जब आधुनिक भारत में बेटियां पैड की जगह कपड़ा इस्तेमाल करती हैं और गंभीर बीमारियों से ग्रसित होती है। वहीं अगर तस्वीर की ही बात है, तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भी पैड के ऐड में एक तस्वीर है, जिसमें 1 रुपए का पैड बेचने की बात की जा रही है। यह मुद्दे से भटकाने के लिए और अपनी नाकामी को छुपाने के लिए ऐसी बातें कर रहे हैं।

मैं यही कहूंगी कि अपनी सोच बदलिए। पैडमैन फिल्म अक्षय कुमार की थी, तब किसी ने इसपर विवाद क्यों नहीं किया। इसपर मूवी एक आदमी ने बनाया है। अक्षय कुमार बनाए तो ठीक है, मगर राहुल गांधी की तस्वीर लगने से समस्या है। हर जगह केमिस्ट की दुकान पर पुरुष ही पैड देते दिखाई पड़ते हैं। वही मैन्युफैक्चर भी करते हैं, मगर हम जब कहते हैं कि महिलाएं ही इसे बनाएंगी, महिलाएं कमाएंगी, महिलाएं देंगी और महिलाएं ही इसे इस्तेमाल करेंगी। महिलाओं का ही हर तरह से सशक्तिकरण होगा, तो महिला विरोधी ठऊअ खड़ा हो गया है। वह किसी भी तरह से इस योजना को रोकने की कोशिश कर रहे हैं। दरअसल यह पूरा आईडिया ही राहुल गांधी का है। राहुल गांधी चाहते हैं कि भारत की बहन-बेटियां पीरियड के समय कपड़ा मुक्त हो। उन्हें काम दें, कमाई दे ताकि वह अपने आप को सशक्त बना सके। यह हम सबकी जिम्मेदारी है, लेकिन ठऊअ की सरकार तो निकम्मी है। इसलिए महिला कांग्रेस ने यह जिम्मेदारी ली है। नहीं ऐसी कोई बात नहीं है। 2500 रुपए वाली योजना पर उनकी भी राय और हमारी भी राय एक ही है।

हमारी सरकार बनते ही हर महीने की पहली तारीख को हमारी बहन-बेटियों के खाते में 2500 रुपए आएगी। अभी यह काम हम कर रहे हैं फिर इंडिया एयरलाइंस की सरकार आ जाएगी तो वह मिलकर इसे करेगी। जो राहुल गांधी की सोच है वही तेजस्वी की सोच है। इंडिया गठबंधन में मिलकर सहमति हुई है कि हमें कर्नाटक, तेलंगाना सरकार की तर्ज पर बिहार में भी महिलाओं को सशक्त करना है। विवाद तो तब होता है जहां सहमति न हो। वह हमसे अलग नहीं हुए हैं, बल्कि दिल्ली के विधानसभा चुनाव में हमने उन्हें खुद से अलग कर दिया है। हमें मालूम था कि दिल्ली की जनता उन्हें नकारने वाली है। अरविंद केजरीवाल दिल्ली का चुनाव हारते हैं। उप मुख्यमंत्री रहे मनीष सिसोदिया ने अपनी सीट बदल ली मगर फिर भी चुनाव हार गए। इन सभी पर भ्रष्टाचार और शराब नीति के तहत आपराधिक मामले चल रहे हैं। उन्हें अपनी सीट गंवानी पड़ी। अब कहीं ना कहीं धक्के खा रहे हैं और अपना भविष्य खोज रहे हैं। बिहार के भविष्य की उन्हें कोई चिंता नहीं है। अपने भविष्य अपने पार्टी की चिंता में उनका मुखिया दर-दर की ठोकरे खा रहा है। कहां थे वह पिछले 5 साल से ?

बिहार के धरती पर उन्होंने कौन से आंदोलन किए हैं ? कब यहां आए, किसके साथ खड़े रहे ? अगर इनके साथ कोई खड़ा रहा है तो वह कांग्रेस नेता राहुल गांधी थे। हमेशा कुछ प्लस तो कुछ माइंस होता है। हमारा प्लस पॉइंट यह था कि हमने उतनी सीटें पाई। माइनस यह रहा कि हम जितनी सीटों पर जीत की उम्मीद कर रहे थे नंबर वैसे नहीं आए। पिछले 5 सालों में इस पर गहन मंथन हुआ है। इसे देखते हुए संगठन में जहां फेर बदल करने थे वह हुए भी हैं। इस चुनाव में यकीनन हमें उससे बेहतर रिजल्ट मिलेंगे।

संक्षिप्त डायरी

पटना में पहली बार सनातन महाकुंभ, प्रमुख मठों के संतों के साथ बागेश्वर धाम वाले बाबा भी आ रहे

पटना। भगवान परशुराम जन्म महोत्सव के समापन अवसर पर आज पटना के गांधी मैदान में पहली बार सनातन महाकुंभ की शुभारंभ हो चुका है। हनुमान चालीसा और परशुराम चालीसा की पाठ से कार्यक्रम की शुरूआत हो चुकी है। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और डिप्टी सीएम विजय सिन्हा भी कार्यक्रम में शामिल हुए हैं। भी इस कार्यक्रम में शामिल हो रहे हैं। वहीं जगतगुरु श्री स्वरूपानंदेन्द्र सरस्वती जी (विशाखा शारदा पीठ) पटना पहुंच चुके हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने खुद उनका स्वागत किया। खास बात यह है कि इस महाकुंभ में बागेश्वर धाम के धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के साथ-साथ देशभर के साधु-संत शामिल हो रहे हैं। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता पद्मभूषण जगतगुरु रामभद्राचार्य करने वाले हैं। गांधी मैदान में इसके लिए तैयारी पूरी कर ली गई है। पटना जिला प्रशासन की ओर से इस कार्यक्रम के लिए दो हजार से अधिक सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई है। आयोजन स्थल पर दर्जनों सीसीटीवी लगे हैं। बिहार पुलिस से अलग-अलग टीम इस कार्यक्रम की निगरानी कर रही है। एटीएस और बॉम स्क्वॉयड की टीम को भी तैनात किया गया है। बताया जा रहा है कि आज के कार्यकम में करीब एक लाख से अधिक लोगों की भीड़ उमड़ेगी।

अजगैबीनाथ धाम को मिलेगा 6 लेन का मरीन ड्राइव सरीखा मार्ग, पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन ने की घोषणा

पटना। विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेले की तैयारियों का जायजा लेने के लिए बिहार सरकार के पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन शनिवार को अजगैबीनाथ धाम, सुल्तानगंज पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कांवड़ियों को हर सुविधा प्रदान करने का आश्वासन दिया। बाबा की इस नगरी को मरीन ड्राइव की तर्ज पर छह लेन की भव्य सड़क मिलने की बड़ी घोषणा की है। मंत्री नितिन नवीन का स्थानीय विधायक प्रोफेसर ललित नारायण मंडल और एनडीए कार्यकताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया। विधायक ने शाहकुंड प्रखंड स्थित अतिथि गृह के जीर्णोद्धार की मांग को लेकर मंत्री को एक ज्ञापन भी सौंपा। जिस पर मंत्री ने जल्द निर्माण कार्य शुरू कराने का आश्वासन दिया। अपने दौरे के दौरान, मंत्री ने विभागीय अधिकारियों के साथ एक विस्तृत समीक्षा बैठक की और श्रावणी मेला क्षेत्र का भौतिक निरीक्षण भी किया।मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। एक महत्वपूर्ण घोषणा में मंत्री ने बताया कि अजगैबीनाथ धाम में छह लेन की भव्य सड़क का निर्माण किया जाएगा। जिससे यहां की यातायात व्यवस्था बेहतर और सुगम हो सकेगी। सुल्तानगंज का नाम बदलकर अजगैबीनाथ धाम किए जाने की उठ रही मांग पर मंत्री ने अपनी सहमति जताई और कहा कि यह तो होना ही चाहिए। बाबा की नगरी अजगैबीनाथ पर बाबा की कृपा हमेशा बनी रहती है। सरकार का प्रयास है कि यह श्रावणी मेला न सिर्फ सुविधाजनक हो, बल्कि श्रद्धालुओं के लिए यादगार भी बने। उन्होंने यह भी कहा कि पथ निर्माण विभाग सभी कार्यों को समय पर पूरा करने के लिए पूरी गंभीरता से जुटा हुआ है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बेहतर सड़क, जलापूर्ति, लाइटिंग और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। मंत्री के इस दौरे से स्पष्ट है कि सरकार श्रावणी मेले को लेकर बेहद गंभीर है और इसे भव्य रूप देने के लिए प्रतिबद्ध है।

बस सेवा से वंचित इलाकों के लिए भी परमिट नहीं

पटना। शहर के कई इलाकों से रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड जाने के लिए सीधी बस सेवा नहीं मिल रही है। प्राइवेट सिटी बसों को परमिट नहीं दिया जा रहा है। इससे दर्जनों कॉलोनी, मोहल्ला और ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को बस की सुविधा नहीं मिल पा रही है। इन इलाकों के को 15 से 25 किमी सफर करने के लिए कभी ऑटो तो कभी बस से जाना पड़ता है। मसलन-किसी को बैरिया से अनीसाबाद, फुलवारी होते दानापुर स्टेशन जाना है तो पहले ऑटो से अनीसाबाद गोलंबर, वहां से बस पकड़ कर फुलवारी गोलंबर और वहां से ऑटो पकड़ कर दानापुर स्टेशन जाना पड़ेगा। परिवहन निगम की बसें शहर के 12 से अधिक मार्गों पर चल रही हैं।

बिहटा के 3 गांव में बंदरों का आतंक

5000 की आबादी परेशान, एक व्यक्ति का पैर तोड़ा, सड़क चौड़ीकरण में पेड़ कटने पर घुसे

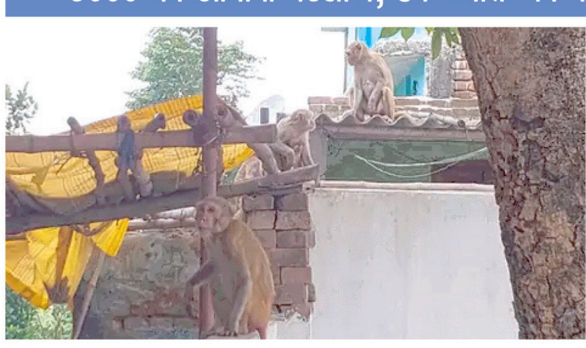

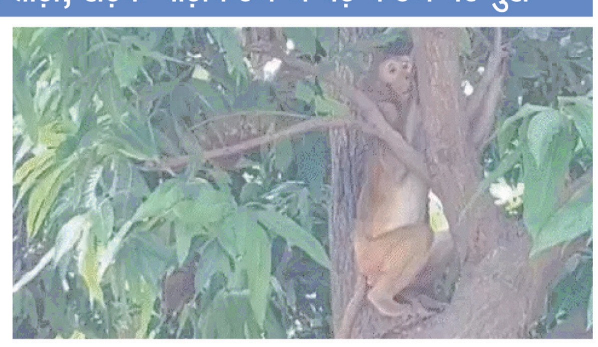

पटना। बिहटा प्रखंड के किशुनपुर, मोहरमपुर और बेदौली गांव में बंदरों का आतंक है। पिछले डेढ़ साल से बंदर गांव में आ रहे हैं। पिछले 6 महीने में स्थिति और बिगड़ गई है। तीनों गांव को मिलाकर लगभग 5 हजार की आबादी प्रभावित है। सबसे ज्यादा बच्चों और महिला पर मंकी अटैक करते हैं। जंगली बंदरों के हमले में कई ग्रामीण घायल हुए हैं। एक व्यक्ति का पैर टूट गया है। डर के कारण लोग छत पर नहीं बैठ पाते। गांव में दिन में भी सन्नाटा रहता है। किशुनपुर गांव के मंटू पांडे बोले, 'दानापुर-बिहटा एलिवेटेड रोड के चौड़ीकरण के दौरान सड़क किनारे के सभी पेड़ काट दिए गए। इस कारण बंदरों का झुंड गांव में आ गया। घायल लोगों का इलाज पटना और अन्य स्थानों पर चल रहा है'। 'कुछ परिवार गांव छोड़कर जा रहे हैं। पिंटू सिंह अपने परिवार के साथ लखनऊ जाने का फैसला कर चुके हैं। ग्रामीणों ने पटना जिला प्रशासन और वन विभाग को सूचना दी है। अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है'। पटना DFO अधिकारी गौरव ओझा ने बताया, 'यह लाल रंग का बंदर वन विभाग के क्षेत्र में नहीं आता। फिर भी गांव में अधिकारियों को भेजकर जांच कराई जाएगी। बंदरों को भगाने की कोशिश या पिंजरा लगाया जाएगा। उन्होंने गांव वालों को बंदरों से दूर रहने की सलाह दी है'। स्थानीय जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि कुछ महीने पहले इस बंदर के आतंक के कारण बगीचे में हम लोग बैठे हुए थे। मेरा भाई भी था तभी बंदर ने हमला किया और जान बचाने के लिए मेरा भाई भागा। इसी दौरान उसका पैर टूट गया। आगे कहा कि बंदर के आतंक से महिला बच्चे सभी लोग परेशान हैं। बंदर के आतंक के कारण घर से बाहर भी लोग नहीं निकल रहा है। बंदर के आतंक के कारण गांव के लोग अब घर के अंदर बंद रहते हैं। या तो ज्यादा जरूरी रहा तो तभी घर से बाहर निकलते हैं, नहीं तो गांव के लोगों पर बंदर हमला करते दिख रहा है। दानापुर बिहटा एलिवेटेड रोड का निर्माण बेदौली मौजा और सिकंदरपुर मौजा में सड़क का चौड़ीकरण हो रहा है। ऐसे में दर्जनों पेड़ को काटा गया है, जहां पहले इस पेड़ पर बंदर का झुंड रहा करता था। अब पेड़ के काटने के बाद अब बंदर सड़क के किनारे बसे इन तीनों गांव में आ चुके हैं। अपना आतंक दिखा रहे हैं। हालांकि बंदर के आतंक के कारण तीनों गांव के लोग जान बचाने के लिए प्रशासन से गुहार भी लगा रहे हैं। अब देखना होगा कि कब तक इन तीनों गांव से बंदर का आतंक समाप्त होता है।

पटना जंक्शन इलाके में जलभराव से मिलेगी राहत

मुजफ्फरपुर। रेलवे जंक्शन क्षेत्र में लंबे समय से चली आ रही जलजमाव की समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में रेलवे ने अहम कदम उठाया है। पूर्व मध्य रेलवे, सोनपुर मंडल इस मसले पर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) पटना से तकनीकी सहयोग लेगा। जानकारी के अनुसार, आइआइटी पटना के सिविल एवं पर्यावरण अभियंत्रण विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. ओम प्रकाश के नेतृत्व में विशेषज्ञों की टीम इस समस्या का गहन विश्लेषण करेगी। रेलवे की ओर से पहले से उपलब्ध कराए गए स्थल के दस्तावेज व चित्रों की समीक्षा की जा चुकी है। अब समीक्षा के बाद आइआइटी की टीम ने जलनिकासी की सही स्थिति को समझने के लिए कुछ अहम तकनीकी जानकारी मांगी है। इनमें जलनिकासी शाखाओं का उल्टा लेवल, नालों का ढलान, जलनिकासी क्षमता, करंट दक्षता, स्टेशन क्षेत्र की ऊंचाई व स्मार्ट सिटी योजना के तहत निर्मित संरचनाएं शामिल हैं। रेलवे के अधिकारी नगर निगम से यह सारी जानकारी हासिल कर रहे हैं। रेलवे ने इस कार्य को प्रायोजित परियोजना के रूप में लेने का अनुरोध किया है। आइआइटी पटना ने इसके लिए 40.52 लाख रुपये का विस्तृत बजट प्रस्ताव दिया है। इस बजट में मानव संसाधन, सॉफ्टवेयर, हाई रिजोल्यूशन सैटेलाइट डाटा व तकनीकी संसाधनों का प्रावधान शामिल है। इस पहल से न केवल जलभराव की समस्या का वैज्ञानिक समाधान मिलेगा, बल्कि रेलवे को भविष्य में ऐसी समस्याओं से निपटने के लिए दीर्घकालिक रणनीति भी मिलेगी। इस नई पहल से जलभराव से निजात मिलने की उम्मीद जगी है। हर साल बारिश के मौसम में यात्रियों को रेलवे जंक्शन से निकलने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

महिलाओं को नीतीश सरकार का तोहफा, चलेंगी पिंक बसें

पटना। पटना, मुजफ्फरपुर, गया, पूर्णिया और दरभंगा की तर्ज पर सितंबर तक राज्य के सभी जिला मुख्यालयों में महिलाओं के लिए विशेष पिंक बस चलाने की तैयारी है। बिहार राज्य पथ परिवहन निगम (बीएसआरटीसी) ने वर्तमान में चल रही 20 सीएनजी पिंक बसों की सफलता के बाद अन्य प्रमुख जिलों में भी इसका परिचालन शुरू करने का फैसला लिया है। इसके लिए पांच करोड़ रुपये की लागत से 80 और पिंक बसें मंगवाई जा रही हैं। इन बसों के अगस्त महीने के अंत तक बिहार पहुंच जाने की संभावना है। इनमें 35 बसों का परिचालन राजधानी पटना में होगा, जबकि शेष बसें अन्य प्रमुख जिलों में चलाई जाएंगी। परिवहन विभाग के अनुसार, महिलाओं की जरूरतों का ध्यान रखते हुए इन बसों में सेनेटरी पैड और मेडिकल किट की व्यवस्था रहेगी। इसके अलावा सुरक्षा के लिए जीपीएस ट्रैकर, पैनिक बटन, सीसीटीवी कैमरा और मोबाइल चार्जर की सुविधा भी इनमें मौजूद रहेगी। पिंक बस परियोजना को पूरी तरह महिलाओं के माध्यम से ही संचालित करने की योजना है। इसके लिए बीएसआरटीसी दो चरणों में महिला चालकों को प्रशिक्षित करेगा। पहले चरण में 500 महिला चालकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिसके लिए सभी तैयारी लगभग पूरी कर ली गई है। बस चालक, कंडक्टर और महिलाओं यात्रियों के साथ ही इसका संचालन करने वाली नोडल अधिकारी भी महिलाएं हैं। इस वर्ष मई में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सीएनजी से चलने वाली 20 पिंक बसों को हरी झंडी दिखाई थी। इनमें आठ बसों का परिचालन राजधानी की सभी रूटों पर सुबह सात बजे से रात आठ बजे तक किया जाता है। इसमें रोजाना 1500 से दो हजार महिलाएं और छात्राएं सफर कर रहीं हैं। इसके अलावा मुजफ्फरपुर जिले में चार और गया, पूर्णिया और दरभंगा जिले में दो-दो पिंक बसें चल रही हैं। सभी बसों में दो-दो महिला कंडक्टरों को जिम्मेदारी दी गई है।

पति के साथ मिलकर बॉयफ्रेंड को मारकर फेंका

सुनील कुमार
मृतक

बेगूसराय। गुरुवार की रात ज्वेलर सुनील कुमार की हत्या हुई थी। शुक्रवार की सुबह लाश मिली थी। अब तक सभी सोच रहे थे कि अपहरण के बाद हत्या कर लाश फेंकी गई है, पर ऐसा नहीं है। जहां लाश मिली वहां एक शौचालय की टंकी मिली। जिसमें सुनील का मोबाइल मिला। मोबाइल की जांच हुई थी तो पता चला असली हत्यारे कौन हैं। मोबाइल के लास्ट लोकेशन से पता चला सुनील शादीशुदा गर्लफ्रेंड प्रियांशु कुमारी (22) के घर गया था। सुनील प्रियांशु के साथ शारीरिक संबंध बना रहा था। इसी दौरान प्रियांशु का पति जितेंद्र कुमार (25) कमरे में गया और उसने पत्नी को आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया। प्रियांशु ने अपने पति के नजर में अच्छा बनने के लिए आरोप लगाया कि सुनील उसके साथ जबरदस्ती कर रहा है। गुस्से में जितेंद्र ने प्रियांशु के साथ मिलकर सुनील की हत्या कर दी। उसकी गर्दन मरोड़ दी। घटना सिंघौल थाना क्षेत्र के फतेहपुर की है। ये जानकारी सदर-1 डीएसपी सुबोध कुमार ने दी। सुनील की लाश को जितेंद्र, प्रियांशु और प्रियांशु की नाबालिग बहन ने मिलकर ठिकाने लगा दिया। करीब 4 घंटे तक बॉडी घर में ही पड़ी रही थी। तीनों अंधेरा होने का इंतजार कर रहे थे। रात साढ़े 9 बजे तीनों ने पड़ोसी के बंद घर के परिसर में लाश को फेंक दिया और मृतक का मोबाइल घर के शौचालय की टंकी में फेंक दिया। प्रेमिका ने पुलिस के सामने स्वीकार किया है कि, 'मैंने सुनील की हत्या की है। हत्या के बाद हमने उसे अंडरगारमेंट्स और पैंट पहना दिया था। रात हो गई तो लाश को अपने घर के बगल वाले एक बंद घर के कैंपस में फेंकने का प्लान बनाया। गेट में ताला बंद था। दीवार से लाश को अंदर गिरा दिया, फिर हम लोग दीवार फांदकर अंदर गए और वहां से लाश को उठाकर साइड में रख दिया।' स्थानीय लोगों के अनुसार सुबह एक महिला जब झाड़ू लगा रही थी। तब आंगन में किसी को पड़ा देखा। उसने शोर मचाया, तो लोगों की भीड़ जुट गई। तब मृतक की पहचान हुई। शव देखने के बाद आसपास के लोगों ने पुलिस इसकी सूचना दी। लोगों की सूचना पर पुलिस और FSL की टीम पहुंची। जांच में कोई सुराग नहीं मिल रहा था। जिसके बाद मृतक के मोबाइल को सर्विलांस पर लगाया गया। प्रियांशु का घर में लास्ट लोकेशन दिख रहा था, लेकिन मोबाइल मिल नहीं रहा था। काफी खोजबीन के बाद मोबाइल पड़ोसी के आवासीय परिसर में शौचालय की टंकी में मिला। जहां लाश ठिकाने लगाया था। प्रियांशु, जितेंद्र और नाबालिग को पुलिस ने थाने लाया गया। तीनों ने हत्याकांड में अपनी संलिप्तता स्वीकार ली। दंपती को गिरफ्तार कर लिया गया। सुनील महारथपुर निवासी मनोज साह का बेटा है। फतेहपुर गांव में चौक के पास ज्वेलरी और बर्तन की दुकान चलाता था। सुनील का फतेहपुर की प्रियांशु कुमार से 4 साल से अफेयर चल रहा था। सुनील कुमार फतेहपुर गांव में चौक के पास आभूषण और बर्तन की दुकान चलाता था। उसका करीब 4 साल से फतेहपुर की ही प्रियांशु कुमारी (22) से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। सुनील का घर प्रियांशु के घर से 4 किमी दूर है। वहीं, सुनील की दुकान करीब 30 कदम की दूरी पर है। दुकान पर प्रियांशु अक्सर बर्तन खरीदने आती थी। इसी दौरान सुनील से दोस्ती हो गई। दोनों ने एक-दूसरे का मोबाइल नंबर लिया। जिसके बाद दोनों दिन-रात बात करने लगे। बातों-बातों में ही दोनों के बीच नजदीकियां काफी बढ़ गई और अफेयर हो गया। इसी बीच 2023 प्रियांशु की शादी खगड़िया के मानसी थाना क्षेत्र चुकती गांव निवासी जितेंद्र से हो गई। शादी के बाद प्रियांशु ज्यादातर अपने मायके में ही रहती थी। इस कारण रोज उसकी मुलाकात सुनील से होती थी। दोनों के बीच अक्सर शारीरिक संबंध बनते थे।

घर का वास्तु दोष दूर करने के लिए मंगलवार और शनिवार को बनाएं स्वास्तिक, घर आएगी शुभता

मंगलवार और शनिवार के दिन घर के मुख्य द्वार पर स्वास्तिक बनती है, तो इससे भविष्य में शुभता मिलने के योग बढ़ते हैं। आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि स्वास्तिक चिह्न कहां और किस दिन बनाना चाहिए, जिससे कि वास्तु दोषों से मुक्ति मिल सके।

भारतीय संस्कृति और धर्म में स्वास्तिक को बेहद शुभ और पवित्र चिन्ह माना जाता है। स्वास्तिक न सिर्फ धार्मिक अनुष्ठानों में प्रयुक्त होता है, बल्कि वास्तु और ज्योतिष शास्त्र में भी इसका विशेष महत्व होता है। स्वास्तिक घर में पॉजिटिव एनर्जी को आकर्षित करता है और निगेटिव एनर्जी दूर करने में सहायक होता है। माना जाता है कि यदि किसी के घर में वास्तु दोष होता है, तो उनको दूर करने के लिए घर पर स्वास्तिक चिह्न जरूर बनाना चाहिए। मंगलवार और शनिवार के दिन घर के मुख्य द्वार पर स्वास्तिक बनती है, तो इससे भविष्य में शुभता मिलने के योग बढ़ते हैं।

घर में बनाया गया स्वास्तिक चिह्न घर की आर्थिक स्थिति को सुधारने के साथ घर के सदस्यों को मानसिक शांति और सफलता प्रदान करता है। घर में बड़े से बड़ा वास्तु दोष क्यों न हो, आप स्वास्तिक उपाय से इसको दूर कर सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि स्वास्तिक चिह्न कहां और किस दिन बनाना चाहिए, जिससे कि वास्तु दोषों से मुक्ति मिल सके।

इन दो दिन बनाएं स्वास्तिक चिन्ह

घर के किसी भी स्थान के वास्तु दोष को दूर करने के लिए आप सप्ताह के दो दिनों में स्वास्तिक जरूर बनाना चाहिए। मंगलवार और शनिवार को स्वास्तिक बनाने का विशेष महत्व माना जाता है। इन दोनों दिन स्वास्तिक बनाने का विशेष कारण यह होता है कि इन दोनों दिनों का संबंध मंगल और शनि ग्रह से होता है। मंगल ग्रह ऊर्जा, साहस और शक्ति का प्रतीक होता है, तो वहीं शनि ग्रह कर्म और न्याय का प्रतीक होता है। अगर किसी व्यक्ति के जीवन में वास्तु दोष के कारण परेशानियां आती हैं, तो यह उपाय काफी प्रभावी साबित हो सकता है।

ऐसे बनाएं स्वास्तिक

स्वास्तिक बनाने से पहले घर के मुख्य द्वार को अच्छे से साफ कर लें। फिर मुख्य द्वार पर हल्दी, कुमकुम, रोली या चंदन का स्वास्तिक बनाएं। इससे घर की पवित्रता और सकारात्मकता बढ़ती है। इस चिन्ह को बनाते समय ऊँ नमः शिवाय और ऊँ श्री गणेशाय नमः मंत्र का जाप करें। इससे शुभता और आध्यात्मिकता बढ़ती है।

स्वास्तिक के चारों ओर शुभ-लाभ लिखना काफी शुभ माना जाता है। यह सुख-समृद्धि को आकर्षित करता है। वहीं इसके चारों कोनों पर चावल और फूल अर्पित करने से वातावरण में पॉजिटिविटी बनी रहती है। हर मंगलवार और शनिवार को नियमित रूप से स्वास्तिक बनाना शुभ माना जाता है। इससे घर में सुख-शांति और समृद्धि का वास होता है।

स्वास्तिक बनाने से मिलने वाले लाभ

अगर घर में किसी तरह की निगेटिव एनर्जी प्रभावी होती हैं, तो स्वास्तिक उसकी एनर्जी को खत्म कर देता है और पॉजिटिव एनर्जी का संचार करता है।

घर में स्वास्तिक का चिन्ह बनाने से धन का प्रवाह अच्छा बना रहता है और जातक अपने व्यापार और नौकरी में भी उन्नति करता है। यह उपाय धन हानि को रोकने में भी सहायक है।

इस उपाय को करने से मानसिक तनाव दूर होता है और घर के सदस्यों में प्रेम और सौहार्द बना रहता है। घर के मुख्य द्वार पर स्वास्तिक बनाने से घर में पॉजिटिव एनर्जी बढ़ती है।

अगर किसी जातक की कुंडली में मंगल या शनि दोष होता है, तो यह उपाय इसको शांत करने में सहायता करता है।

बता दें कि स्वास्तिक सिर्फ एक धार्मिक चिन्ह नहीं बल्कि शक्तिशाली ऊर्जा का भी स्त्रोत होता है। जोकि घर में पॉजिटिविटी बनाए रखने में मदद करता है और घर के वास्तु दोषों को भी दूर करता है।

पूजा के दौरान दीपक जलाते समय भूलकर न करें ये गलतियां, वरना नहीं मिलेगा पूर्ण फल

अगर आप कुछ नियमों का ध्यान रखते हुए रोजाना घर में भगवान की पूजा के दौरान दीपक जलाते हैं, तो इससे सुख-समृद्धि और सौभाग्य का आगमन होता है। ऐसे में आज हम आपको पूजा के समय दीपक जलाने के कुछ जरूरी नियमों के बारे में बताने जा रहे हैं।

हिंदू धर्म में सुबह और शाम के समय पूजा के दौरान दीपक जलाने का खास महत्व होता है। ऐसा करने से नकारात्मकता दूर होती है और पॉजिटिव एनर्जी का संचार होता है। हालांकि ज्योतिष शास्त्र में पूजा घर में दीपक जलाने के कुछ खास नियमों के बारे में बताया गया है। जिनका हर किसी को ध्यान रखना चाहिए। क्योंकि सही तरीके से दीपक न जलाने से पूजा का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है और घर में समस्याओं का सामना भी करना पड़ सकता है। ऐसे में अगर आप इन नियमों का ध्यान रखते हुए रोजाना घर में भगवान की पूजा के दौरान दीपक जलाते हैं, तो इससे सुख-समृद्धि और सौभाग्य का आगमन होता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको पूजा के समय दीपक जलाने के कुछ जरूरी नियमों के बारे में बताने जा रहे हैं।

दीपक जलाने के दौरान न करें ये काम

घर या मंदिर में भगवान की पूजा के दौरान दीया जलाने के लिए भूलकर भी दूसरे दीपक का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। कई बार हम तुलसी के पास दीपक जलाने के लिए मंदिर वाले दीपक से दीया जला लेते हैं। लेकिन ऐसा करना अच्छा नहीं माना जाता है। अगर आप भी यह गलती करते हैं, तो इससे पूजा का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है।

दीपक जलाने के बाद नहीं करनी चाहिए ये गलती

पूजा के समय दीपक जलाने के बाद अगर आप धूपबत्ती या अगरबत्ती को दीपक की अग्नि से जलाते हैं, तो ऐसा नहीं करना चाहिए। क्योंकि दीपक से धूपबत्ती या अगरबत्ती जलाने से दीपक की अग्नि बुझ सकती है। इसलिए धूपबत्ती जलाने के लिए हमेशा माचिस का इस्तेमाल करना चाहिए। इससे अशुभ फल की प्राप्ति होती है और व्यक्ति को आर्थिक तंगी का भी सामना करना पड़ सकता है।

भूलकर भी न करें ये गलतियां

अगर आप भी रोजाना शाम के समय मुख्य द्वार पर दीपक जलाते हैं, तो कुछ खास नियमों का ध्यान रखना जरूरी है। लेकिन जरूरी है कि घर के मुख्य द्वार पर दीपक जलाकर इस तरह से रखना चाहिए कि इसका मुख सामने की ओर है। इस तरह दीपक जलाना शुभ माना जाता है। वहीं दीपक जलाने के दौरान ध्यान रखें कि कभी सम संख्या में दीपक न जलाएं। बल्कि आप 3, 5, 7, 9 और 11 दीप जला सकते हैं।

इस तेल का जलाएं दीपक

घर के मंदिर में श्रीहरि और मां लक्ष्मी की पूजा के समय सही तेल से दीपक जलाना जरूरी होता है। धार्मिक मान्यता के मुताबिक भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी के सामने शुद्ध देसी घी का दीपक जलाना चाहिए। इससे जातक को विशेष कृपा प्राप्त होती है और जीवन में धन-दौलत की कमी नहीं होती है। लेकिन भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी के सामने तेल का दीपक नहीं जलाना चाहिए। ऐसा करने से आपकी पूजा अधूरी रह सकती है।

दीपक की बाती

पूजा के समय दीपक जलाने के दौरान तेल और बाती का हमेशा ख्याल रखना चाहिए। दीपक की बाती के प्रयोग के कुछ खास नियम होते हैं। जिनका ध्यान रखना चाहिए। धार्मिक मान्यता है कि मां लक्ष्मी और मां दुर्गा की पूजा के समय लाल रंग की बाती का इस्तेमाल करना चाहिए। मां दुर्गा और मां लक्ष्मी की पूजा के दौरान सफेद रंग की बाती का प्रयोग नहीं करना चाहिए। इससे व्यक्ति को अशुभ फल की प्राप्ति होती है। क्योंकि सफेद रंग की बाती पितरों के सामने जलानी चाहिए।

विष्णु पूजा में दीपक

गुरुवार का दिन जगत के पालनहार भगवान श्रीहरि विष्णु को समर्पित माना जाता है। विष्णु भगवान की पूजा के समय दीपक जलाते समय इस बात का ख्याल रखें कि दीपक की बाती पीले रंग की हो। गुरुवार को पीले रंग के इस्तेमाल का विशेष महत्व होता है। इससे भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं और व्यक्ति को पूजा का पूर्ण फल प्राप्त होता है।

शनिदेव की पूजा में दीपक

शनिवार का दिन शनिदेव को समर्पित होता है। ऐसे में शनिवार को शनिदेव की पूजा करने और सरसों का तेल अर्पित करने का खास महत्व होता है। लेकिन शनिदेव के सामने दीपक जलाने के दौरान सही तेल और बाती का इस्तेमाल करना जरूरी होता है। ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक शनिदेव के सामने नीले या काली बत्ती का इस्तेमाल करना चाहिए। वहीं दीपक सरसों या तिल के तिल में जलाना चाहिए। ऐसा करने से शनिदेन प्रसन्न होते हैं और व्यक्ति के जीवन से दुर्भाग्य दूर हो सकता है। शनिदेव के सामने घी का दीपक कभी नहीं जलाना चाहिए।

ऑफिस डेस्क पर फूल रखते समय भूलकर भी न करें ये गलतियां, वरना नौकरी में आ सकती हैं बाधाएं

बहुत सारे लोग होते हैं, जो ऑफिस डेस्क पर फूल रखना पसंद करते हैं। ऑफिस डेस्क पर फूल रखना अच्छा माना जाता है। फूलों की सुगंध और सुंदरता के प्रभाव से आसपास का वातावरण अच्छा बना रहता है, तो वहीं दूसरी ओर फूलों से जुड़े वास्तु आपकी तरक्की के मार्ग भी खोलते हैं।

वास्तु शास्त्र में ऑफिस डेस्क को काफी महत्वपूर्ण माना गया है। आपकी नौकरी एवं उससे जुड़ी सफलता पर भी ऑफिस डेस्क का प्रभाव पड़ता है। इसलिए ऑफिस डेस्क से संबंधित नियमों का पालन जरूर करना चाहिए। ऐसे में बहुत सारे लोग होते हैं, जो ऑफिस डेस्क पर फूल रखना पसंद करते हैं। ऑफिस डेस्क पर फूल रखना अच्छा माना जाता है। फूलों की सुगंध और सुंदरता के प्रभाव से आसपास का वातावरण अच्छा बना रहता है, तो वहीं दूसरी ओर फूलों से जुड़े वास्तु आपकी तरक्की के मार्ग भी खोलते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि ऑफिस डेस्क पर फूलों को रखने के समय किन गलतियों को करने से बचना चाहिए।

ऑफिस डेस्क पर ऐसे न रखें फूल

ऑफिस डेस्क पर फूल रखने के दौरान इस बात का ध्यान रखें कि फूलों का मुख हमेशा आपकी तरफ हो। यानी की फूल आपकी ओर झुके हों, न कि किसी अन्य दिशा की तरफ। अगर फूल किसी और दिशा की ओर झुके होंगे, तो सकारात्मकता दूसरी ओर चली जाएगी और निगेटिव एनर्जी का संचार आपकी ओर बढ़ेगा।

ऑफिस डेस्क पर फूल रखते समय ध्यान रखें कि यह मुरझाए हुए न हों। अगर आप ऑफिस डेस्क पर फूल रखते हैं, तो इनको मुरझाने से पहले बदल दें। वरना इससे नकारात्मकता बढ़ती है। वहीं वास्तु शास्त्र के मुताबिक सफलता पाने में भी दिक्कतें आनी शुरू हो जाती हैं।

ऑफिस डेस्क पर फूल रखने के दौरान ध्यान रखें कि यह कांटेदार न हों। क्योंकि कांटेदार फूल का डेस्क पर होना नौकरी के मामलों में बार-बार संकट आने को दर्शाता है। अगर आप गुलाब के फूल डेस्क पर रखते हैं, तो इसके कांटे हटाकर रखें।

ऑफिस डेस्क पर प्लास्टिक के फूल नहीं रखने चाहिए। क्योंकि वास्तु शास्त्र में प्लास्टिक के फूलों को अशुद्ध बताया गया है। इसलिए प्लास्टिक के फूलों को ऑफिस डेस्क पर रखने से राहु का दुष्प्रभाव पड़ता है और नौकरी में बार-बार बाधाएं आती हैं।

सावन में भगवान शिव को चढ़ाएं ये एक खास फूल, बदल सकती है किस्मत

सावन का महीना भगवान शिव की भक्ति के लिए बेहद खास माना जाता है। इस पावन महीने में शिव मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ती है। शिवलिंग पर जल, दूध, बेलपत्र चढ़ाने की परंपरा तो है ही, लेकिन क्या आप जानते हैं कि सिर्फ एक फूल चढ़ाकर भी आप भोलेनाथ को प्रसन्न कर सकते हैं? शास्त्रों के अनुसार, यह फूल आपके जीवन की समस्याएं दूर कर सकता है। ऐसे में आइए जानते हैं कि वह कौन सा फूल है और उसे कैसे चढ़ाना चाहिए।

सावन 2025 में कब से कब तक रहेगा?

पंचांग के अनुसार साल 2025 में सावन का महीना 11 जुलाई 2025 से शुरू होकर 9 अगस्त 2025 तक रहेगा। इस बार सावन में 4 सोमवार पड़ेंगे। भगवान शिव का प्रिय दिन सोमवार होता है और सावन में इनका विशेष महत्व है। ऐसा कहा जाता है कि इस महीने में भगवान शिव की भक्ति करने से जीवन के सभी दुख-दर्द दूर होते हैं और मनचाही इच्छाएं पूरी होती हैं।

कौन सा है वो खास फूल?

सावन में भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए जिस फूल की बात हो रही है, वह है कनेर का फूल। खासकर पीले रंग का कनेर भगवान शिव को सबसे अधिक प्रिय माना जाता है। मान्यता है कि इस फूल को अर्पित करने से भगवान शिव भक्त की सभी परेशानियों का अंत कर देते हैं। इसके साथ ही जीवन में सुख-शांति और समृद्धि का आगमन होता है।

कई रंगों का होता है यह फूल

कनेर का फूल न केवल सुंदर होता है बल्कि यह लाल, गुलाबी, पीले और सफेद रंगों में मिलता है। हिंदू धर्म में पूजा-पाठ में इस फूल का विशेष महत्व है। खासतौर पर सावन में शिवलिंग पर कनेर का फूल चढ़ाने से जल्दी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इस बात का खास ध्यान रखें कि फूल चढ़ाते समय '? नमः शिवाय' मंत्र का जाप जरूर करें।

भारत /इंग्लैंड दूसरे टेस्ट: आकाश दीप का कहर, भारत जीत से चार विकेट दूर

बर्मिंघम (एजेंसी)। आकाश दीप (चार विकेट) की घातक गेंदबाजी के दम पर भारत ने दूसरे टेस्ट मैच के पांचवें दिन रविवार को भोजनकाल तक इंग्लैंड के 153 पर छह विकेट झटककर मैच पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली है।

भारत को लंच से ठीक पहले वाशिंगटन सुंदर ने स्टोक्स का विकेट दिलाया, जो भारतीय टीम के लिए काफी महत्वपूर्ण हैं। इस सेशन की शुरुआत में पहले आकाश दीप ने कमाल की गेंदबाज़ी करते हुए दो विकेट निकाले। लेकिन उसके बाद स्टोक्स और स्मिथ के बीच 70 रनों की अच्छी साझेदारी हुई लेकिन लंच से ठीक पहले स्टोक्स आउट हो गए। अब इंग्लैंड पूरी तरह से इस मैच को ड्रॉ कराने का प्रयास करेगा लेकिन भारत जीत के काफ़ी क़रीब दिख रहा है।

इंग्लैंड ने कल के तीन विकेट पर 72 रन से आगे खेला शुरु किया। इंग्लैंड ने महज आठ रन जोड़कर अपना चौथा विकेट ऑली पोप (24) के रूप में गंवा दिया। ऑली पोप को आकाश दीप ने बोल्ड आउट किया। इसके बाद आकाश दीप ने 22वें ओवर में हैरी ब्रूक (23) को पगबाधा कर भारत को पांचवी सफलता दिलाई। भारत को छठी सफलता वॉशिंगटन सुंदर ने कप्तान बेन स्टोक्स (33) को पगबाधा आउट कर दिलाई। भोजनकाल तक इंग्लैंड ने छह विकेट पर 153 रन बना लिये है और जेमी स्मिथ (नाबाद 32) क्रीज पर मौजूद है। इंग्लैंड को मैच जीतने के लिए जहां 455 रनों की दरकार है। वहीं भारत को चार विकेट चटकाने होंगे।

भारत की ओर से आकाश दीप ने चार विकेट लिये। मोहम्मद सिराज और वॉशिंगटन सुंदर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले भारत ने पहली पारी में 587 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया था। वहीं इंग्लैंड ने पहली पारी में 407 रन बनाये थे। भारत ने दूसरी पारी छह विकेट पर 427 के स्कोर पर घोषित कर दी थी।

साक्षी ने विश्व मुक्केबाजी कप में जीता स्वर्ण पदक

अस्ताना (एजेंसी)। दो बार की युवा विश्व चैंपियन साक्षी ने रविवार को यहां दूसरे विश्व मुक्केबाजी कप में महिलाओं के 54 किग्रा फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया। 24 साल की साक्षी ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया और अमेरिका की योसलाइन पेरेज के खिलाफ सर्वसम्मत फैसले से जीत दर्ज की।

भारतीय दल ने यहां विश्व मुक्केबाजी कप में अच्छा प्रदर्शन किया है और कुल 11 पदक पक्के किए हैं। भारत ने ब्राजील में पहले चरण में एक स्वर्ण और एक रजत सहित छह पदक जीते थे। पहले सत्र में चार भारतीय मुक्केबाजों ने हिस्सा लिया और साक्षी ने गति और सटीक पंच के संयोजन के साथ शानदार प्रदर्शन करते हुए पोडियम पर शीर्ष स्थान हासिल किया।

इससे पहले मीनाक्षी ने 48 किग्रा वर्ग के फाइनल में स्थानीय दावेदार नाजिम काइजाइबे को कड़ी चुनौती दी लेकिन 2-3 के खंडित फैसले से हार गयी। जुगनू (पुरुष 85 किग्रा) और पूजा रानी (महिला 80 किग्रा) को भी अपने-अपने फाइनल में हारने के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। जुगनू को कजाकिस्तान के बेकजाद नूरदौलेटोव के खिलाफ 0-5 से हार का सामना करना पड़ा जबकि पूजा को आस्ट्रेलिया की एसिटा फ्लिंट के खिलाफ इसी अंतर से शिकस्त मिली।

इस खिलाड़ी से मिली प्रेरणा, वैभव सूर्यवंशी बोले- अगले मैच में 200 बनाने की कोशिश करूंगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने कहा कि वह शतक बनाने के बाद शुभमन गिल को बिना किसी दबाव के खेलते हुए देखकर प्रेरित हुए और भविष्य के मैचों में भारतीय टेस्ट कप्तान का अनुकरण करना चाहते हैं। सूर्यवंशी ने शनिवार को वॉर्सेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ भारत अंडर-19 की तरफ से चौथे मैच में केवल 78 गेंदों पर 143 रन की शानदार पारी खेली और युवा एकदिवसीय मैचों में शतक बनाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज बन गए।

सूर्यवंशी ने बीसीसीआई के 'एक्स' अकाउंट पर पोस्ट किए गए वीडियो में कहा, 'मुझे उनसे (गिल से) काफी प्रेरणा मिली, क्योंकि मैंने उनका खेल देखा था। 100 और 200 रन बनाने के बाद भी वह सहजता से खेलते रहे।' गिल ने बर्मिंघम में दूसरे टेस्ट मैच की दोनों पारियों में शतक लगाया। उन्होंने पहली पारी में 269 और दूसरी पारी में 161 रन बनाए। इस दौरान भारत की अंडर-19 टीम भी एजबेस्टन में थी।

सूर्यवंशी ने कहा, 'मैं अगले मैच में 200 रन बनाने की कोशिश करूंगा। अगली बार मैं पूरे पचास ओवर खेलने की कोशिश करूंगा। मैं जितने अधिक रन बनाऊंगा, मेरी टीम के लिए उतना ही बेहतर होगा।' सूर्यवंशी ने कहा कि जब तक वह ड्रेसिंग रूम में नहीं लौटे, उन्हें अपने बनाए गए रिकार्डों के बारे में पता नहीं था। उन्होंने युवा वनडे में सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड भी बनाया। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता था कि 100 रन बनाने के बाद मैंने रिकॉर्ड बना लिया है। हमारे टीम मैनेजर अंकित सर ने मुझे बताया कि मैंने रिकॉर्ड बना लिया है। सभी ने मुझे बधाई दी।'

इंडिया हाउस में भारतीय महिला टीम हुआ सम्मान

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड दौरे पर गई भारतीय महिला क्रिकेट टीम का यहां के इंडिया हाउस में एक भव्य समारोह में सम्मान किया गया। इस समारोह में कप्तान हरमनप्रीत कौर और टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार सहित सभी खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ के सदस्य शामिल हुए। इस दौरान भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोरईस्वामी ने टीम का स्वागत किया। इस अवसर पर दोरईस्वामी ने टीम की प्रशंसा करते हुए कहा, 'खिलाड़ियों ने जिस प्रकार से यहां जीत दर्ज की है। उससे देश में खेलों के क्षेत्र में एक बढ़ा बदलाव आयेगा और युवा प्रतिभाओं को प्रेरणा मिलेगी।'

उन्होंने कहा, 'आज ऐसा कोई भी क्षेत्र नहीं है जिसके बारे में भारत की युवा महिलाएं सोचती हैं कि वे ऐसा नहीं कर सकती हैं, क्योंकि आप और क्रिकेट खिलाड़ियों की एक पुरानी पीढ़ी ने ऐसा किया है। आपके पास जादू है और आप मैदान पर जहां भी खेलती हैं, इसे हमारे साथ साझा करती हैं, जिसके लिए हम बहुत-बहुत आभारी हैं।' दोरईस्वामी ने कहा, 'जब आप हमारी क्रिकेट टीम, हमारी हॉकी टीम या हमारी किसी भी खेल की टीम को देखेंगे तो पाएंगे कि यह भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रतिनिधित्व करती हैं।' उन्होंने कहा, 'ये केवल हमारी बेहतरीन खिलाड़ी ही नहीं हैं, बल्कि ये वो लड़कियां हैं जो हर शहर और हर प्रांत से निकल भारत का प्रतिनिधित्व करने पहुंची हैं।'

सुनील गावस्कर का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं शुभमन गिल, 1971 से कामय है वर्चस्व

नई दिल्ली ।मौजूदा भारतीय कप्तान शुभमन गिल पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का 1971 में वेस्ट इंडीज के खिलाफ सीरीज में 774 रन बनाने का भारतीय रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं।गावस्कर ने 1971 में वेस्ट इंडीज के खिलाफ सीरीज में चार मैचों में 774 रन बनाये थे और उनका वो रिकॉर्ड आज तक कायम है।कोई भी भारतीय इस रिकॉर्ड को तोड़ नहीं पाया है।दूसरे नंबर पर भी गावस्कर ही हैं जिन्होंने 1978-79 में वेस्ट इंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज में छह मैचों में 732 रन बनाए थे।तीसरे नंबर पर मौजूदा ओपनर यशस्वी जायसवाल हैं जिन्होंने 2023-24 में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में पांच मैचों में 712 रन बनाए थे। रन मशीन विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2014-15 की सीरीज में चार मैचों में 692 रन बनाए थे।गिल ने एजबस्टन टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ कुल 430 रन बनाए हैं, जो टेस्ट क्रिकेट में दूसरे सबसे अधिक रन हैं, पहले नंबर पर ग्राहम गूच हैं जिन्होंने 1990 में भारत के खिलाफ 456 रन बनाए थे।गिल ने इस इंग्लैंड दौरे पर पहले दो टेस्ट में 585 रन बनाए हैं, जो सीरीज के पहले दो टेस्ट में दूसरे सबसे अधिक रन हैं।पहले नंबर पर ग्रीम स्मिथ हैं जिन्होंने 2003 में इंग्लैंड में 621 रन बनाए थे।गिल अब बतौर कप्तान पहले दो टेस्ट में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं, उन्होंने कोहली के 449 रनों को पछाड़ा।गिल दूसरे बल्लेबाज हैं जिन्होंने दो बार टेस्ट में 150 से अधिक रन बनाए हैं, उनसे पहले ऐसा 1980 में एलेन बॉर्डर ने पाकिस्तान के खिलाफ लाहौर में नाबाद 150 और 153 रन बनाकर किया था।

महिलाओं की 5000 और 1500 मीटर दौड़ में नए विश्व रिकॉर्ड

यूजीन (अमेरिका)।कीनिया की बीट्राइस चेबेट ने प्रीफॉन्टेन क्लासिक एथलेटिक्स प्रतियोगिता में महिलाओं की 5,000 मीटर दौड़ 13 मिनट 58.06 सेकंड में जीतकर विश्व रिकार्ड बनाया।चेबेट इस स्पर्धा में 14 मिनट से कम समय निकालने वाली पहली महिला एथलीट बन गई है। उन्होंने इथियोपिया की गुडाफ त्सेगे द्वारा बनाए गए 14:00.21 के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। त्सेगे ने 2023 प्रीफोंटेन क्लासिक में यह रिकॉर्ड बनाया था।कीनिया की ही फेथ किपयेगोन ने महिलाओं की 1,500 मीटर दौड़ तीन मिनट 48.68 सेकंड में पूरी कर विश्व रिकॉर्ड बनाया।इस स्पर्धा में तीन बार की ओलंपिक चैंपियन किपयेगोन ने 3:49.04 के अपने ही रिकॉर्ड में सुधार किया जो उन्होंने पिछले साल जुलाई में पेरिस ओलंपिक खेलों के दौरान बनाया था।

टेस्ट क्रिकेट में 1000 रन बनाने वाली पांचवी टीम बनी टीम इंडिया

बर्मिंघम ।शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम ने मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में कुल 1000 रन बनाकर एक नया रिकार्ड बनाया है।टीम इंडिया इसी के साथ ही एक टेस्ट मैच में 1000 से अधिक रन बनाने वाली दुनिया की 5वीं टीम बन गई है।पहले टेस्ट में जहां भारतीय टीम की ओर से पांच शतक लगे थे और उसने पांच सौ से अधिक रन बनाये थे। वहीं वहीं एजबेस्टन में जारी दूसरे टेस्ट की दोनो पारियों को कुल मिलाकर भारतीय टीम ने 1000 रन बनाये हैं।भारतीय टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ जब एक मैच में ही टीम ने 1000 से अधिक रन बनाये हैं।इससे पहले भारतीय टीम ने सिडनी में साल 2004 में एक मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कुल 916 रन बनाए थे।वहीं एक टेस्ट मैच में सबसे ज्यादा रन बनाने का विश्व रिकॉर्ड इंग्लैंड के नाम है।इंग्लैंड ने साल 1930 में वेस्टइंडीज के खिलाफ कुल 1121 रन बनाए थे।गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम विश्व क्रिकेट में एकमात्र ऐसी टीम है जिसने दो बार एक टेस्ट मैच में 1000 से अधिक रन बनाए हैं। ऑस्ट्रेलिया ने साल 1934 में इंग्लैंड के खिलाफ कुल 1028 रन बनाए थे, वहीं 1969 में उसने वेस्टइंडीज के खिलाफ 1013 रन बनाये थे। पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ साल 2006 में एक मैच में कुल 1078 रन बनाए थे, वहीं दक्षिण अफ्रीका ने साल 1939 में इंग्लैंड के खिलाफ 1011 रन बनाये थे।

सुपरयूनाइटेड ब्लिट्ज़ - कार्लसन नें फिर दिखाया अपना दम , गुकेश जीत को तरसे

जागरेब , क्रोशिया (एजेंसी)। भारत के वर्तमान विश्व शतरंज चैम्पियन डी गुकेश के लिए ग्रांड चैस टूर के सुपरयूनाइटेड रैपिड में एकतरफा जीत के बाद भी शतरंज के सबसे फटाफट फॉर्मेट ब्लिट्ज़ का रास्ता आसान नहीं माना जा रहा था और हुआ भी कुछ ऐसा ही,कल खेले गए सुपरयूनाइटेड ब्लिट्ज़ शतरंज के पहले दिन एक और जहां गुकेश जीत को भी तरस गए वहीं विश्व के नंबर एक शतरंज खिलाड़ी नॉर्वे के मैगनस कार्लसन नें बेहद शानदार खेल दिखाते हुए अपराजित रहते हुए एकल बढ़त कायम कर ली है । गुकेश जो रैपिड में सिर्फ एक बार हारे थे ब्लिट्ज़ में कई अच्छी बाज़ियाँ समय की कमी के चलते हारते चले गए और उन्होने एकमात्र जीत फबियानों करूआना के खिलाफ दर्ज की और एक ड्रॉ नीदरलैंड के अनीश गिरि के खिलाफ खेला वहीं मैगनस कार्लसन नें गुकेश को इस बार पराजित करते हुए रैपिड में अपनी हार का हिसाब बराबर कर दिया ।

ब्लिट्ज़ का पहला दिन कार्लसन के नाम रहा और उन्होने छह जीत और 3 ड्रॉ के साथ 7.5 अंक बनाए और रैपिड और ब्लिट्ज़ दोनों को मिलाकर कुल 17.5 अंको के साथ पहले स्थान पर पहुँच गए । गुकेश दूसरे दिन अपने रैपिड के 14 अंको में 1.5 जोड़ पाये और 15.5 अंको के साथ वह तीसरे स्थान पर है जबकि रैपिड में 11 अंको के साथ दूसरे स्थान में रहने वाले डुड़ा 5 अंक जोड़ते हुए कुल 16 अंको के साथ दूसरे स्थान पर पहुँच गए है । भारत के आर प्रज्ञानन्दा नें ब्लिट्ज़ के पहले दिन कोशिश तो की पर वह 4.5 अंक जोड़ते हुए कुल 13.5 अंको के साथ पांचवें स्थान पर पहुँच गए है ।

ग्रांड चैस टूर के आखिरी और पांचवें दिन अंतिम 9 ब्लिट्ज़ मुक़ाबले खेले जाएँगे और कुल 9 अंक दांव पर होंगे देखना होगा की क्या गुकेश अंतिम दिन वापसी करेंगे या फिर कार्लसन एक बार फिर यह खिताब अपने नाम कर लेंगे ।

विंबलडन में 100 जीत दर्ज करने वाले तीसरे खिलाड़ी बने नोवाक जोकोविच

लंदन ।नोवाक जोकोविच विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के इतिहास में 100 जीत दर्ज करने वाले दुनिया के तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं।उन्होंने तीसरे दौर में सर्बिया के हम वतन खिलाड़ी मिओमिर केकमानोविच पर 6-3, 6-0, 6-4 से जीत के साथ यह उपलब्धि हासिल की।उनसे पहले मार्टिना नवरातिलोवा और रोजर फेडरर इस मुकाम पर पहुंचे थे।जोकोविच ने अपने 24 ग्रैंड स्लैम खिताबों में से सात ऑल इंग्लैंड क्लब में जीते हैं। उन्होंने शनिवार को केकमानोविच के खिलाफ सेंटर कोर्ट पर पहले सेट में 3-3 के स्कोर से लगातार नौ गेम जीतकर आसानी से अगले दौर में प्रवेश किया।जोकोविच ने कोर्ट पर दिए साक्षात्कार में कहा, ''मैं अपने पसंदीदा टूर्नामेंट में जो भी इतिहास बनाऊंगा, उसके लिए मैं आभारी हूं।' अपना 20वां विंबलडन टूर्नामेंट खेल रहे 38 वर्षीय जोकोविच का अगला मुकाबला 11वें नंबर के एलेक्स डी मिनाउर से होगा। महिला वर्ग में नौ बार विंबलडन एकल चैंपियन रहीं नवरातिलोवा ने 120 एकल जबकि पुरुष वर्ग में आठ बार के चैंपियन फेडरर ने 105 एकल मैच में जीत दर्ज कीं।

वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम को लगा बड़ा झटका, विश्व कप के लिए स्वत: योग्यता खतरे में

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) की वनडे रैंकिंग में दो बार की चैंपियन वेस्टइंडीज 2027 आईसीसी क्रिकेट विश्व कप के लिए स्वतः योग्यता स्थानों से खिसक गई है जिससे मार्की टूर्नामेंट से एक बार फिर बाहर होने का जोखिम है। नई रैंकिंग श्रीलंका के खिलाफ दूसरे वनडे में बांग्लादेश की जीत के बाद आई है, जहां उन्होंने कोलंबो में ताइजुल इस्लाम के शानदार पांच विकेट की बदौलत 248 रनों का बचाव किया जिससे तीन मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर हो गई। विजडन के अनुसार इस जीत ने बांग्लादेश को पुरुषों की वनडे टीम रैंकिंग में एक स्थान ऊपर नौवें स्थान पर पहुंचा दिया।

हालांकि विश्व कप योग्यता के लिए कटऑफ तिथि से पहले विंडीज आवश्यक रैंकिंग में वापस आ सकता है। वेस्टइंडीज अब 10वें स्थान पर खिसक गया है और 2027 आईसीसी क्रिकेट विश्व कप के लिए स्वतः योग्यता स्थानों से बाहर है। टूर्नामेंट के 2027 संस्करण में 14 टीमें भाग लेंगी, जिसमें से दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे स्वतः ही मेजबान के रूप में क्वालीफाई कर लेंगे। तीसरे मेजबान नामीबिया को वही विशेषाधिकार नहीं मिलेगा क्योंकि वे टेस्ट क्रिकेट खेलने वाले पूर्णकालिक आईसीसी सदस्य नहीं हैं।

शीर्ष आठ टीमें (मेजबान को छोड़कर) 31 मार्च 2027 को अपनी वनडे रैंकिंग के आधार पर क्वालीफाई करेंगी। शेष चार स्थानों का निर्धारण 10 टीमों के क्वालीफायर टूर्नामेंट द्वारा किया जाएगा। वेस्टइंडीज क्वालीफायर खेलने से बचने का लक्ष्य रखेंगे, क्योंकि उन्होंने 2023 संस्करण के लिए भी ऐसा ही किया था और 1975 में अपनी स्थापना के बाद से अपना पहला विश्व कप गंवा दिया था। वह दो प्रतिष्ठित स्थानों के लिए नीदरलैंड और श्रीलंका से हार गए थे। नई ढ्ढष्टष्ट ह्रष्ठढ्ढ रैंकिंग में श्रीलंका अपनी हार के बाद पांचवें स्थान पर खिसक गया। दूसरे स्थान पर मौजूद ऑस्ट्रेलिया और तीसरे स्थान पर मौजूद न्यूजीलैंड दोनों के 109 रेटिंग अंक हैं।

यशस्वी अपने दृष्टिबाधित प्रशंसक बच्चे से मिले, बल्ला उपहार में दिया

बर्मिंघम ।भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने इंग्लैंड दौरे में अपनी शानदार बल्लेबाजी के साथ ही अपने एक और काम से सभी का दिल जीता है। यशस्वी ने अपने एक दृष्टिबाधित प्रशंसक बच्चे से मुलाकता कर उसे अपने ऑटोग्राफ वाला बल्ला भी उपहार में दिया है।ये बच्चा यशस्वी का बड़ा प्रशंसक होने के साथ ही उसके मिलना चाहता थ। रवि नाम के इस बच्चे ने पहले टेस्ट के दौरान भी यशस्वी से मिलने का प्रयास किया था पर वह तब वह नहीं मिल पाया था। वहीं यहां के एजबेस्टन मैदान पर तब उसकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा जब उसकी ये इच्छा पूरी हो गई। खेल के प्रति रवि के जुनून और उसके प्रति प्रेम से यशस्वी भी भावुक हो गये और उन्होंने इस बच्चे को अपने ऑटोग्राफ वाला बल्ला उपहार में दिया, जिस पर संदेश लिखा था, 'रवि को प्यार के साथ शुभकामनाएं।इसका एक विडियो भी भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोशल मीडिया पर जारी किया है।इसमें यशस्वी ने रवि से कहा, 'हैलो रवि, आप कैसे हैं? मैं यशस्वी हूं, आपसे मिलकर खुशी हुई।मैं आपसे मिलने के लिए वास्तव में उत्साहित था क्योंकि मुझे पता है कि आप क्रिकेट के बहुत बड़े प्रशंसक हैं। साथ ही कहा, 'मेरे पास आपके लिए एक उपहार है मेरा बल्ला।मैं चाहूंगा कि आप इसे मेरी याद के रूप में रखें।आपसे मिलकर वास्तव में बहुत अच्छा लगा।इस पर रवि ने कहा, 'आपसे मिलकर मुझे भी बहुत खुशी हुई।बहुत-बहुत धन्यवाद।आप शानदार क्रिकेटर है।आप भारतीय क्रिकेट का भविष्य हैं।मुझे आपकी बल्लेबाजी देखना पसंद है।यशस्वी ने बेहद कम समय के अंदर ही भारतीय टीम में अपनी जगह बनायी है।

रोहित और कोहली की वनडे वापसी पर लगा ब्रेक, फैंस को करना होगा इंतजार

-भारत-बांग्लादेश क्रिकेट सीरीज 2025 टली

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम इस साल बांग्लादेश दौरे पर नहीं जाएगी। भारत और बांग्लादेश के बीच अगस्त 2025 में प्रस्तावित सीमित ओवरों की सीरीज अब फिलहाल स्थगित कर दी गई है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शनिवार को जानकारी दी कि दोनों देशों के क्रिकेट बोर्ड की आपसी सहमति से यह निर्णय लिया गया है। नई सीरीज अब सितंबर 2026 तक के लिए टाल दी गई है। इस दौरे में तीन वनडे और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले जाने थे।

सीरीज टलने से भारतीय क्रिकेट प्रेमियों को उस वापसी का भी इंतजार करना पड़ेगा जिसका वे लंबे समय से बेसब्री से इंतजार कर रहे थे रोहित शर्मा और विराट कोहली की वनडे क्रिकेट में वापसी। दोनों दिग्गज खिलाड़ी पहले ही टेस्ट और टी20 फॉर्मेट से संन्यास ले चुके हैं और अब सिर्फ वनडे प्रारूप में ही खेलते हैं। ऐसे में बांग्लादेश के खिलाफ यह सीरीज उनके लिए एक तरह से वनडे क्रिकेट में पुनः दस्तक देने का मंच मानी जा रही थी।

बीसीसीआई ने अपने बयान में कहा कि यह निर्णय दोनों टीमों के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कार्यक्रम और मौजूदा शेड्यूल की व्यस्तता को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने भी पुष्टि की है कि वह सितंबर 2026 में भारत की मेजबानी को लेकर उत्साहित है। इस सीरीज की नई तारीखों की घोषणा आने वाले महीनों में की जाएगी।

गौरतलब है कि भारत और बांग्लादेश के बीच यह सीरीज 17 अगस्त 2025 से शुरू होनी थी। तय कार्यक्रम के अनुसार टीम इंडिया को इंग्लैंड दौरे के समापन के बाद सीधे बांग्लादेश रवाना होना था, लेकिन अब उस योजना पर विराम लग गया है। फिलहाल भारतीय टीम इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेल रही है, जो 4 अगस्त को समाप्त होगी। सीरीज स्थगित होने से रोहित और विराट के प्रशंसकों को बड़ा झटका लगा है। विराट कोहली ने अपना आखिरी वनडे मार्च 2025 में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था और अब तक वे 302 वनडे मैचों में 14181 रन बना चुके हैं, जिसमें 51 शतक और 74 अर्धशतक शामिल हैं। वहीं रोहित शर्मा ने 273 वनडे मैचों में 11168 रन बनाए हैं और उन्होंने भी अपना अंतिम वनडे न्यूजीलैंड के खिलाफ ही मार्च 2025 में खेला था।

इंदौर से महाराष्ट्र जा रही बस फिसलकर नदी में गिरी, 3 की मौत, कई घायल

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के जलगांव जिले के आमोदा गांव के पास एक निजी बस पुल से नीचे मोर नदी में गिरी गई। यह बस मध्य प्रदेश के इंदौर से भुसावल (महाराष्ट्र) जा रही थी। हादसे में अब तक तीन लोगों की मौत की खबर मिली है, जबकि 25 से ज्यादा यात्री घायल बताए जा रहे हैं। यह हादसा सुबह करीब 6 बजे हुआ जब बस पुल पर चढ़ते समय नियंत्रण हो गई और बैरिकेट तोड़ते हुए सीधे नदी में जा गिरी। गनीमत रही कि नदी में पानी नहीं था, जिससे बड़ी जनहानि टल गई। जानकारी के मुताबिक स्थानीय ग्रामीण और पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। दुर्घटनाग्रस्त बस एमपी 09-9009 को क्रेन की मदद से बाहर निकाला गया। इस हादसे के बाद मोर नदी पर बने पुल की सुरक्षा और सड़क की हालत पर सवाल उठने लगे हैं। बताया जा रहा है कि फैजपुर-अमोदा मार्ग पर एक महीने में 20 से ज्यादा हादसे हो चुके है। आरोप है कि इस सड़क पर ब्रेक लगाते समय वाहन फिसलते हैं, जिससे दुर्घटनाएं हो रही हैं। लगातार हो रहे हादसों के बावजूद अब तक कोई ठोस उपाय नहीं किए गए हैं। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। बता दें इससे पहले महाराष्ट्र के वाशिम जिले में समृद्धि महामार्ग पर एक कार डिवाइडर से टकरा गई थी, जिससे दो महिलाओं समेत चार लोगों की मौत हो गई थी। यह हादसा गुरुवार रात वनोजा और करंजा के बीच हुआ था। कार में सवार नागपुर जिले के उमरेड निवासी एक ही परिवार के पांच लोग पुणे से लौट रहे थे।

निकिता किशोर ने सी.ए परीक्षा में लहराया परचम

पटना : रोड नंबर १४, राजीव नगर, पटना की रहने वाली निकिता किशोर ने भारत के प्रतिष्ठित संस्थान आईसीएआई द्वारा आयोजित चार्टर्ड अकाउंटेंट परीक्षा 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शहर का नाम रौशन किया है। उनकी इस शानदार सफलता पर पूरे परिवार में गर्व और खुशी की लहर दौड़ गई है। निकिता के पिता, श्री नन्द किशोर, जियो इन्फोकॉम में फाइनेंस हेड हैं, और माता कुमारी आनंदी, 10+2 विद्यालय छपरा में केमिस्ट्री की शिक्षिका हैं। निकिता की सफलता को और भी गौरवमयी बनाती हैं उनकी बड़ी बहन अंकिता किशोर की उपलब्धि, जिन्होंने पिछले वर्ष 2024 में सी.ए परीक्षा में शानदार प्रदर्शन के साथ उत्तीर्ण किया था और उअळ 2024 की परीक्षा में सफल होकर वर्तमान में भारतीय प्रबंधन संस्थान इंदौर में अध्ययनरत हैं। निकिता तथा अंकिता शहर के प्रतिष्ठित विद्यालय, नॉट्रेडेम एकेडमी से 10 & 12 पास की हैं एवं देश के प्रतिष्ठित सेंट जेवियर कॉलेज, कोलकाता से बी. कॉम की हैं। निकिता की इस सफलता ने न केवल उनके परिवार का, बल्कि पूरे बिहार का मान बढ़ाया है ।यह उपलब्धि निस्संदेह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। निकिता को ढेरों शुभकामनाएं।

स्कूल सीरीज : यूपी-एमपी के शासकीय स्कूलों की जमीनी हकीकत उजागर कर रहा बुंदेलखंड 24X7

झांसी : उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में फैले बुंदेलखंड क्षेत्र के शासकीय स्कूलों की वास्तविक स्थिति को सामने लाने के लिए क्षेत्र के नंबर वन डिजिटल न्यूज प्लेटफॉर्म 'बुंदेलखंड 24X7' ने अपनी महत्वाकांक्षी स्कूल सीरीज की शुरुआत की है। गर्मी की छुट्टियों के बाद 15 जून से 1 जुलाई के बीच क्षेत्र के लगभग सभी स्कूलों के खुल चुके हैं, इसे ध्यान में रखते हुए इस सीरीज के तहत चैनल ने बुंदेलखंड के 14 जिलों, पन्ना, छतरपुर, निवाड़ी, सागर, झाँसी, बांदा, चित्रकूट, हमीरपुर, महोबा, दमोह, टीकमगढ़, ललितपुर, जालौन और दतिया के विभिन्न तहसीलों में स्थित शासकीय स्कूलों का गहन निरीक्षण करना शुरू कर दिया है। 'बुंदेलखंड 24७7' की ग्राउंड जीरो टीम, स्कूलों की मौजूदा स्थिति को समझने के लिए न केवल स्कूलों का दौरा कर रही है, बल्कि अध्यापकों और बच्चों के साथ गहन चर्चा भी कर रही है। इस दौरान स्कूलों में अध्यापकों की संख्या, बुनियादी ढांचे की स्थिति, शैक्षिक संसाधनों की उपलब्धता और बच्चों की समस्याओं जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डाला जा रहा है। यह सिलसिला पूरे जुलाई माह तक जारी रहेगा, जिसमें चैनल का लक्ष्य दूर-दराज के इलाकों में बने स्कूलों को भी कवर करना है, ताकि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच शैक्षिक सुविधाओं की विषमता को उजागर किया जा सके। इस पहल के पीछे चैनल के फाउंडर डॉ. अतुल मलिकराम का दृष्टिकोण स्पष्ट है। उन्होंने कहा, रबुंदेलखंड जैसे क्षेत्र में शिक्षा की स्थिति को सुधारने के लिए पहले उसकी जमीनी हकीकत को समझना जरूरी है। हमारी स्कूल सीरीज का मकसद न केवल समस्याओं को उजागर करना है, बल्कि उन मुद्दों को प्रशासन और समाज के सामने लाना है, जिन्हें हल करके हम अपने बच्चों के भविष्य को बेहतर बना सकते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं की कमी और अध्यापकों की अपर्याप्त संख्या जैसे मुद्दों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हमारा प्रयास है कि इन स्कूलों की कहानियां और वहां के बच्चों की आवाजें ज्यादा से ज्यादा लोगों के साथ-साथ शासन-प्रशासन तक भी पहुंचें। चैनल के डायरेक्टर और प्रमुख आसिफ पटेल ने इस सीरीज के महत्व को समझाते हुए बताया, रहमारी टीम बुंदेलखंड के हर कोने में जाकर स्कूलों की स्थिति का जायजा ले रही है। कई स्कूलों में हमें ऐसी कमियां दिखीं, जो बच्चों की पढ़ाई को प्रभावित कर रही हैं, जैसे कि कक्षाओं में बेंच-डेस्क की कमी, पीने के पानी की अनुपलब्धता, और कुछ जगहों पर तो बिजली और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव है। इसके अलावा, कई स्कूलों में अध्यापकों की कमी एक बड़ी समस्या है।

हरियाणा और पंजाब सरकारों के साथ वायु प्रदूषण शमन उपायों पर समीक्षा बैठक की

नई दिल्ली (एजेंसी)। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने एनसीआर और आस-पास के क्षेत्रों में वायु प्रदूषण को कम करने की दिशा में समन्वित कार्रवाई में तेजी लाने के लिए एक ठोस प्रयास के अंतर्गत चंडीगढ़ में पंजाब और हरियाणा राज्य सरकारों के मुख्य सचिवों के साथ दो महत्वपूर्ण उच्च स्तरीय समीक्षा बैठकें कीं। इस अवसर पर आयोग के सदस्य और वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थिति रहे। इन समीक्षा बैठकों का उद्देश्य उक्त दोनों राज्यों में अंतर-विभागीय समन्वय को मजबूत बनाने के साथ-साथ क्षेत्र में वायु प्रदूषण को कम करने के लिए प्रमुख क्षेत्रीय उपायों के कार्यान्वयन का मूल्यांकन करना है।

हरियाणा राज्य सरकार के साथ बैठक के दौरान, अनुमोदित कार्य योजना के अनुसार 2025 में धान की पराली जलाने को खत्म करने की तैयारी, ईंट भट्ठों में धान की पराली आधारित बायोमास छर्रों का उपयोग और थर्मल पावर प्लांटों द्वारा निर्धारित उत्सर्जन मानदंडों के अनुपालन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर विस्तृत समीक्षा की गई, जिसमें 2025-26 के लिए न्यूनतम 5 प्रतिशत बायोमास को-फायरिंग लक्ष्य के संबंध में की गई प्रगति की समीक्षा भी शामिल है। समीक्षा किए गए अन्य मुद्दों में सड़क धूल शमन रणनीतियां, विशेष रूप से राज्य सरकार द्वारा चिन्हित सड़कों के पुनर्विकास के लिए तैयार की गई कार्य योजना की समीक्षा और वाहनों से होने वाले उत्सर्जन को रोकने के लिए आयोग द्वारा जारी विभिन्न निर्देश शामिल थे।

समीक्षा बैठकों के अलावा, आयोग की टीम ने 4 जुलाई 2025 को पंजाब और हरियाणा राज्यों में धान की पराली के बाहरी उपयोग से संबंधित विभिन्न परियोजनाओं/प्रतिष्ठानों का दौरा भी किया, जिसमें पेलेटाइजेशन प्लांट, कंप्रेस्ड बायो-गैस (सीबीजी) प्लांट, बायोगैस प्लांट, 2जी इथेनॉल प्लांट और औद्योगिक बॉयलर शामिल हैं। इससे धान की पराली के बाहरी प्रबंधन को मजबूत बनाने में दोनों राज्यों द्वारा की गई तकनीकी और परिचालन प्रगति के बारे में मूलभूत जानकारी प्राप्त की गई।

आयोग ने समन्वय बढ़ाने, कार्य योजनाओं के लक्षित क्रियान्वयन और आयोग द्वारा जारी वैधानिक निर्देशों के सख्त क्रियान्वयन के महत्व को दोहराया। सीएक्यूएम ने दोनों राज्य सरकारों द्वारा अब तक किए गए प्रयासों की सराहना करते हुए क्षेत्र में वायु गुणवत्ता में सुधार को दर्शाने वाले दृश्यमान और मापनीय आंकड़े सुनिश्चित करने के लिए विशेषकर सर्दियों के मौसम के मद्देनजर सभी संबंधित हितधारकों की निरंतर कार्रवाई और साझा प्रतिबद्धता का आग्रह किया।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को लिखी चिट्ठी, कहा- पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ से तुरंत खाली कराएं बंगला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट द्वारा पत्र में लिखा गया है कि बिना किसी देरी के डॉक्टर जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ से बंगला नंबर पांच खाली कराया जाए। उन्हें इस बंगले में रहने की अनुमति का विस्तारित समय सीमा 21 मई 2025 को खत्म हो चुकी है। इसके अलावा 2022 नियमों के नियम 3क्कके तहत प्रदान की गई छह महीने की अवधि 10 मई, 2025 को समाप्त हो चुकी है। सुप्रीम कोर्ट के एक अधिकारी द्वारा मिनिस्ट्री ऑफ हाउसिंग एंड अरबन अफेयर्स सचिव को भेजे गए इस पत्र को हिन्दुस्तान टाइम्स ने देखा है। जानकारी के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट प्रशासन ने पूर्व सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ का बंगला खाली कराने के लिए केंद्र सरकार को पत्र लिखा है। इसके मुताबिक पूर्व सीजेआई रिटायर होने के बाद भी इस बंगले में रह रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट प्रशासन ने पत्र में लिखा है कि उन्हें जितने समय के लिए अनुमति दी गई थी, वह समय सीमा पूरी हो चुकी है। साथ ही पत्र में बंगला खाली कराके इसे कोर्ट के हाउसिंग पूल को लौटाने की बात कही गई है। सुप्रीम कोर्ट ने यह पत्र एक जुलाई को आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय को भेजा है। इसमें केंद्र सरकार से मांग की गई है कि लुटियंस दिल्ली के कृष्ण मेनन मार्ग पर स्थित बंगला नंबर पांच तत्काल खाली कराया जाए। यह बंगला आधिकारिक तौर पर सुप्रीम कोर्ट के सिटिंग सीजेआई का आवास है। गौरतलब है कि जस्टिस चंद्रचूड़ नवंबर 2022 से नवंबर 2024 तक देश के 50वें मुख्य न्यायाधीश रहे। कार्यकाल खत्म होने के करीब आठ महीने बाद भी वह बंगले में रह रहे हैं। वहीं, उनके बाद मुख्य न्यायाधीश बने, जस्टिस संजीव खन्ना और मौजूदा सीजेआई जस्टिस भूषण आर गवई सीजेआई के आधिकारिक निवास में गए ही नहीं। इन दोनों ने अपने पूर्व आवंटित बंगले में ही रहना जारी रखा।

तलाशी के दौरान मिला आतंकियों का अड्डा, भारी मात्रा में मिला हथियारों का जखीरा

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में सुरक्षा बलों को तलाशी अभियान के दौरान आतंकवादी का ठिकाना मिला है। जहां से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि सुरनकोट के जंगलों में पुलिस और सेना के संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान इस ठिकाने का पता चला। अधिकारियों ने बताया कि अभियान में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई। सुरक्षा बलों ने ठिकाने से तीन हथगोले, एके असॉल्ट राइफल की 14 गोलियां, पिस्तौल की 6 गोलियां और अन्य सामग्री बरामद की गईं। वहीं, जम्मू-कश्मीर पुलिस ने आतंकवादी गतिविधियों से जुड़ी अवैध कमाई से अर्जित संपत्ति को कुर्क किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, खानयार पुलिस थाने में दर्ज एक प्राथमिकी के संबंध में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत कुर्की की गई। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि आतंकवादी तंत्र के खिलाफ एक निर्णायक कदम उठाया गया। इसके सहायक ढांचे को ध्वस्त करने के लिए श्रीनगर पुलिस ने एक आवासीय संपत्ति को कुर्क कर लिया है, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग डेढ़ करोड़ रुपये है। खानयार इलाके के शालबाग के मीर मस्जिद मोहल्ला में स्थित यह संपत्ति मोहम्मद यूसुफ शाह के नाम पर पंजीकृत है। वर्तमान में यह उनके बेटे मसूद हुसैन शाह के कब्जे में है।

11 के खिलाफ आरोप पत्र दायर

इस बीच, जम्मू-कश्मीर राज्य जांच एजेंसी ने मादक पदार्थ-आतंकवाद मामले में पाकिस्तान स्थित हिजबुल मुजाहिदीन प्रमुख सैयद मोहम्मद यूसुफ शाह उर्फ सैयद सलाहुद्दीन समेत 11 आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है। एसआईए, जम्मू ने सबसे पहले 2022 में मामला दर्ज किया था। इसने जांच में आतंकवादी सहयोगियों व एक ऐसे सुव्यवस्थित नेटवर्क का पता लगाया था, जो मादक पदार्थों की तस्करी और आतंकवादी गतिविधियों के लिए धन जुटाने में मदद कर प्रतिबंधित संगठन का सहयोग कर रहा था। मध्य कश्मीर के बडगाम के सिबुग गांव के निवासी सलाहुद्दीन के अलावा बडगाम के खान साहिब इलाके का एक अन्य हिजबुल आतंकवादी बशारत अहमद भट का नाम भी आरोप पत्र में शामिल है।

नारी सशक्तिकरण की दिशा में नीतीश सरकार का ऐतिहासिक कदम

राज्य में 80 और चलेंगी पिंक बसें, चालक-कंडक्टर भी महिलाएं ही होंगी

पटना (एजेंसी)। बिहार सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा, सुविधा और आत्मनिर्भरता को को लेकर बड़ा फैसला लिया है। परिवहन विभाग ने राज्यभर में 80 नई पिंक बसें चलाने की योजना बनाई है। यह सिर्फ महिलाओं के लिए होंगी, जिसे सितंबर 2025 तक सभी जिला मुख्यालयों में चलाया जाएगा। मई 2025 में 20 सीएनजी पिंक बसें पटना, मुजफ्फरपुर, गया, पूर्णिया और दरभंगा में शुरू की गई थीं। इनकी सफलता के बाद अब सरकार ने 80 नई बसें और चलाने का फैसला लिया है।

बता दें 35 बसें पटना में, शेष 45 बसें अन्य प्रमुख जिलों में चलाई जाएंगी। पिंक बसों को पूरी तरह महिला यात्रियों के लिए डिजाइन किया गया है। इनमें कई आधुनिक और सुरक्षित सुविधाएं उपलब्ध हैं जिसमें जीपीएस लगाया गया है जिससे बसों की लाइव लोकेशन ट्रैक की जा सकती है। पैनिक बटन भी लगा है जो किसी भी आपात स्थिति में तुरंत अलर्ट करेगा। पूरे बस में निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। सेनेटरी पैड और मेडिकल किट महिलाओं की हेल्थ जरूरतों के लिए लगाया गया है। मोबाइल चार्जिंग पॉइंट, आरामदायक सीटें हैं और किराया 6 से 25 तक रखा है। छात्राओं के लिए 400 रुपए में मासिक पास बनाया जाएगा। कामकाजी महिलाओं के लिए 550 में पास बनेगा।

इस पहल को पूरी तरह महिलाओं द्वारा संचालित करने का लक्ष्य रखा गया है। 500 महिला चालकों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। कंडक्टर, चालक और नोडल अधिकारी सभी महिलाएं होंगी। पटना में 16, गया और भागलपुर में 4-4 महिला कंडक्टर पहले ही तैनात की जा चुकी हैं।

नोडल अधिकारी ने इसे नारी सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया है। बिहार सरकार की यह पहल महिलाओं की सामाजिक और आर्थिक भागीदारी को बढ़ावा देने की दिशा में एक नायाब प्रयास है। जहां एक तरफ यह कदम यातायात में सुरक्षा और सुविधा तय करता है, वहीं दूसरी ओर यह महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में भी बड़ी भूमिका निभा रहा है।

हिमाचल में आपदा: यह वक्त राजनीति का नहीं, राहत पहुंचाने का: सीएम सुक्खू

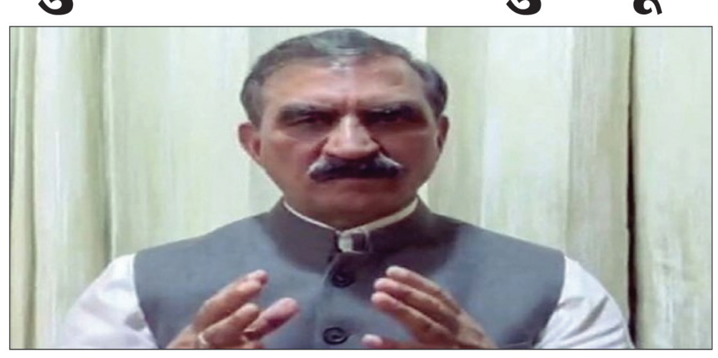

मंडी (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश इन दिनों भारी बारिश से तबाही मची है। बादल फटने, भूस्खलन और बाढ़ से राज्य में अब तक 69 मौतें, 37 लापता लोगों और 700 करोड़ रुपए से ज्यादा के नुकसान हुआ है। इस बीच प्रदेश की राजनीति में एक नया मोड़ आया, जब मंडी से बीजेपी सांसद कंगना रनौत और पूर्व सीएम जयराम ठाकुर के बीच कथित बयानबाज़ी बीजेपी के लिए सिरदर्द बन गई है।

सीएम सुक्खू ने बताया कि उन्होंने राज्य में अपदा को लेकर गृहमंत्री अमित शाह से बात की है और केंद्र सरकार ने हरसंभव मदद देने का वादा किया है। राज्य में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और स्थानीय प्रशासन की टीमें राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। उन्होंने कहा कि यह राजनीति का नहीं, राहत का वक्त है। हिमाचल की आपदा जहां प्राकृतिक संकट बनी हुई है, वहीं राजनीतिक गलियारों में आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला भी तेज हो गया है। कंगना रनौत और जयराम ठाकुर के बीच सार्वजनिक तौर पर सामने आए मतभेद भाजपा की आंतरिक असहजता को उजागर कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक पत्रकारों ने जब जयराम ठाकुर से पूछा कि कंगना रनौत आपदा के समय क्यों चुप हैं, तो उन्होंने कहा कि मैं उन लोगों पर टिप्पणी नहीं करना चाहता जो किसी की परवाह नहीं करते। हम यहां उन लोगों के लिए हैं जो परवाह करते हैं। जयराम ठाकुर के बयान पर कंगना ने एक्स पर जवाब देते हुए कहा कि उन्हें ठाकुर ने ही बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जाने से रोका था, क्योंकि सड़कें टूटी हैं और संपर्क पूरी तरह बाधित है।

कंगन ने लिखा- मैंने सेराज व अन्य बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जाने की कोशिश की, लेकिन वहां सड़क संपर्क टूट चुका है। जयराम जी ने सलाह दी है कि जब तक रास्ते ठीक नहीं हो जाते, जाना उचित नहीं। वहीं कांग्रेस ने कंगना के ट्वीट और बीजेपी नेताओं के विरोधाभासी बयानों को लेकर बीजेपी की आपसी तालमेल की कमी और दोहरे रवैये पर सवाल खड़े किए हैं।

राज और उद्धव पर भड़के फडणवीस- शिंदे बोले ये सिर्फ सत्ता की लालसा के अलाव कुछ नहीं

मुंबई (एजेंसी)। भाजपा और महायुति गठबंधन के नेताओं ने इसे सियासी मजबूरी और भाईचारे की नौटंकी करार दिया है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे के भाषण पर कटाक्ष करते हुए कहा, राज ने जहां मराठी भाषा के प्रति संवेदनशीलता दिखाई, वहीं उद्धव का पूरा भाषण ईर्ष्या, कटुता और सत्ता की लालसा से भरा था। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज ठाकरे पर व्यंग्य करते हुए कहा, अगर मैंने ठाकरे भाइयों को मिला दिया तो शायद बालासाहेब की भी मुझ पर कृपा है। उन्होंने रैली को ÷रुदाली कार्यक्रम÷ बताया और कहा कि मराठी का नाम लेकर सत्ता की राजनीति की जा रही है। फडणवीस ने यह भी पूछा, 25 साल मुंबई नगर निगम आपके पास थी, आपने मराठी के लिए कौन सा कार्य किया? वहीं शिंदे ने कहा कि यह रैली मराठी मानुष की आवाज बनने के बजाय, सत्ता प्राप्ति की व्यक्तिगत कोशिश बन गई। उन्होंने उद्धव पर 2019 में भाजपा से नाता तोड़कर मराठी अस्मिता और बालासाहेब की विचारधारा के साथ धोखा करने का आरोप लगाया। राज्य मंत्री आशीष शेलार ने तो इसे भाई-भाई के मेल की रैली बताते हुए कहा, यह मराठी भाषा के प्रेम के लिए नहीं, बल्कि शिवसेना (यूबीटी) की सियासी जमीन बचाने का प्रयास था। वहीं, केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने भी सख्त टिप्पणी करते हुए कहा, मराठी से प्रेम होना ठीक है, लेकिन हिंदी-विरोधी भावना गलत है। मारपीट और धमकी देकर कोई भाषा नहीं सिखाई जा सकती। शिवसेना (यूबीटी) और एमएनएस की यह एकजुटता बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव से पहले एक बड़े राजनीतिक संदेश के रूप में देखी जा रही है। उद्धव की पार्टी जहां लोकसभा में पिछड़ती दिखी, वहीं एमएनएस हालिया विधानसभा चुनावों में एक भी सीट नहीं जीत पाई। यह मंच साझा करना न केवल बालासाहेब ठाकरे की विरासत को फिर से एकजुट करने की कोशिश है, बल्कि मराठी मतदाताओं के बीच भाजपा के खिलाफ एक भावनात्मक और सांस्कृतिक मोर्चा खड़ा करने की रणनीति भी लगती है।

घाना के बाद आतंकवाद के मामले पर भारत को मिला त्रिनिदाद-टोबैगो का साथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए हमले के बाद भारत ने आतंकवाद के मामले पर दुनियाभर के देशों से पुरजोर अंदाज में समर्थन देने की कूटनीतिक कवायद शुरू की थी। जिसमें उसे काफी सफलता भी हाथ लगी। लेकिन कई ऐसे देश ऐसे रह गए, जहां भारत अपनी इस कोशिश में पहुंच नहीं सका। अब इसी अंतर को पाटने का काम स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी पांच देशों की विदेश यात्रा के दौरान कर रहे हैं। जिसका नतीजा यह है कि पहले भारत को आतंकवाद पर घाना का समर्थन मिला। तो वहीं अब कैरेबियाई देश त्रिनिदाद और टोबैगो (टी-एंड-टी) भी इस मामले में मजबूती से भारत के साथ खड़ा हो गया है। बीते शुक्रवार को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और त्रिनिदाद-टोबैगो की प्रधानमंत्री कमला प्रसाद बिसेसर के बीच पोर्ट ऑफ स्पेन के रेड हाउस में एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठक हुई। जिसमें दोनों शीर्ष नेताओं ने आतंकवाद के सभी स्वरूपों, अभिव्यक्तियों से लड़ने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। जिसमें बताया कि पीएम मोदी ने पहलगाम हमले को लेकर भारत के लोगों को त्रिनिदाद-टोबैगो द्वारा दिए गए मजबूत समर्थन और एकजुटता की प्रशंसा की। दोनों ने वैश्विक दक्षिण के देशों के बीच अधिक एकजुटता के लिए मिलकर काम करने और भारत-कैरिकॉम साझेदारी को मजबूत करने पर सहमति जताई। वार्ता में साझा हितों से जुड़े क्षेत्रीय और वैश्विक मामलों पर भी विचार-विमर्श किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रधानमंत्री कमला को भारत यात्रा का निमंत्रण दिया। जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार किया है। टी एंड टी में पीएम मोदी ने कुछ महत्वपूर्ण घोषणाएं की। जिनमें भारतीय समुदाय सदस्यों की छठी पीढ़ी तक ओसीआई कार्ड सुविधा का विस्तार, विद्यालय के छात्रों को 2 हजार लैपटॉप उपहार में दिए, 1 मिलियन अमेरिकी डॉलर की कृषि प्रसंस्करण मशीनरी का औपचारिक हस्तांतरण किया गया। 800 लोगों के लिए 50 दिनों के लिए कृत्रिम अंग फिटमेंट शिविर का आयोजन, हील इन इंडिया के तहत भारत में विशेष चिकित्सा उपचार की पेशकश की जाएगी।

शांति-सुरक्षा के लिए आतंकवाद खतरा

बैठक के बाद जारी किए संयुक्त बयान में भी दोनों नेताओं ने आतंकवाद का उल्लेख किया और उसे शांति और सुरक्षा के लिए एक समान खतरा बताया। उन्होंने इसकी कड़ी निंदा की और आतंकवाद के खिलाफ सख्त अंदाज अपने विरोध को लेकर प्रतिबद्धता जताई। इसके अलावा पीएम मोदी और पीएम कमला ने घोषणा की कि आतंकवाद के लिए किसी तरह की कोई सफाई नहीं दी जा सकती है। सीमा-पार आतंकवाद भी इसमें शामिल है।

कुल 6 समझौतों पर हुए हस्ताक्षर

मंत्रालय ने बताया, बैठक के बाद भारत और त्रिनिदाद-टोबैगो के बीच कुल 6 समझौतों/समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। भारतीय फार्माकोपिया पर एमओयू, त्वरित प्रभाव परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए भारतीय अनुदान सहायता पर समझौता, 2025-2028 की अवधि के लिए सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम, खेलों में सहयोग पर एमओयू, राजनयिक प्रशिक्षण में सहयोग पर एमओयू और वेस्टइंडीज विश्वविद्यालय, त्रिनिदाद-टोबैगो में हिंदी व भारतीय अध्ययन की दो आईसीसीआर पीठों की पुनर्स्थापना पर एमओयू इसमें मुख्य हैं।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**